MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 10 फरवरी, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-40

हिस्से पाती आज

GHMC के 3 टुकड़े, विशेष अधिकारी होंगे जयेश

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
तेलंगाना सरकार ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के विभाजन को लेकर एक बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। प्रशासन को अधिक सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जीएचएमसी को अब तीन अलग-अलग नगर निगमों में विभाजित किया जाएगा। इस नए पुनर्गठन के तहत अब हैदराबाद, साइबराबाद , और मल्कजगिरि तीन स्वतंत्र नगर निगमों के रूप में कार्य करेंगे। संभवत: कल मंगलवार 10 फरवरी को इसकी आधिकारिक घोषणा हो सकती है।

सरकार इस बड़े बदलाव को सुचारू रूप से लागू करने के लिए अनुभवी अधिकारियों पर भरोसा जता रही है। विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन को इस पूरी प्रक्रिया के लिए विशेष अधिकारी के रूप में मैदान में उतारा जा रहा है।

उनकी देखरेख में ही विभाजन की जटिल प्रक्रियाओं को पूरा किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, नए बनने वाले नगर निगमों के नेतृत्व के लिए नामों पर विचार लगभग अंतिम चरण में है।

पी. सृजना को साइबराबाद नगर निगम की कमान सौंपी जा सकती है, जबकि विनय कृष्ण रेड्डी को मल्कजगिरि की जिम्मेदारी मिलने की पूरी संभावना है। प्रशासनिक गलियारों में इन नामों की चर्चा तेज है और माना जा रहा है कि ये अधिकारी जल्द ही अपना पद्भार संभालेंगे।

चुनाव तक आर.वी. कर्णन का रहेगा दबदबा
जब तक आगामी चुनाव संपन्न नहीं हो जाते, तब तक ग्रेटर हैदराबाद के मुख्य आयुक्त के रूप में आर.वी. कर्णन का प्रभाव बना रहेगा। वे वर्तमान व्यवस्था और चुनावी तैयारियों के बीच सामंजस्य बिठाने का काम करेंगे। जानकारी के मुताबिक, इस पूरे पुनर्गठन और नियुक्तियों से संबंधित आधिकारिक शासनादेश (जीओ) कल मंगलवार 10 फरवरी को जारी होने की उम्मीद है।

जाते-जाते 20 प्रॉजेक्ट

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की स्थायी समिति ने सोमवार को अपनी अंतिम बैठक में 20 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी। इसमें तीन प्रमुख सड़क विकास परियोजनाएं और दिवंगत कांग्रेस नेता के नाम पर एक एलिवेटेड कॉरिडोर का नामकरण शामिल है।चूंकि वर्तमान परिषद का कार्यकाल मंगलवार को समाप्त हो रहा है, इसलिए इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। समिति ने पिछले पांच वर्षों में शहर के बुनियादी ढांचे, बाढ़ नियंत्रण और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए कार्यों की भी समीक्षा की।
▶10पर

आईसीसी ने हडकाया, भारत से मैच पर फैसला आज

थूककर चाटेगा पाकिस्तान ?

नई दिल्ली/लाहौर, 09 फरवरी (एजेंसियां) ।
आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर बड़ी अपडेट सामने रही है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान की टीम भारत के साथ मैच खेलने के लिए तैयार है। फिलहाल मामला आईसीसी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच चल रहा है। पीसीबी नए फैसले के ऐलान का तरीका ढूंढ रही है। रास्ता मिलते ही पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ मंगलवार (10 फरवरी) को ऐलान कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी पीएम कल पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के साथ मिलकर इस मुद्दे पर फाइनल निर्णय लेंगे।

आईसीसी ने साफ शब्दों में कहा है कि इस पूरे घटनाक्रम के लिए बांग्लादेश को किसी भी तरह से दंडित नहीं किया जाएगा और उसे आईसीसी रेवेन्यू में उसका तय हिस्सा मिलता रहेगा।

सूत्रों के मुताबिक, यह फैसला आईसीसी ने पूरी तरह स्वतंत्र रूप से लिया है और इसमें किसी भी अन्य क्रिकेट बोर्ड का दबाव शामिल नहीं है।

भले ही बांग्लादेश मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो चुका हो, लेकिन आर्थिक रूप से उसे किसी प्रकार का नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा। आईसीसी रेवेन्यू शेयर में बांग्लादेश को उसका पूरा हक मिलेगा। आईसीसी ने यह भी स्वीकार किया है कि बांग्लादेश पिछले वर्ष महिला टी20 वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी से वंचित रह गया था। देश में हुए दंगों और सुरक्षा हालात के कारण यह टूर्नामेंट बांग्लादेश से हटाकर दुबई शिफ्ट कर दिया गया था।

इसी नुकसान को ध्यान में रखते हुए आईसीसी अब बांग्लादेश को अगले चक्र में किसी बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी देने पर विचार कर रहा है।

सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश को अंडर-19 वर्ल्ड कप जैसे किसी आईसीसी इवेंट की मेजबानी सौंपी जा सकती है, ताकि पिछले नुकसान की आंशिक भरपाई हो सके।

सब कुछ किया खारिज
आईसीसी की बैठक के दौरान पाकिस्तान और बांग्लादेश की ओर से यह मांग उठाई गई कि आईसीसी भारत से पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज खेलने के लिए कहे। हालांकि, आईसीसी ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया। आईसीसी का स्पष्ट कहना है कि द्विपक्षीय सीरीज उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आतीं। यही कारण है कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जैसे आईसीसी टूर्नामेंट के चक्र में
▶10पर

हिमंत पर ओवैसी ने तानी बंदूक

'पॉइंट-ब्लैंक शॉट' शिकायत

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
एआईएमआईएम (मजलिस) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को शहर के पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज कराई है। इस शिकायत में उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की माँग की है। मामला सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक कथित वीडियो से जुड़ा है, जिसे बाद में हटा लिया गया था। असम भाजपा द्वारा एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में कथित तौर पर मुख्यमंत्री सरमा को राइफल से दो व्यक्तियों पर निशाना साधते और गोली चलाते हुए दिखाया गया था, जिनमें से एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इस वीडियो के साथ ''पॉइंट-ब्लैंक शॉट'' का कैप्शन दिया गया था।

नरसंहार वाली नफरती भाषा – ओवैसी का प्रहार
हैदराबाद के सांसद ओवैसी ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, दुर्भाग्य से, नरसंहार वाली नफरती भाषा अब एक सामान्य बात बन गई है। अपनी लिखित शिकायत में ओवैसी ने सरमा पर आरोप लगाया कि उन्होंने जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से ऐसे कृत्य किए हैं, जिनका उद्देश्य मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाना है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के कृत्यों से दो धार्मिक समुदायों के बीच शत्रुता बढ़ती है और यह राष्ट्रीय अखंडता के विरुद्ध है।एआईएमआईएम प्रमुख ने अपनी शिकायत में यह भी दावा किया कि मुख्यमंत्री सरमा पिछले कई वर्षों से लगातार सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, सार्वजनिक भाषणों और अन्य मंचों के माध्यम से मुस्लिम समुदाय के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के महीनों में मुख्यमंत्री ने जानबूझकर अपने नफरती भाषणों को तेज किया है। ओवैसी के अनुसार, इसका स्पष्ट उद्देश्य हिंदुओं और मुसलमानों के बीच नफरत फैलाना है, जबकि वे इस बात से पूरी तरह अवगत हैं कि ऐसी बातें सांप्रदायिक सद्भाव के लिए विनाशकारी साबित हो सकती हैं।

ओवैसी ने 7 फरवरी को भाजपा की असम इकाई के एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए वीडियो का विशेष उल्लेख किया।
▶10पर

हम तुहार बाप नाही!

तेज प्रताप ने अनुष्का की बेटी को अपनाने से किया इनकार

पटना, 09 फरवरी (एजेंसियां) ।
जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर अनुष्का यादव के साथ उनका नाम जोड़े जाने और एक बच्ची के जन्म को लेकर फैल रही चर्चाओं पर तेज प्रताप ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा था कि अनुष्का यादव ने एक बच्ची को जन्म दिया है और उसके पिता तेज प्रताप यादव हैं। इन आरोपों को तेज प्रताप यादव ने पूरी तरह झूठा करार दिया है। उन्होंने न सिर्फ इन अफवाहों से इनकार किया, बल्कि दावा किया कि अनुष्का यादव का रिश्ता आकाश भाटी नाम के व्यक्ति से है।

पटना में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेज प्रताप यादव ने पूरे मामले की निष्पक्ष जाँच की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्ची के पिता आकाश भाटी हैं। तेज प्रताप के अनुसार, आकाश भाटी गोला रोड इलाके में रहते हैं और कथित तौर पर अनुष्का यादव के फ्लैट पर उनका आना-जाना रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि इस एंगल से अब तक जाँच क्यों नहीं की जा रही। तेज प्रताप यादव ने कहा कि आकाश भाटी अनुष्का के फ्लैट पर क्यों जाते थे, इसकी भी जाँच होनी चाहिए।

तेज प्रताप यादव ने दो टूक शब्दों में कहा कि अनुष्का यादव से उनका कोई निजी संबंध नहीं है और बच्ची से भी उनका कोई लेना-देना नहीं है।

उनका कहना है कि जानबूझकर उनका नाम इस मामले में घसीटा जा रहा है ताकि उनकी राजनीतिक और सामाजिक छवि को नुकसान पहुंचाया जा सके। तेज प्रताप ने स्वीकार किया कि इन अफवाहों के कारण वह मानसिक रूप से परेशान भी हुए हैं।

साजिश का आरोप, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी
तेज प्रताप यादव ने इस पूरे विवाद को साजिश करार देते हुए आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक लोग उन्हें बदनाम करने और कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से जुड़े कुछ नेताओं का नाम लेते हुए उन्हें जयचंद तक कहा और स्पष्ट किया कि वे इस मामले में कानूनी कदम उठाएंगे और अदालत का रुख करेंगे।

आकाश भाटी को लेकर सस्पेंस
तेज प्रताप यादव के बयान के बाद आकाश भाटी का नाम चर्चा में आ गया है, लेकिन अब तक उनकी कोई आधिकारिक प्रोफाइल या सार्वजनिक पहचान सामने नहीं आई है।
▶10पर

54,000 करोड़ की डिजिटल डकैती

सुप्रीम कोर्ट ने लूट पर जताई कड़ी चिंता

नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां) ।
सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डिजिटल धोखाधड़ी के माध्यम से 54,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि की हेराफेरी को लूट या डकैती करार दिया है। अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह इस तरह के अपराधों से निपटने के लिए सभी हितधारकों के साथ परामर्श करके एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जोयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया शामिल थे, ने टिप्पणी की कि डिजिटल धोखाधड़ी में खोई गई यह राशि कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय रिजर्व बैंक और बैंकों को इस मामले में समय पर कार्रवाई करने की सख्त जरूरत है।

बैंक अधिकारियों की मिलीभगत या लापरवाही पर सवाल
पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि इतने बड़े पैमाने पर होने वाली धोखाधड़ी या तो मिलीभगत का परिणाम हो सकती है या बैंक अधिकारियों की भारी लापरवाही का। निर्देशों की एक श्रृंखला जारी करते हुए, अदालत ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को

आरबीआई के मौजूदा एसओपी और दूरसंचार विभाग के इसी तरह के दिशानिर्देशों का परीक्षण करने के लिए कहा है। अदालत ने चार सप्ताह के भीतर एक मसौदा समझौता ज्ञापन तैयार करने का निर्देश दिया है ताकि डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों को प्रभावी ढंग से हल किया जा सके।

डिजिटल अरेस्ट के मामलों पर सीबीआई को बड़ी जिम्मेदारी
अदालत ने यह संज्ञान लिया कि आरबीआई ने पहले ही एक एसओपी तैयार की है जो बैंकों को साइबर धोखाधड़ी रोकने के लिए डेबिट कार्डों को अस्थायी रूप से ब्लॉक करने का अधिकार देती है। इसके साथ ही, अदालत ने सीबीआई को तथाकथित डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों की पहचान करने का निर्देश दिया है। गुजरात और दिल्ली सरकारों को भी आदेश दिया गया है कि वे पहचाने गए मामलों में सीबीआई को जांच आगे बढ़ाने की अनुमति प्रदान करें।

पीड़ितों के मुआवजे के लिए बनेगा नया ढांचा
सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई, दूरसंचार विभाग और अन्य अधिकारियों को एक संयुक्त बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया है ताकि डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए एक रूपरेखा तैयार की जा सके।

अदालत ने कहा कि मुआवजे के निर्धारण में एक व्यावहारिक और उदार दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इस मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी, जिसमें अधिकारियों को नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा गया है।

नरवणे की अप्रकाशित किताब कैसे हुई लीक?

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर,जाँच शुरू

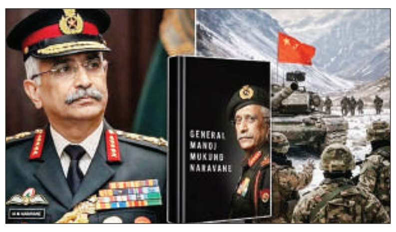

नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां)।
पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल (रिटायर्ड) एम.एम. नरवणे की अप्रकाशित किताब के कथित रूप से लीक होने के मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। पुलिस ने सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन न्यूज फोरम्स पर ऐसी जानकारियां सामने आई थीं, जिनमें दावा किया गया कि 'Four Stars of Destiny' नामक किताब की प्री-प्रिंट कॉपियां बिना अनिवार्य मंजूरी के सार्वजनिक रूप से सर्कुलेट की जा रही हैं। दिल्ली पुलिस के अनुसार, यह भी जानकारी सामने आई थी कि इस किताब के प्रकाशन के लिए संबंधित सक्षम प्राधिकरणों से अब तक आवश्यक अनुमति प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस बयान में कहा गया कि सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि इसी शीर्षक वाली एक टाइपसेट किताब की
▶10पर

मात्र दो दिनों में कई कंपनियों के सैकड़ों अरब डालर साफ

वाशिंगटन, 09 फरवरी (एजेंसियां)।

चेटजीपीटी के शेयर बाजार में आने के बाद से कई बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर उतार-चढ़ाव देखे गए थे, परंतु इस बार बाजार में आई तेज गिरावट ने सभी को चौंका दिया। केवल दो दिनों में सिलिकान वैली की अनेक कंपनियों की बाजार कीमत से सैकड़ों अरब डालर साफ हो गए।

खासकर साफ्टवेयर कंपनियों के शेयर इस गिरावट के केंद्र में रहे। साफ्टवेयर कंपनियों पर आधारित एक आईशेयर्स ईटीएफ की वैल्यू सात दिनों में लगभग 1 ट्रिलियन डालर घट गई, जिससे बाजार में गहरी घबराहट फैल गई। दिलचस्प बात यह है कि यह डर किसी बुलबुले के फटने से नहीं, बल्कि एआई के कंपनियों के बिजनेस माडल को चुनौती देने की वास्तविक आशंका से पैदा हुआ है। इस संकट की शुरुआत एक छोटे से ऐलान से हुई। एआई स्टार्टअप अंथ्रोपिक ने कानूनी कामों के लिए नया एआई टूल लान्च किया। हालांकि यह बड़ा तकनीकी धमाका नहीं था, लेकिन इससे पहले इसके एआई कोडिंग टूल्स ने साफ्टवेयर उद्योग की तस्वीर बदल दी थी। यही कारण है कि निवेशकों को यह घोषणा संभावित खतरे जैसी लगी। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई लीगल सेक्टर में घुसा है, तो कल यह सेल्स, मार्केटिंग और फाइनेंस के क्षेत्रों में भी दस्तक देगा। निवेशकों की चिंता तब और गहरी हो गई जब उन कंपनियों में भी कमजोरी दिखनी शुरू हुई जो एआई के सबसे बड़े लाभार्थी मानी जाती थीं।

अल्फाबेट ने अपने एआई खर्च बढ़ने की बात कबूल की, वहीं आर्म होल्डिंग्स ने उम्मीद से कमजोर कमाई का अनुमान दिया, जिससे दोनों के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआत में केवल साफ्टवेयर कंपनियों के शेयरों में बिकवाली देखी गई, लेकिन धीरे-धीरे यह गिरावट पूरे बाजार में फैल गई। शेयरों के गिरने से डर बढ़ा और डर की वजह से बिकवाली और तेज हो गई। इस असर से अमेरिका तक सीमित न रहकर लंदन स्टाक एक्सचेंज ग्रुप, टीसीएस और इंफोसिस जैसी कंपनियों के शेयर भी नीचे आ गए। इतना ही नहीं, जिन बैंकों और निवेशकों ने साफ्टवेयर कंपनियों को कर्ज दिया था उन पर भी दबाव बढ़ गया।

ब्लूमबर्ग के अनुसार पिछले चार हफ्तों में 17.7 अरब डालर से अधिक के अमेरिकी टेक लोन संकट के स्तर पर पहुंच गए हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि अभी तक कई बड़ी साफ्टवेयर कंपनियों ने एआई के चलते कोई बड़ा वित्तीय नुकसान नहीं झेला है। सर्विसनाउ और सेल्सफोर्स जैसी कंपनियों की कमाई में कोई कमी नहीं आई, न ही ग्राहकों के छूटने का संकट सामने आया है। इसके बावजूद बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि एआई की तेज रफ्तार में कौन सी कंपनियां टिक पाएंगी और कौन धीरे-धीरे पीछे छूट जाएंगी।

न्यूज ब्रीफ

कौन हैं मोहम्मद ज़मरी.......जो कि हिंदु थे फिर इस्लाम को अपनाकर हिंदु विरोधी हो गए

कोआललंपुर। आजकल मलेशिया में धर्म और जाति को लेकर काफी खींचतान चल रही है। इसमें सबसे बड़ा नाम सामने आ रहा है मोहम्मद ज़मरी विनोथ का।

ज़मरी पहले हिंदू थे, लेकिन इस्लाम अपनाने के बाद वे एक प्रचारक बन गए हैं जो अक्सर हिंदुओं के खिलाफ बयान देते हैं। खासकर जब से भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलेशिया दौरे की बात चली है, ज़मरी के सुर और भी मुखर हुए हैं। ज़मरी आजकल मलेशिया के धार्मिक मामलों में काफी चर्चा (और विवाद) में रहते हैं। बताया जाता है कि उन पर विवादित प्रचारक जाकिर नाइक की विचारधारा का गहरा असर है। ज़मरी सोशल मीडिया और अपनी स्पीच के द्वारा कट्टरपंथी सोच को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसे वहां के समाज के लिए एक चिंताजनक संकेत माना जा रहा है। बात दें कि जमरी का काम करने का तरीका काफी आक्रामक है। वे भड़काऊ भाषण देते हैं, सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते हैं और कई बार हिंदू मंदिरों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी करते हैं। उनकी बातों से ऐसा लगता है जैसे वे हिंदुओं को एक दुश्मन की तरह पेश कर रहे हैं। मलेशिया, जो अपनी विविधता और मिली-जुली संस्कृति के लिए जाना जाता है, वहां ऐसी बातें भाईचारे को नुकसान पहुँचा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मलेशिया दौरे को ज़मरी और उनके समर्थक मौके की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। वे इस दौरे को मलेशिया की इस्लामिक पहचान के लिए खतरा बता रहे हैं। ज़मरी का कहना है कि मोदी सरकार हिंदू राष्ट्रवाद को बढ़ावा देती है, जिससे मलेशिया के मुस्लिमों के अधिकारों पर असर पड़ेगा। इस तरह उन्होंने एक कूटनीतिक दौरे को पूरी तरह से धार्मिक और राजनीतिक रंग दे दिया है।

प्रजनन आयु की हर 10 में से 1 महिला जूझ रही एंडोमेट्रियोसिस से

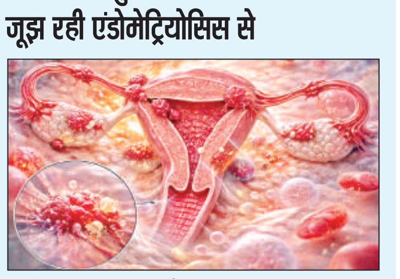

जिनेवा। प्रजनन आयु की हर 10 में से 1 महिला एंडोमेट्रियोसिस से जूझ रही है। इस स्थिति में गर्भाशय के अंदर बनने वाला टिश्यू शरीर के अन्य अंगों जैसे अंडाशय, आंत, डायफ्राम या फेफड़ों में बढ़ने लगता है। यह लंबे समय तक असहनीय दर्द देता है और समय रहते इलाज न मिले तो बांझपन का कारण भी बन सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार अधिकतर महिलाएं तेज पीरियड दर्द को ही इसका संकेत समझती हैं, जबकि शरीर कई अनोखे लक्षणों के जरिए भी चेतावनी देता है। जैसे पीरियड के दौरान कंधे में अचानक तेज दर्द जो डायफ्राम या फेफड़ों के पास टिश्यू जमा होने का संकेत हो सकता है। कई महिलाओं में कब्ज, दस्त, गैस या पेट फूलना जैसे लक्षण दिखते हैं, जिन्हें अक्सर खराब पाचन समझ लिया जाता है। बार-बार पेशाब आने, पेशाब के दौरान जलन या दर्द बढ़ जाने पर इसे अक्सर यूटीआई मान लिया जाता है, जबकि यह एंडोमेट्रियोसिस का संकेत हो सकता है। कुछ महिलाओं को कूल्हे से घुटने तक फैलने वाला दर्द महसूस होता है, जो नसों पर दबाव के कारण होता है। लगातार थकान, शरीर में भारीपन और माइग्रेन जैसे लक्षण भी इस बीमारी से जुड़े माने जाते हैं। हार्मोनल बदलाव और शरीर में बनने वाले स्कार टिश्यू की वजह से सिरदर्द बढ़ सकता है। एंडोमेट्रियोसिस का अभी कोई स्थायी इलाज उपलब्ध नहीं है, लेकिन जल्दी पहचान से लक्षणों को काफी हद तक नियंत्रण में किया जा सकता है।

अमेरिका में कड़ाके की ठंड के चलते पेड़ों से पके फल की तरह टपक रहे ढेरों जीव जंतु

फ्लोरिडा। अमेरिका का सनशाइन स्टेट कहा जाने वाला फ्लोरिडा इन दिनों एक अजीबोगरीब और डरावनी प्राकृतिक घटना का केंद्र बना हुआ है।

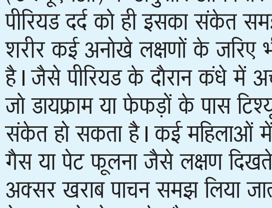

पूर्वी अमेरिका में चल रही भीषण शीतलहर ने यहाँ के पारिस्थितिकी तंत्र को हिलाकर रख दिया है। कड़ाके की इस सर्दी का सबसे भयावह असर यहाँ पाए जाने वाले हरे इगुआना पर पड़ा है। ठंड के कारण ये जीव सुन्न होकर पेड़ों से किसी पके हुए फल की तरह जमीन पर गिर रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वन्यजीव अधिकारियों ने अब तक लगभग 5,195 जमे हुए इगुआना को इकट्ठा कर उन्हें इच्छा मृत्यु दे दी है। क्यों लकवाग्रस्त हो रहे हैं इगुआना जीव विज्ञान के अनुसार, इगुआना कोल्ड-ब्लडेड (शीत-रक्त) जीव होते हैं। इंसानों के विपरीत, इनका शरीर बाहरी वातावरण के अनुसार अपनी गर्मी पैदा नहीं कर सकता। जब तापमान 50 डिग्री फारेनहाइट (लगभग 10 डिग्री सेल्सियस) से नीचे जाता है, तो इनके शरीर की चयापचय प्रक्रिया सुस्त होने लगती है। मियामी और आसपास के इलाकों में पारा 35 डिग्री फारेनहाइट तक गिरने से ये जीव कोल्ड-स्टन्ड अवस्था में पहुँच गए हैं। इस स्थिति में इनका शरीर पूरी तरह लकवाग्रस्त हो जाता है ।

बलोचिस्तान पर विवादित टिप्पणी के लिए राणा सनाउल्लाह को सुननी पड़ी खरी-खोटी

लाहौर, 09 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार और पूर्व गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह को बलोचिस्तान में जबरन गायब किए जाए रहे लोगों के संबंध में की गई विवादास्पद टिप्पणी पर जमकर खरी-खोटी सुननी पड़ी। दो दिवसीय छठवें अंतरराष्ट्रीय अस्मा जहांगीर सम्मेलन में की गई इस टिप्पणी पर एक महिला ने तो यहां तक कह दिया कि राणा सनाउल्लाह तुम तो चुप ही रहो। बलोचिस्तान से पहुंचे कई प्रतिनिधियों ने राणा की टिप्पणी पर कड़ा प्रतिवाद करते हुए सम्मेलन का बहिष्कार कर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, इसे दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा मानवाधिकार सम्मेलन माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय अस्मा जहांगीर सम्मेलन का समापन स्थानीय फलेटी होटल में आठ फरवरी को हुआ। प्रधानमंत्री के सलाहकार सनाउल्लाह राणा की टिप्पणी जमकर हंगामा हुआ। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। राणा ने बलोचिस्तान में लापता व्यक्तियों को बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि बीएलए से जुड़े लोगों ने मानवाधिकारों का कत्ल किया है। इसलिए ऐसे लोगों की जबरन उठा लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर आतंकवाद कायम रहेगा तो जबरन लोगों को गायब किया जाएगा

सम्मेलन में उपस्थित लोगों ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। लोगों ने राणा सनाउल्लाह से हाल से बाहर चले जाने की मांग की। वह अपने रुख पर अड़े रहे। इसके बाद स्थिति और बिगड़ गई। इसका विरोध करते हुए प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता शिमा किरमानी, बलोच सालिडेरिटी कमेटी के नेता और सामी दीन बलूच सहित आधे से ज्यादा वक्ता विरोध करते हुए हाल से बाहर चले गए। अस्मा जहांगीर की भतीजी ने कहा कि राणा सनाउल्लाह जैसे लोगों को सम्मेलन में नहीं बुलाया जाना चाहिए। ऐसी टिप्पणियों की वजह से ही अस्मा जहांगीर की आत्मा को ठेस पहुंचती है।

प्रतिभागियों ने कहा कि मानवाधिकारों के नाम पर आयोजित सम्मेलन में जबरन गायब किए जाने की अनुमति देना अस्वीकार्य है। ऐसे बयान न केवल पीड़ित परिवारों के घावों पर नमक छिड़कने के बराबर हैं, बल्कि अस्मा जहांगीर के विचारों की अवहेलना करते हैं। इस मौके पर बलोचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष और बलोचिस्तान के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार अख्तर मेंगल ने राणा को कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि बलोचिस्तान के लोग उन्हें (विद्रोहियों और लड़ाकों को) अपना मसीहा मानते हैं।

उन्होंने कहा कि जब सेना बलोचिस्तान में आती है, तो लोग अपने घरों में बंद हो जाते हैं और माताएं डर के मारे प्रार्थना करती हैं कि अल्लाह हमें उनसे बचाए। लेकिन जब लड़ाके शहरों में आते हैं तो लोग उनके साथ सेल्फी लेते हैं। महिलाएं अपने घरों से खाना लेकर आती हैं। आप उन्हें चाहे जो भी कहें, लोग उन्हें अपना हितैषी मानते हैं।

सरदार अख्तर मेंगल ने कहा कि राणा और सम्मेलन में मौजूद लोगों को ये सब बातें दिखाई नहीं देतीं, लेकिन बलोचिस्तान में हम ये सब अपनी आंखों से देख रहे हैं। इस देश की जन्मतिथि भी बदल दी गई। 15 अगस्त की जगह 14 अगस्त रख दी गई, ठीक वैसे ही जैसे फार्म 47 में तारीख बदल दी गई। उन्होंने कलात के खान और कायद-ए-आजम मोहम्मद अली जिन्ना के बीच हुए समझौते की एक प्रति लहराते हुए कहा कि सात महीने बाद कलात के खान और जिन्ना के बीच एक समझौता हुआ था कि बलोचिस्तान स्वायत्त होगा, लेकिन इसे कभी लागू नहीं किया गया।

बीएनपी प्रमुख ने कहा कि इमान मजारी और हादी अली चथा को एक ट्वीट के लिए 10 साल की सजा सुनाई गई, लेकिन देश को तबाह करने और फिर से बसाने वालों को एक दिन की भी सजा नहीं मिली। मेहरांग बलोच इस्लामाबाद आए, लेकिन इस सर्दी में उन पर ठंडा पानी फेंका गया। बलोचिस्तान में हो रहे अत्याचारों के खिलाफ विरोध करने का किसी को अधिकार नहीं है।

उन्होंने संघीय मंत्री राणा सनाउल्लाह के बयान का भी जिक्र किया जिसमें कहा गया कि अगर अख्तर मेंगल सशस्त्र लोगों की जिम्मेदारी लेते हैं तो बातचीत हो सकती है। उन्होंने कहा, क्या मैं बीएलए का प्रतिनिधि हूं हमारे लोगों ने पहले जिम्मेदारी ली थी। आगा अब्दुल करीम ने जिम्मेदारी ली। नवाब नवरोज खान ने जिम्मेदारी ली। उनका क्या हुआ

उन्होंने कहा कि अस्मा जहांगीर समेत कुछ लोग नवाब अकबर बुगती से बात करने गए। नतीजा क्या निकला मौत की सजा और उम्रकैद। सरदार अख्तर मेंगल ने कहा कि मुझे किसी कर्नल या जनरल की जरूरत नहीं है। उन्होंने एक बार फिर कहा कि कुछ लोग सशस्त्र लड़ाकों को आतंकवादी कहते हैं, लेकिन जब वे सार्वजनिक रूप से सामने आते हैं, तो लोग उनके साथ सेल्फी लेते हैं और उन्हें अपना रक्षक बताते हैं।

इस बार अस्मा जहांगीर सम्मेलन की विषय वस्तु मौलिक अधिकारों का क्षरण और सीमाओं के पार प्रतिरोध रही। इसका आयोजन अस्मा जहांगीर लीगल एड सेल ने उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन और पाकिस्तान बार काउंसिल के सहयोग से किया।

उत्तरी नाइजीरिया में ट्रक पलटा, 30 लोगों की मौत

अबुजा, 09 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तरी नाइजीरिया के कानो में यात्रियों से भरा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि ड्राइवर के लापरवाही से ट्रक चलाने के कारण यह हादसा हुआ। हादसे में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। घायलों को कानो के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमेरिका के चैनल एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस हादसे पर कानो के गवर्नर के कार्यालय ने बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि यह ट्रक कानो के गेजावा लोकल गवर्नमेंट एरिया के क्वानार बार्डे शहर में एक हाइवे पर रविवार सुबह अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक में गुजुंग शहर के यात्री सवार थे।

कानो के गवर्नर अब्बा कबीर यूसुफ के प्रवक्ता सुनुसी बटुरे डावाकिन टोफा ने कहा कि घायलों में से कई की हालत गंभीर हैं। बयान में कहा गया है, गवर्नर ने इस घटना को दिल दहला देने वाला और न केवल प्रभावित परिवारों के लिए बल्कि पूरे कानो राज्य के लोगों के लिए एक बड़ी क्षति बताया है। इससे पहले दिसंबर में नाइजीरिया में हुए कार हादसे में ब्रिटिश हेवीवेट चैंपियन एंथनी जोशुआ घायल हो गए थे और उनके दो करीबी सहयोगियों की मौत हो गई थी। उनके ड्राइवर ने लागोस -इबादान एक्सप्रेस-वे पर एक खड़े ट्रक से कार टकरा दी थी।

टीआरटी वर्ल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, कानो के गवर्नर अब्बा कबीर यूसुफ ने जीवित बचे लोगों के लिए मुफ्त मेडिकल देखभाल का आदेश दिया है। नाइजीरिया में सड़क दुर्घटनाएं अकसर होती रहती हैं। सड़कों का नेटवर्क खराब है। हाइवे नियमों का शायद ही कभी पालन किया जाता है। 2023 में देश की फेडरल रोड सेफ्टी बाडी ने कहा था कि देश भर में 9,570 सड़क दुर्घटनाओं में 5,421 लोगों की मौत हुई।

सीरिया में बढ़ा सऊदी अरब का दबदबा

दमिश्क। सीरिया के भू-राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। जिस देश में कभी शिया बहुल ईरान का निर्विवाद प्रभाव और सैन्य दबदबा हुआ करता था, वहां अब सऊदी अरब तेजी से अपनी आर्थिक और रणनीतिक पैठ बना रहा है। दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के सत्ता से हटने के बाद बनी नई व्यवस्था के तहत सीरिया और सऊदी अरब के बीच ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। शनिवार को हुए इन करारों में संयुक्त एयरलाइन की स्थापना और करीब 1 अरब डालर की टेलीकम्युनिकेशन परियोजना जैसे बड़े निवेश शामिल हैं, जो इस क्षेत्र में नए शक्ति संतुलन का संकेत दे रहे हैं। सीरियाई निवेश प्राधिकरण के अनुसार, इन समझौतों का सबसे प्रमुख हिस्सा एक कम लागत वाली संयुक्त सीरिया-सऊदी एयरलाइन की शुरुआत करना है। इसका मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के माध्यम से सीरिया के वैश्विक संपर्क को फिर से बहाल करना है। इसके साथ ही, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण उत्तरी शहर अलेप्पो में एक नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण और पुराने हवाई अड्डे के आधुनिकीकरण पर भी सहमति बनी है। डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सिल्कलिंक नामक परियोजना शुरू की जा रही है, जिसके तहत 1 अरब डालर के निवेश से सीरिया के दूरसंचार ढांचे और कनेक्टिविटी में सुधार किया जाएगा।

थाईलैंड चुनाव : अनुतिन की पार्टी को स्पष्ट बढ़त, नई सरकार से स्थिरता की उम्मीद

बैंकाक, 09 फरवरी (एजेंसियां)।

थाईलैंड के आम चुनाव में प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल की भूमिका वाली भूमजाइथाई पार्टी को स्पष्ट बढ़त मिलती दिख रही है। शुरुआती नतीजों के मुताबिक पार्टी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों पर अच्छी बढ़त बना ली है, जिससे देश में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता के बाद अपेक्षाकृत स्थिर सरकार बनने की संभावना बढ़ गई है।

चुनाव आयोग के प्रारंभिक आंकड़ों में 90% से अधिक मतदान केंद्रों की गिनती के बाद भूमजाइथाई पार्टी आगे रही, जबकि दूसरे स्थान पर प्रगतिशील पीपुल्स पार्टी और उसके बाद फेउ थाई पार्टी का नंबर रहा। हालांकि भूमजाइथाई को पूर्ण बहुमत मिलना मुश्किल माना जा रहा है, लेकिन वह सरकार गठन और नीतिगत फैसलों में मजबूत स्थिति में दिख रही है।

अनुतिन ने परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे सभी थाई नागरिकों की जीत बताया और कहा कि उनकी प्राथमिकता लोगों की सेवा और प्रशासनिक स्थिरता होगी। उन्होंने संसद भंग करने के अपने फैसले को दलों के बीच खींचतान और अल्पमत सरकार की मजबूरियों से जोड़ा था।

विश्लेषकों के अनुसार राष्ट्रवाद पर जोर, ग्रामीण इलाकों में संगठन की पकड़ और प्रतिद्वंद्वी दलों के नेताओं को साथ लाने की रणनीति भूमजाइथाई की सफलता के प्रमुख कारण रहे। पार्टी ने उपभोक्ता सब्सिडी जैसे लोकलुभावन वादे और कंबोडिया के साथ समुद्री दावों से जुड़े समझौते पर पुनर्विचार का संकेत भी दिया है।

पीपुल्स पार्टी ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वह नई सरकार में शामिल नहीं होगी और विपक्ष की भूमिका निभाएगी।

इसी चुनाव के साथ मतदाताओं ने 2017 के सैन्य समर्थित संविधान की जगह नया संविधान लाने पर जनमत संग्रह में भी भाग लिया। शुरुआती रुझानों में नए संविधान के पक्ष में करीब दो-तिहाई समर्थन दिखा है। यदि प्रक्रिया आगे बढ़ती है तो संसद और जनमत संग्रह के जरिए संवैधानिक संशोधन का रास्ता खुलेगा।

थाईलैंड में 1932 के बाद से कई बार संवैधानिक बदलाव और सैन्य हस्तक्षेप होते रहे हैं। ऐसे में यह जनादेश देश की राजनीति को नई दिशा दे सकता है।

एक छोटा सा स्केच 246 करोड़ रुपए में हुआ नीलाम, पैर की हल्की परछाई ने दिलाई पहचान

इसे माइकलएंजेलो ने सिस्टीन चैपल की छत पर 1508 से 1512 के बीच चित्रित किया था

न्यूयार्क, 09 फरवरी (एजेंसियां)।

न्यूयार्क में एक छोटा सा स्केच क्रिस्टीज करोड़ों डालर में बिक गया। इस स्केच की नीलामी इतनी ज्यादा इसलिए लगी, क्योंकि नीलामी घर ने इसे महान कलाकार माइकल एंजेलो की कृति के रूप में प्रमाणित किया था। यह मामूली सा दिखने वाला स्केच एक पैर को दर्शाता है, जिसमें एड़ी जमीन से थोड़ी ऊपर उठी हुई है और नीचे उसकी परछाई की हल्की सी रूपरेखा बनी है। जब इसके मालिक ने इसकी तस्वीर आनलाइन वैल्यूएशन पोर्टल पर भेजी थी, तब उन्हें भी अंदाजा नहीं था कि उनके पास मौजूद यह ड्राइंग कला इतिहास की एक बेहद कीमती धरोहर साबित होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयार्क में हुई क्रिस्टीज की नीलामी में यह स्केच फीस समेत 2.72 करोड़ डालर यानी करीब 246 करोड़ रुपए में बिकी। नीलामी से पहले इसकी अनुमानित कीमत कम आंकी गई थी, लेकिन जैसे ही यह साफ हुआ कि यह ड्राइंग खुद माइकल एंजेलो ने बनाई थी, इसके लिए जबरदस्त बोली लगने लगी। आखिरकार यह अपने अनुमानित मूल्य से करीब 20 गुना ज्यादा कीमत पर बिकी और नीलामी में बिकने वाली माइकल एंजेलो की अब तक की सबसे महंगी कृति बन गई। विशेषज्ञों के मुताबिक माइकल एंजेलो ने यह स्केच लाल चाक से बनाया था। यह दरअसल वैटिकन स्थित सिस्टीन चैपल की छत पर बनाई गई प्रसिद्ध फ्रेस्को

पेंटिंग की तैयारी के दौरान बनाया गया प्रारंभिक रेखाचित्र था। माइकल एंजेलो ने सिस्टीन चैपल की छत को 1508 से 1512 के बीच चित्रित किया था, जिसे कला जगत की सबसे महान कृतियों में गिना जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर सिस्टीन चैपल की छत पर बनी लिबियन सिबिल की आकृति को ध्यान से देखा जाए, तो उसमें एक विशाल महिला आकृति दिखाई देती है, जो पीछे की ओर मुड़कर एक किताब रखने की मुद्रा में है। उसी आकृति के पैर की स्थिति बिल्कुल इसी स्केच से मेल खाती है...उंगलियां थोड़ी मुड़ी हुई, एड़ी जमीन से उठी हुई और नीचे हल्की सी परछाईं। यही समानता इस स्केच को माइकल एंजेलो की कृति साबित करने का सबसे अहम सुराग बनी। हालांकि यह ड्राइंग अब तक कला इतिहासकारों के लिए अज्ञात थी, लेकिन इसकी प्रामाणिकता को लेकर कई ठोस संकेत मिले। ड्राइंग के निचले बाएं कोने में माइकल एंजेलो का नाम लिखा है, और विशेषज्ञों के मुताबिक यह लिखावट ठीक वैसी ही है जैसी न्यूयार्क के मेट्रोपालिटन म्यूजियम आफ आर्ट में मौजूद उनकी अन्य कृतियों पर मिलती है। क्रिस्टीज के मुताबिक महीनों की गहन जांच और रिसर्च के बाद माइकल एंजेलो के प्रमुख विशेषज्ञों ने सर्वसम्मति से माना कि यह स्केच उन्हीं की बनाई हुई है। बताया गया है कि यह स्केच पिछले 200 सालों से एक ही परिवार के पास था। 18वीं सदी में स्विट्जरलैंड के राजनयिक आर्मां फ्रांस्वा लुई द मेस्ट्राल द सेंट-सैफोरिन ने इसे यूरोप की यात्राओं के दौरान हासिल किया था। उस समय वह डेनमार्क के राजा के लिए काम कर रहे थे। बाद में उन्होंने यह स्केच अपने भतीजे को सौंप दिया और फिर पीढ़ी दर पीढ़ी यह ड्राइंग उसी परिवार में सुरक्षित रही। कला विशेषज्ञों का कहना है कि यह बिक्री इस बात का सबूत है कि कला की दुनिया में कभी-कभी सबसे छोटी और साधारण दिखने वाली चीजें भी असाधारण मूल्य रखती हैं। एक छोटे से पैर का स्केच, जिसने सदियों तक गुमनामी में समय बिताया, आज माइकल एंजेलो की प्रतिभा का अनमोल प्रमाण बनकर दुनिया की सबसे महंगी ड्राइंग्स में शामिल हो गया।

योगी सरकार का सामाजिक सुरक्षा और कल्याण पर विशेष फोकस, वर्ष 2025-26 के लिए 34,504 करोड़ रुपए प्रस्तावित

लखनऊ, 09 फरवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार योगी सरकार द्वारा प्रदेश में सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 34,504 करोड़ रुपए व्यय प्रस्तावित है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इसके लिए 30,530 करोड़ रुपए का खर्च किए गए थे। वहीं, 2017-18 में सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के लिए केवल 18,674 करोड़ रुपए व्यय किए गए थे। पिछले 9 वर्षों में ये वृद्धि दिखाती है कि वर्तमान सरकार 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास' के दृष्टिकोण को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। विधानमंडल में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सोमवार को बजट सत्र में उत्तर प्रदेश सरकार का वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत करते हुए ये जानकारी दी। प्रदेश सरकार का वृद्धजनों और दिव्यांगों के आर्थिक उन्नयन पर विशेष फोकस रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि वर्ष 2025-26 में दिसंबर, 2025 तक 67.50 लाख वृद्धजनों तथा जनवरी, 2026 तक 22.89 लाख दिव्यांगजनों को पेंशन से लाभान्वित किया गया है। वर्ष 2024-25 में 7363.55 करोड़ रुपए से 60.99 लाख वृद्धजनों को लाभान्वित किया गया जो 2017-18 के मुकाबले 62.79 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से वर्तमान सरकार गरीब और पिछड़े छात्रों की शिक्षा के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध करा रही है। वर्ष 2025-26 में दिसंबर, 2025 तक पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति से अनु. जा. वर्ग के 3.42 लाख, पिछड़ा वर्ग के 12.76 लाख तथा सामान्य वर्ग के 1.30 लाख छात्र-छात्राओं को लाभान्वित किया गया है। वर्ष 2024-25 में पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति से अनु. जा. वर्ग के 14.98 लाख विद्यार्थियों को 636.34 करोड़ रुपए, पिछड़ा वर्ग के 29.94 लाख विद्यार्थियों को 2454.32 करोड़ रुपए एवं सामान्य वर्ग के 8.78 लाख विद्यार्थियों को 909.99 करोड़ रुपए व्यय कर लाभान्वित किया गया।

समीक्षा में कहा गया है कि वर्ष 2021-22 से आरम्भ मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत वर्ष 2024-25 में 34.92 करोड़ रुपए व्यय कर 23,017 अभ्यर्थियों को लाभान्वित किया गया। वर्ष 2025-26 में (दिसंबर, 2025 की स्थिति) 10.57 करोड़ रुपए व्यय कर 23,801 अभ्यर्थियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2024-25 में सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत 95,466 कन्याओं के विवाह सम्पन्न हुए। 2017-18 के मुकाबले विवाहों की संख्या लगभग 5 गुना और व्यय 7 गुना बढ़ा है। जनवरी, 2026 तक कन्या सुमंगला से 26.81 लाख बालिकाएं लाभान्वित हुईं।

बीपीएल परिवार के कमाऊ मुखिया की मृत्यु होने पर राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत सरकार द्वारा 2017-18 में 86.26 हजार आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी। वर्ष 2024-25 में लाभार्थियों की संख्या में 31.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई। साथ ही लाभार्थियों को वितरित धनराशि वर्ष 2017-18 में 258.77 करोड़ रुपए थी, जो वर्ष 2024-25 में 14.53 प्रतिशत बढ़कर 296.36 करोड़ रुपए हो गई। वर्ष 2025-26 में दिसंबर, 2025 तक 53,607 आश्रित व्यक्तियों को 162.50 करोड़ रुपए की धनराशि वितरित की गई।

मेरे नाबालिग बच्चों को राजनीतिक विवाद में घसीटना अस्वीकार्य : गौरव गोगोई

गुवाहाटी, 09 फरवरी (एजेंसियां) । असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने सोमवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की कड़ी आलोचना की, जिन्होंने कथित तौर पर उनके नाबालिग बच्चों को राजनीतिक विवाद में घसीटा। उन्होंने सीएम सरमा के इस कदम को अस्वीकार्य और राजनीतिक शिष्टाचार की सभी हदें पार करने वाला बताया। गोगोई ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीतिक लड़ाई सख्ती से नेताओं के बीच लड़ी जानी चाहिए और इसमें बच्चों को कभी भी शामिल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने पांच साल और नौ साल के बच्चों के बारे में की गई टिप्पणियों पर दुख व्यक्त किया और कहा कि ऐसी बातों की सार्वजनिक चर्चा में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं अपने ऊपर होने वाले किसी भी व्यक्तिगत हमले का सामना करने के लिए तैयार हूं, लेकिन अगर

मेरे बच्चों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं या आम नागरिकों को निशाना बनाया जाता है तो मैं चुप नहीं रहूंगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसी हरकतें जारी रहीं तो वह इस मुद्दे को आखिर तक ले जाएंगे।गौरव गोगोई ने सीएम सरमा को व्यक्तिगत मामलों को और आगे न बढ़ाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उनके बच्चों से संबंधित जानकारी का खुलासा करने की हद पार कर दी है। हम उनके परिवार के बारे में भी जानते हैं। हर कोई जानता है। लेकिन, हमने कभी भी ऐसा व्यवहार नहीं किया है। इन टिप्पणियों से असम को शर्मिंदगी हुई है।गोगोई ने आरोप लगाया कि जानबूझकर गलत जानकारी फैलाई जा रही है। यह मुद्दा इतना गंभीर है कि सुप्रीम कोर्ट का ध्यान आकर्षित करने लायक है और सुझाव दिया कि शीर्ष अदालत को इस मामले का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए।

गोगोई ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि मुझे ऐसी स्थिति में मजबूर न करें, जहां मुझे जवाब देना पड़े। अपने परिवार के बारे में बात करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि उनकी पत्नी एक स्वतंत्र महिला हैं और अपने बच्चों की देखभाल करने में पूरी तरह सक्षम हैं।

एक व्यक्तिगत उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनका पालन-पोषण ज्यादातर उनकी मां ने किया है और उनके बच्चों का पालन-पोषण भी इसी तरह से हो रहा है। जब वे 18 साल के हो जाएंगे, तो वे अपने फैसले खुद लेंगे। गोगोई ने यह भी कहा कि यह प्रेस कॉन्फ्रेंस राजनीतिक नाटक के लिए नहीं बल्कि मीडिया और असम के लोगों की गरिमा बनाए रखने के लिए थी।

'लाया जाएगा अविश्वास प्रस्ताव', विपक्ष के सांसदों ने ओम बिरला पर आवाज दबाने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां) । विपक्ष के सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का निर्णय लिया है। उनका आरोप है कि स्पीकर ने सदन की कार्यवाही में पक्षपाती रवैया अपनाया है और विपक्ष की आवाज़ को दबाया है। इस पर कांग्रेस नेताओं ने जमकर प्रतिक्रिया दी है और इसे संसद की परंपरा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ बताया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, स्पीकर साहब का खुद निरादर किया गया है। स्पीकर साहब पर दबाव है कि उनको खुद बयान देना पड़ रहा है जो सही नहीं है। सवाल ही नहीं उठता कि पीएम पर कोई हमला करे। सरकार द्वारा उन पर दबाव डाला गया है इसलिए उन्होंने ये कहा है क्योंकि उस दिन पीएम मोदी की हिम्मत नहीं हुई सदन में आने की।

इसलिए स्पीकर सफाई दे रहे हैं, ये गलत बात है। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा, लोकसभा अध्यक्ष एक संवैधानिक पद है, यह सत्ताधारी पार्टी का नहीं है। जिस तरह से विपक्ष के नेता की आवाज को भेदभाव के साथ दबाया जा रहा है, वह बहुत चिंताजनक है। यह संसद है, सेंसर बोर्ड नहीं। उनका इशारा लोकसभा में विपक्षी नेताओं की आवाज को दबाने की ओर था, जो उनके अनुसार लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन ने कहा कि यह मामला अब सिर्फ लोकसभा और राज्यसभा का नहीं, बल्कि सदन की परंपरा और उसकी गरिमा का है। उन्होंने यह सवाल उठाया, क्या कभी आपने सुना है कि संसद में प्रधानमंत्री महिला सांसदों से डरते हैं? यह शर्मनाक नहीं है? उन्होंने आरोप लगाया कि स्पीकर को इस बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए और इसी कारण विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाने पर मजबूर है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर बसपा-सपा-कांग्रेस ने जनहित के उठाए सवाल

लखनऊ, 09 फरवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण के साथ हुई, लेकिन अभिभाषण के दौरान और उसके बाद विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधा। बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने अभिभाषण को जमीनी हकीकत से दूर बताते हुए इसे सरकार की 'उपलब्धियों का प्रचार दस्तावेज' करार दिया। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को राज्यपाल द्वारा विधानमंडल के संयुक्त अधिवेशन को संबोधन की संसदीय परंपरा से शुरू हुआ, किन्तु उनका यह भाषण परंपरा से हटकर प्रदेश के विकास व सर्वसमाज के उत्थान सहित व्यापक जनहित में वास्तविक व थोड़ा उत्साही होता तो यह बेहतर होता। उन्होंने कहा कि वास्तव में पूरे उत्तर प्रदेश में सर्वसमाज के करोड़ों लोग सरकार की

गलत नीतियों व कार्यकलापों आदि से दुखी व त्रस्त हैं तथा उन्हें गरीबी व बेरोजगारी आदि के कारण अनेकों प्रकार की कठिन पारिवारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, किन्तु इन सबसे ज्यादा उन्हें अपने जान, माल एवं मजहब की ज्यादा चिंता सता रही है, जिसके प्रति राज्यपाल को सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहिए था, ताकि प्रदेश की जनता के साथ-साथ विपक्ष को भी थोड़ा आश्वासन मिलता, संभवतः जिसके अभाव के कारण ही राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष की नारेबाज़ी होती रही तथा हंगामा भी होता रहा।

बसपा मुखिया ने कहा कि राज्यपाल के संबोधन में भाजपा की सरकार द्वारा जनहित व जनकल्याण संबंधी बड़े-बड़े दावों, आश्वासनों, घोषणाओं व वादों आदि को पूरा करने संबंधी विवरणों का अभाव भी लोगों की चिंता का कारण रहा, जिसका आगामी बजट भाषण में समायोजन करना उचित है।

समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त सरकार को बढ़ावा देने वाले राज्यपाल का अभिभाषण और कुछ नहीं बल्कि सरकार की 'झूठी तारीफों का महोत्सव बन कर रह गया है।'

कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' ने राज्यपाल के अभिभाषण को सरकार के झूठे दावों और हवाई वादों का पुलिंदा करार दिया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल द्वारा पूरा अभिभाषण न पढ़ना इस बात का प्रमाण है कि सरकार की उपलब्धियां केवल कागजों तक सीमित हैं।

उन्होंने कहा कि 55 पन्नों के अभिभाषण में कोई नई उपलब्धि नहीं है। कानून-व्यवस्था के दावे झूठे हैं, अपराध बढ़े हैं, भ्रष्टाचार कई गुना बढ़ चुका है और पुलिस विभाग में लाखों पद खाली हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर किए गए दावों को लेकर उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों का प्रचार तो हुआ लेकिन न भवन पूरे हैं, न डॉक्टर, न स्टाफ और न दवाइयां। वहीं, किसानों को खाद-बीज समय पर न मिलने और कृषि नीतियों को किसान-विरोधी बताया।

विधानसभा सत्र के पहले दिन कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के दलों के साथ मिलकर बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याओं, बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था और एसआईआर को लेकर विधानसभा परिसर में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने जोरदार प्रदर्शन किया।

पाकिस्तान यात्रा को लेकर घिरे गौरव गोगोई, हिमंता सरमा ने उठाए गंभीर सवाल

दिसपुर, 09 फरवरी (एजेंसियां) । असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर एक गंभीर सवाल उठाया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा, आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौरव गोगोई ने एक ऐसा खुलासा किया, जिसके बारे में मुझे भी पहले पता नहीं था कि तक्षशिला (तक्षशिला) इस्लामाबाद में नहीं, बल्कि पंजाब के रावलपिंडी जिले में है। मुख्यमंत्री सरमा ने आगे कहा कि गौरव गोगोई के पाकिस्तान वीजा में सिर्फ लाहौर, कराची और इस्लामाबाद जाने की अनुमति थी।

ऐसे में सवाल उठता है कि वह तक्षशिला कैसे गए, जो सीधे रावलपिंडी जिले में आता है और इस्लामाबाद कैपिटल टेरिटरी के बाहर है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के इमिग्रेशन नियमों के तहत, वीजा में तय शहरों से बाहर यात्रा करने की इजाजत खास अनुमति के बिना नहीं है, तो सवाल सीधा, तथ्यात्मक और जायज है कि रावलपिंडी जिले के लिए वीजा मंजूरी न होने के बावजूद, किसने उन्हें तक्षशिला जाने में मदद की?

मुख्यमंत्री सरमा ने यह भी कहा कि रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना का जनरल हेडक्वार्टर (जीएचक्यू) स्थित है। यह हाई-सिक्योरिटी जिला है और आम नागरिक बिना विशेष अनुमति वहां नहीं जा सकते। ऐसे में यह दौरा केवल किसी संस्थागत व्यवस्था के जरिए ही संभव हो सकता था। ये तथ्य और भी गंभीर हो जाते हैं क्योंकि यह सीधे इस बात की ओर इशारा करता है कि गोगोई का दौरा सामान्य वीजा नियमों के दायरे में नहीं था।

सरमा ने यह साफ किया कि मामले में पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए। यह इसलिए भी अहम है क्योंकि वीजा में रावलपिंडी का नाम नहीं था, पाकिस्तान के वीजा नियमों में शहर-विशिष्ट यात्रा के सख्त नियम हैं, और रावलपिंडी हाई-सिक्योरिटी जिले में आता है। ऐसे में किसी भी नागरिक का वहां पहुंचना सामान्य तौर पर असंभव है। उन्होंने कहा कि इन सभी तथ्यों के स्पष्ट और पारदर्शी स्पष्टीकरण की जरूरत है।

बिहार विधान परिषद में विपक्ष का हंगामा, सीएम नीतीश ने कहा- इन लोगों पर कार्रवाई हो

पटना, 09 फरवरी (एजेंसियां) । बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान सोमवार को विधान परिषद में विपक्षी सदस्यों द्वारा प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर जमकर हंगामा किया गया। इस क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी सहित अन्य विपक्ष के सदस्यों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। विधान परिषद में बिहार की कानून व्यवस्था को लेकर राबड़ी देवी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच नोकझोंक देखने को मिली।

राजद के एमएलसी सुनील सिंह ने दरभंगा में छह साल की बच्ची के दुष्कर्म के बाद हत्या का मुद्दा उठाया तो पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने नीतीश कुमार का इस्तीफा मांगा। शोर-शराबे और विपक्ष के हंगामे के बीच उन्होंने कहा कि बिहार का कोई जिला नहीं बचा है, जहां बच्चियां सुरक्षित हों। इसके बाद सदन में उपस्थित नीतीश कुमार भी भड़क गए और अपनी सीट से उठकर विपक्षी सदस्यों के बारे में कहा, जिन लोगों ने पहले कोई काम नहीं किया था, वे अब क्या बोल रहे हैं? आज तक किसी महिला को बढ़ाया है? हमारी सरकार में यहां बहुत काम किया जा रहा है। अब जो भी गड़बड़ करता है, उस पर कार्रवाई होती है।

उन्होंने कहा कि बिहार बहुत आगे बढ़ रहा है। आप लोग तो आज तक कोई काम ही नहीं किए हैं। हंगामा कर रहे लोगों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि इन लोगों पर तो कार्रवाई होनी चाहिए। क्या ये कोई तरीका है? 15 साल तक कोई काम नहीं हुआ। इन लोगों का कोई मतलब नहीं है।

सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले भी विपक्ष के सदस्यों ने कानून व्यवस्था को लेकर परिसर में हंगामा किया। इस क्रम में मीडिया से बातचीत में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने सरकार को नाकाम बताते हुए कहा कि सम्राट चौधरी जवाब दें। प्रदेश में आज दलितों और पिछड़ी जातियों पर अत्याचार हो रहा है।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री इस्तीफा दें। सम्राट चौधरी गृह मंत्री हैं, वे इस्तीफा दें। महिलाओं को सुरक्षा चाहिए। दलित बेटियों, अल्पसंख्यक,और गरीब बेटियों की हत्याएं हो रही हैं।

सदन में आने से डरते हैं पीएम मोदी, खतरा था तो एफआईआर होनी चाहिए थी : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां) । कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद की कार्यवाही और सरकार के रवैये को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री सदन में आने से डरते हैं और अगर सच में कोई खतरा था तो ऋखठ दर्ज करानी चाहिए थी। राहुल गांधी ने बताया कि पूरा विवाद कुछ दिन पहले पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की किताब से जुड़े मुद्दे से शुरू हुआ। उनका आरोप है कि सरकार नहीं चाहती थी कि वह इस विषय पर कोई भी बात रखें, इसी वजह से सदन की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई और उन्हें बोलने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि पहले यह कहा गया कि वह किताब से उद्धरण नहीं दे सकते, फिर मैगज़ीन से भी कोट करने से रोका गया और अंत में बिना किसी उद्धरण के बोलने की इजाज़त भी नहीं दी गई। उन्होंने रक्षा मंत्री पर भी झूठा दावा करने का आरोप लगाया कि संबंधित किताब प्रकाशित नहीं हुई है, जबकि किताब प्रकाशित हो चुकी है और उसकी प्रति मौजूद है। राहुल गांधी ने कहा कि यह केवल एक मुद्दा नहीं है, बल्कि इससे बड़ा सवाल यह है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर विपक्ष के नेता और पूरे विपक्ष को बोलने का मौका ही नहीं दिया गया।

राहुल गांधी ने यह भी कहा कि सत्ताधारी पार्टी के एक सदस्य ने कई किताबों से उद्धरण देते हुए आपत्तिजनक बातें कहीं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, विपक्ष के सदस्यों को लगातार रोका गया और कई सांसदों को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर लगाए गए आरोपों पर राहुल गांधी ने कहा कि यह दावा पूरी तरह झूठा है कि विपक्ष के सदस्य पीएम को धमकी देने वाले थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सदस्यों की वजह से नहीं, बल्कि सच्चाई से डरकर सदन में नहीं आए। अगर सच में किसी ने धमकी दी होती, तो तुरंत ऋखठ दर्ज होती और गिरफ्तारी होती, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।

राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष चर्चा और बहस चाहता है, लेकिन सरकार इससे बच रही है। उनके अनुसार, सरकार बजट और अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते जैसे मुद्दों पर चर्चा से डरती है, क्योंकि इनसे किसानों और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर को लेकर सवाल उठाए जाएंगे। उन्होंने साफ कहा कि सरकार बहस से भाग रही है और यही वजह है कि प्रधानमंत्री सदन से दूर रहे।

जम्मू-कश्मीर : राज्य सरकार ने मनरेगा सहायक कर्मचारी को रेगुलर करने से इनकार किया

जम्मू, 09 फरवरी (एजेंसियां) । जम्मू और कश्मीर सरकार ने सोमवार को विधानसभा को बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के सहायक कर्मचारी को रेगुलर करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सरकार ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में 'मनरेगा' के तहत अभी लगभग 3,800 कर्मचारी पूरी तरह से कॉन्ट्रैक्ट और अस्थायी आधार पर काम कर रहे हैं। यह जानकारी ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के प्रभारी मंत्री ने विधायक मीर मोहम्मद फैयाज द्वारा पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में दी।सरकार के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में लगभग 3,800 'मनरेगा' सपोर्ट स्टाफ काम कर रहे हैं, और उनकी शुरुआती कॉन्ट्रैक्ट नियुक्तियों के बाद से उनके मानदेय में समय-समय पर बदलाव किया गया है।

कर्मचारियों की भूमिका के बारे में बताते हुए, विभाग ने कहा कि 'मनरेगा' स्टाफ को विभिन्न स्तरों पर तैनात किया गया है, पंचायत, ब्लॉक, जिला, डिवीजन और यूटी, और वे ग्रामीण रोजगार योजना को जमीनी स्तर पर लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नियमितीकरण के सवाल पर, सरकार ने दोहराया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित 'मनरेगा' योजना के तहत सभी सहायक कर्मचारियों को अस्थायी, कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर नियुक्त किया जाता है, जो केवल कॉन्ट्रैक्ट की अवधि या योजना की अवधि के लिए मान्य होता है, जो भी पहले खत्म हो। उनकी नियुक्ति किसी स्वीकृत पद के विरुद्ध नहीं है।

जवाब में कहा गया है, आज की तारीख में, मनरेगा के तहत नियुक्त कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने के संबंध में कोई प्रस्ताव नहीं है।

हालांकि, विभाग ने बताया कि सहायक कर्मचारियों के मानदेय में समय-समय पर वृद्धि की गई है, जिसमें ताजा संशोधन सरकारी आदेश संख्या 49-आरटी एंड पीआर, 2024 दिनांक 30 जनवरी, 2024 के तहत जारी किया गया है।

संशोधित ढांचे के तहत, मासिक मानदेय इस प्रकार बढ़ाया गया है। इसके अंतर्गत ग्राम रोजगार सेवक (जीआरएस) का 6,806 रुपए से 10,209 रुपए; तकनीकी सहायक का 11,000 रुपए से 16,500 रुपए; एमआईएस ऑपरेटर का 11,000 रुपए से 13,200 रुपए; और प्रशासनिक/लेखा सहायक का 6,806 रुपए से 10,209 रुपए मानदेय रखा गया है।

सरकार ने कहा कि मानदेय में किसी भी भविष्य की वृद्धि पर राज्य रोजगार गारंटी परिषद (एसईजीसी) की बाद की बैठकों में विचार किया जाएगा।

आमिर खान ने अरिजीत सिंह को कहा शुक्रिया फिल्म एक दिन में सुरों का जादू बिखेरेंगे सिंगर

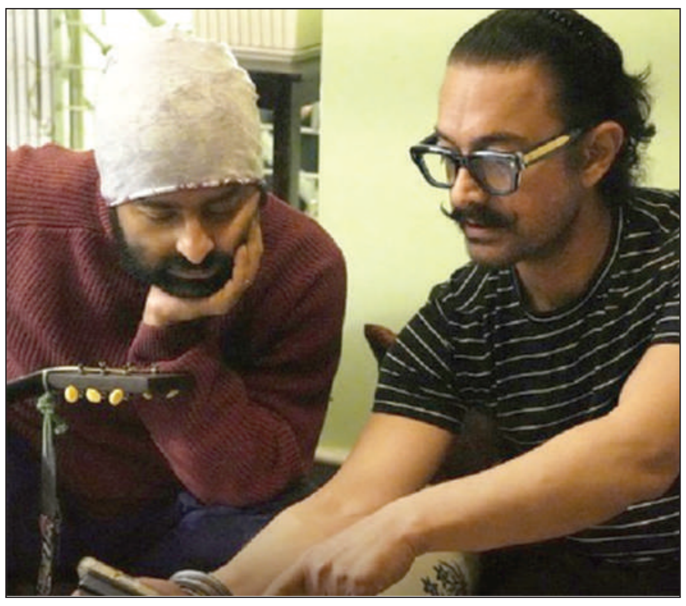

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान ने हाल ही में प्लेबैक सिंगर अरिजीत सिंह से मुलाकात की। इस मुलाकात की खास तस्वीर उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फिल्म 'एक दिन' में गाना गाने के लिए अरिजीत का आभार व्यक्त किया। आमिर ने अरिजीत के साथ तस्वीर पोस्ट की। इस फोटो में आमिर खान और अरिजीत सिंह एक गाने पर जैमिंग (जैम सेशन) करते नजर आ रहे हैं। अरिजीत गिटार लिए हुए हैं और दोनों बातचीत करते भी दिख रहे हैं। अभिनेता ने लिखा, अरिजीत, हमारी फिल्म 'एक दिन' के लिए अपनी शानदार आवाज देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आपके परिवार और आपकी टीम के साथ बिताए चार दिन जादुई लगे। आमिर की पोस्ट फैंस के दिल को भा गई। वे कयास लगा रहे हैं कि यह मुलाकात अरिजीत के प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास की घोषणा के कुछ दिनों बाद हुई। आमिर खान फिल्म्स के बैनर तले बनी 'एक दिन' के लिए अरिजीत ने गाया है। हालांकि, गाने की अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। यह एक रोमांटिक फिल्म है, जो 1 मई को रिलीज होने वाली है। अरिजीत की आवाज इस फिल्म के म्यूजिक में खास रंग भरने वाली है। फिल्म 'एक दिन' का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है। इसे आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। कुछ समय पहले फिल्म की जानकारी देते हुए निर्माताओं ने इसका टीजर जारी किया था।

फिल्म में आमिर खान के बेटे जुनैद मुख्य भूमिका में हैं, और उनके साथ साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस साई पल्लवी नजर आएंगी। इसकी कहानी प्यार, सपनों और जज्बातों से भरी हुई दिखाई गई है। टीजर में जुनैद और साई पल्लवी की जोड़ी और उनकी केमिस्ट्री को खूब सराहा गया था, जिसके बाद फैंस अभिनेत्री को हिंदी सिनेमा में देखने के लिए बेताब हैं।

अरिजीत के संन्यास की घोषणा के बाद कुछ फिल्मों में उनकी आवाज को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं, जिनमें 'बैटल ऑफ गलवान', 'ओ रोमियो', और अब 'एक दिन' शामिल हैं। हालांकि, आमिर खान की इस फिल्म का गाना अभी रिलीज नहीं हुआ है।

फिल्मों से दूर, फिर भी कमा रहीं मोटा पैसा

सोफी चौधरी: एक्टिंग छोड़ सिंगिंग को बनाया अपना करियर

बॉलीवुड की चकाचौंध किसी को भी अपनी तरफ खींच लेती है, और यही कारण है कि अभिनेत्री बनने का सपना लिए कई लड़कियां और मॉडल बी-टाउन में कदम रखती हैं। कुछ अभिनेत्रियों की फिल्में पर्दे पर छा जाती हैं, तो कुछ चुनिंदा फिल्मों में काम करने के बाद एक्टिंग से दूरी बना लेती हैं। ऐसी ही एक सिंगर और अभिनेत्री सोफी चौधरी हैं, जो आज फिल्मों से दूर हैं लेकिन फिर भी फिल्मों से ज्यादा पैसा कमा रही हैं। 8 फरवरी को जन्मी सोफी चौधरी बचपन से ही मल्टीटैलेंटेड रही हैं। उनका जन्म मैनचेस्टर, इंग्लैंड में हुआ था, जहां उनके पिता ने इटली की एक्ट्रेस अभिनेत्री सोफिया लॉरेन से प्रभावित होकर बेटी का नाम सोफी रखा था। सोफी को बचपन से ही सिंगिंग से प्यार था और उनकी आवाज की प्रतिभा को 12 साल की उम्र में ही पहचान मिल गई थी।

लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई करने वाली सोफी के म्यूजिक करियर को पहला ब्रेक संगीत निर्देशक बिद्दू अप्पैया ने दिया और उन्होंने अलीशा चिनॉय जैसी सिंगर्स के साथ काम किया। पॉप म्यूजिक को अपनी आत्मा मानने वाली सोफी साल 2000 में इंटरनेशनल पॉप बैंड संसारा का हिस्सा रहीं और कई स्टेज परफॉर्मेंस दिए, लेकिन यहां वे ज्यादा समय तक काम नहीं कर पाईं, जिसके बाद उन्होंने खुद के सिंगल एल्बम गाने और फीचर करने का फैसला लिया। सोफी ने 90 के दशक के गाने 'सजन में नाचूंगी' को रीमेक किया। ये गाना खूब पसंद किया गया क्योंकि गाने में पुराने लिरिक्स के साथ पॉप म्यूजिक का तड़का लगाया गया था। इसके बाद उन्होंने 'सोफी एंड डॉक्टर लव', 'बेबी लव', 'एक परदेसी मेरा दिल ले गया', और 'साउंड ऑफ सोफी' जैसे एल्बम रिलीज किए। उन्होंने बप्पी लहिरी और ऋषि रिच जैसे सिंगर्स के साथ काम किया। म्यूजिक की दुनिया में नाम कमाने के बाद उन्होंने रियलिटी शोज को भी होस्ट किया और वहीं से उनके लिए फिल्मों के रास्ते आसानी से खुल गए।

अभिनेत्री ने 'शादी नंबर 1', 'प्यार के साइड इफेक्ट्स', 'हे बेबी' और 'वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई दोबारा' में काम किया। हालांकि फिल्मों में सोफी को पहचान तो मिली लेकिन वे लीड एक्ट्रेस बनने से चूक गईं। आज भी सोफी अपने एल्बम सॉन्ग की वजह से बहुत पॉपुलर हैं। उनके कई गाने बैक-टू-बैक रिलीज हो रहे हैं और वे अरबपतियों की शादी और फंक्शन भी होस्ट करती हैं।

शिल्पा शेट्टी ने बताया व्याघ्रासन का महत्व, कहा

दिमाग और बॉडी के बीच बेहतर तालमेल बनाता है

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी योगासन और हेल्दी लाइफस्टाइल से फैंस के बीच खास पहचान रखती हैं। वे न सिर्फ अपनी फिटनेस से स्वास्थ्य का खास ख्याल रखती हैं, बल्कि कई लोगों को हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए प्रेरित भी करती हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर व्याघ्रासन करते हुए वीडियो पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इस वीडियो के जरिए व्याघ्रासन करने के साथ-साथ इसके महत्व पर प्रकाश डाला है। शिल्पा ने लिखा, शांति की ओर बढ़ते हुए। शिल्पा ने इसके महत्व के बारे में बताया, यह आसन शरीर का संतुलन सुधारता है और दिमाग व शरीर के बीच बेहतर तालमेल बनाता है। इससे बेहतर को-ऑर्डिनेशन और फोकस बढ़ता है। वहीं, कमर की मांसपेशियां, नितंब, जांघों के पीछे की मांसपेशियां और पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इससे कोर स्ट्रेंथ बढ़ती है।

फायदे बताने के साथ अभिनेत्री ने उन लोगों को अभ्यास करने के लिए भी मना किया जो कमर में दर्द (स्लिप डिस्क) या घुटनों से जुड़ी समस्या से जूझ रहे हैं।

व्याघ्रासन को करते समय शरीर की मुद्रा बाघ की तरह होती है, जिस वजह से इसे टाइगर पोज भी कहते हैं। यह योगासन कमर और मेरुदंड की मांसपेशियों को मजबूत करता है, जिससे लंबे समय तक बैठने से होने वाली कमर दर्द की समस्या में काफी राहत मिलती है।

आयुष मंत्रालय ने भी व्याघ्रासन को लेकर अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने बताया है कि इस योगासन के नियमित अभ्यास से शरीर में कई सकारात्मक बदलाव होते रहते हैं।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह आसन मेरुदंड की मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर के निचले हिस्से को स्थिरता प्रदान करता है। यह रीढ़ की हड्डी के लचीलापन को बढ़ाता है, जिससे कमर की परेशानियां कम हो जाती हैं और आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं। इसके अलावा, यह पाचन तंत्र को सुधारता है और तनाव कम करने में भी सहायक होता है। नियमित अभ्यास से पीठ दर्द में राहत मिल सकती है और समग्र फिटनेस बढ़ती है।

आप हमेशा मेरे कोच सर रहेंगे, सुनील थापा के निधन पर बोलीं प्रियंका चोपड़ा

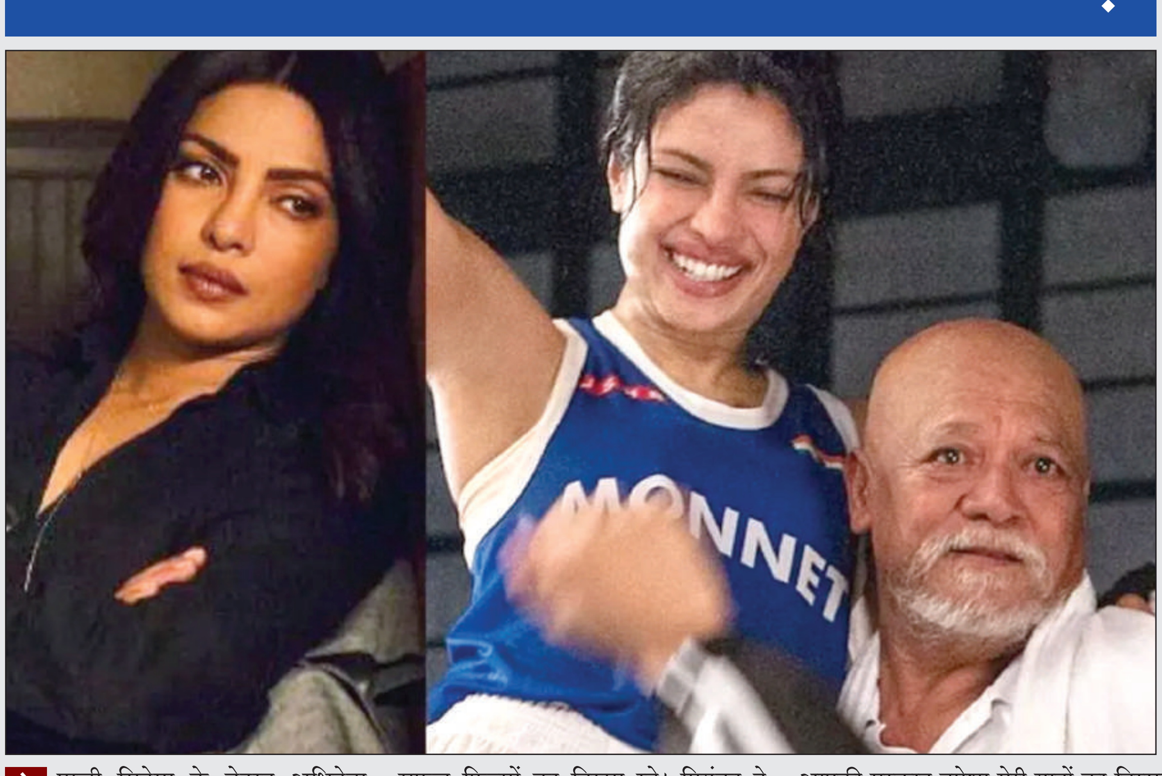

नेपाली सिनेमा के वेटरन अभिनेता सुनील थापा का 68 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। फिल्म मैरी कॉम में प्रियंका चोपड़ा के कोच का किरदार निभा चुके अभिनेता के निधन पर प्रियंका चोपड़ा आहत नजर आईं। उन्होंने थापा के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। सुनील थापा ने 250 से ज्यादा नेपाली फिल्मों में काम किया और खलनायक के रोल में अपनी अलग पहचान बनाई। वह बॉलीवुड में भी सक्रिय रहे और प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'मैरी कॉम' में उनके कोच का किरदार निभाया था। इसके अलावा, वह 'द फैमिली मैन 3' जैसी वेब सीरीज समेत और भी कई सफल फिल्मों का हिस्सा रहे। प्रियंका ने बताया कि उनके पिता के निधन के बाद सुनील थापा ने उन्हें बहुत सहारा दिया। उन्होंने उनके प्यार और मदद को याद करते हुए कहा कि वह हमेशा उनके कोच बने रहेंगे।

उनके निधन की खबर से आहत प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'मैरी कॉम' फिल्म के एक सीन का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, आप हमेशा मेरे कोच सर रहेंगे। जब मैंने अपने पापा को खो दिया था, तब आपने मुझे संभाला। आपने मुझे प्यार किया और बिना एहसास कराए कई मुश्किल दिनों में मेरी मदद की। आपकी एनर्जी और गर्मजोशी के साथ गले लगने की आदत और आपकी मुस्कान हमेशा मेरी यादों का हिस्सा रहेंगी। प्रियंका ने आगे लिखा, आप बहुत कम उम्र में चले गए, लेकिन कभी भुलाए नहीं जाएंगे। जब मैं भावनात्मक रूप से टूट गई थी, उस समय आपकी दयालुता और विनम्रता ने संभाला, उसके लिए धन्यवाद। सुनील थापा आरआईपी। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं परिवार और प्रियजनों के साथ हैं।

सुनील थापा की तबीयत अचानक बिगड़ने पर उन्हें काठमांडू के थापाथली स्थित नॉर्विक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। जानकारी के अनुसार, सुनील थापा के निधन की वजह कार्डियक अरेस्ट बनी।

द मेहता बॉयज़ के एक साल: बोमन ईरानी के वो शब्द जिन्होंने सब कुछ बदल दिया : अविनाश तिवारी

बुलबुल, खाकी: द बिहार चैप्टर और कई यादगार प्रोजेक्ट्स में अपने सधी हुई और गहराई भरी अदाकारी के लिए सराहे जा चुके अविनाश तिवारी ने 'द मेहता बॉयज़' में अमय मेहता के किरदार के ज़रिए दर्शकों के दिलों को छू लिया था। यह परफॉर्मेंस न सिर्फ़ खूब पसंद की गई, बल्कि अविनाश के करियर में एक और यादगार किरदार के रूप में दर्ज हो गई। साल 2025 में रिलीज़ हुई 'द मेहता बॉयज़' को अब एक साल पूरा हो चुका है। इस मौके पर अविनाश ने उस फ़िल्म को याद किया, जो बिना शोर मचाए, क्रेडिट्स के बाद भी दर्शकों के साथ बनी रही। इस खास पड़ाव पर उन्होंने फ़िल्म और उस किरदार के सफ़र को याद करते हुए अपने दिल की बात साझा की। फ़िल्म और बोमन ईरानी के साथ काम करने के अनुभव पर बात करते हुए अविनाश कहते हैं, 'द मेहता बॉयज़' को रिलीज़ हुए एक साल हो गया है, लेकिन मैं आज भी इस फ़िल्म से गहराई से जुड़ा हुआ महसूस करता हूं। जिस पल ये कहानी मेरे पास आई, उसकी सच्चाई और भावनात्मक गहराई से मैं तुरंत जुड़ गया। अमय बहुत असली लगा - खामियों से भरा, नाज़ुक, इंसानी। ऐसे में इसे ना कहना मेरे लिए मुमकिन ही नहीं था। मुझे याद है, मैंने खुद से कहा था, 'अगर तुम खुद को सच में कलाकार कहते हो, तो इसे जाने नहीं दे सकते,' और मैंने बिना हिचक हां कर दी।

बोमन ईरानी के साथ काम करना बेहद खास अनुभव रहा। एक अभिनेता और निर्देशक, दोनों रूपों में वो कमाल के हैं और लगातार मुझे खुद को और आगे ले जाने के लिए प्रेरित करते रहे। वो अक्सर मुझसे कहते थे, 'अरे, ढाई एक्टर नहीं है तेरे जैसे। अविनाश, बस खुलकर कर!' उस एक सोच ने सब कुछ बदल दिया और मुझे बिना डर के एक्सपेरिमेंट करने की आज़ादी मिल गई।

वो आगे जोड़ते हैं, इस फ़िल्म को खास बनाता है ये तथ्य कि ये सिर्फ़ पिता-पुत्र की कहानी नहीं है। ये हर उस रिश्ते की झलक है, जो अहंकार, खामोशी और गलतफहमियों से गढ़े जाते हैं। जिन्होंने भी ये फ़िल्म देखी और मुझसे संपर्क कर बताया कि ये उन्हें कितनी गहराई से छू गई, उस प्यार के लिए मैं दिल से आभारी हूं। वो मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

'द मेहता बॉयज़' में अविनाश ने अपनी सबसे संयमित और अंतरंग परफॉर्मेंस में से एक दी। मुंबई में संघर्ष करता एक जूनियर आर्किटेक्ट, जो करीब एक दशक से दुनिया और खुद को अपनी काबिलियत साबित करने की कोशिश में लगा है। इस किरदार में इम्पोस्टर सिंड्रोम को जिस सटीकता से उन्होंने निभाया, वो बेहद असरदार रहा।

फ़िल्म का भावनात्मक केंद्र एक बिछड़े हुए पिता और बेटे का रिश्ता है, जिन्हें अमय की मां के निधन के बाद एक छोटे से अपार्टमेंट में 48 घंटे साथ बिताने पड़ते हैं। बोमन ईरानी के सख़्त और अड़ियल शिव मेहता के सामने, अविनाश का अमय सालों की अनकही नाराज़गी, निराशा और चाहत अपने भीतर समेटे रहता है। उनकी मजबूरी में साथ बिताई गई ये घड़ियां पीढ़ियों के टकराव का मैदान बन जाती हैं - जहां खामोशी, अधिकार और प्यार को ज़ाहिर न कर पाने की जद्दोजहद है। पूरी फ़िल्म में अमय का भावनात्मक हिसाब-किताब उसके प्रोफेशनल जागरण के साथ चलता है, जहां वो धीरे-धीरे अपने पिता, अपने दुख और अंततः अपनी आवाज़ का सामना करना सीखता है।

एक साल बाद, 'द मेहता बॉयज़' अविनाश तिवारी की उस समझ की याद दिलाती है, जिससे वो ऐसे किरदार चुनते हैं जो उनकी बहुआयामी प्रतिभा को सामने लाते हैं। जहां फ़िल्म की पहली सालगिरह का जश्न जारी है, वहीं उनकी आने वाली फ़िल्म 'ओ रोमियो' पहले ही उनके तीखे और बदले हुए अंदाज़ को लेकर चर्चा में है। इसके अलावा इम्तियाज़ अली की 'ओ साथी रे' और प्रशांत झा की 'गिन्नी वेड्स सनी 2' भी उनकी झोली में हैं, जो उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद और रोमांचक कलाकारों में

मंगलवार को सूर्य-चंद्रमा बना रहे वेशी योग, मिथुन तुला सहित निम्न राशियों के लिए रहेगा लाभदायक

10 फरवरी 2026, मंगलवार के दिन सूर्य और चंद्रमा के शुभ संयोग से वेशी योग बन रहा है। इस दौरान सूर्य मकर राशि में होंगे और सूर्य से 11वें भाव में चंद्रमा वृश्चिक राशि में रहेंगे। इसे आर्थिक लाभ और करियर में सफलता प्रदान करने वाला योग माना जाता है। यह योग विशेष तौर पर मिथुन और तुला सहित कुछ राशियों के लिए लाभदायक रहने वाला है। कुंडली में इस योग के बनने से जातक को अप्रत्याशित धन लाभ, करियर में सफलता और सामाजिक जीवन में मान-सम्मान मिलता है।

मेष : पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा

मेष राशि के जातकों के लिए मंगलवार का दिन शुभ रहने वाला है। पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी व्यक्ति या संस्था से कई कर्ज लेने से पहले अच्छे से सोच-विचार कर लें। आज के दिन आपको फिजूल के खर्चे से बचना होगा। पत्नी पक्ष से उत्तम सहयोग प्राप्त होगा। रात के समय परिवार के लोगों के साथ घूमने-फिरने में बीतेगा।

वृष : रुके हुए कार्यों की पूर्ति होगी

मंगलवार का दिन वृषभ राशि के जातकों के लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। काम-काज को लेकर ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ेगी। ऐसे में सावधानी बरतें। किसी प्रकार की चोट लगने की संभावना नजर आ रही है। आज आपको निर्णय लेने की क्षमताओं का लाभ मिलेगा और आपके रुके हुए कार्यों की पूर्ति होगी। शाम के वक्त किसी मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

मिथुन : अकस्मात् लाभ की संभावना

मिथुन राशि के लोगों के लिए मिलाजुला रहने वाला है। अगर आप पहले से किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं तो आज कष्ट की वृद्धि हो सकती है। आज आपके सामाजिक क्रियाकलापों में अड़चन आएगी। हालांकि कुछ अकस्मात लाभ होने की संभावना भी है। धर्म और आध्यात्म में आपकी रुचि बढ़ेगी। संतान की तरफ से कोई खुशखबरी मिल सकती है। शाम का समय गाने-बजाने और संगीत में बीतेगा।

कर्क : परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा

कर्क राशि के जातकों के लिए मंगलवार का दिन मंगलकारी रहने वाला है। भाग्य का आपको साथ मिलेगा। आज आपके द्वारा किए गए परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा। आज ननिहाल पक्ष से प्रेम एवं विशेष सहयोग मिलने की संभावना है। शाम के समय माता-पिता का आज विशेष ध्यान रखें।

सिंह : माता-पिता का सहयोग मिलेगा

सिंह राशि का दिन मिश्रित फल देने वाला रहेगा। माता-पिता का सहयोग और आशीर्वाद प्राप्त होगा। दिन का मद्य बाग आपके लिए उत्तम रहेगा। ससुराल पक्ष से किसी बात को लेकर थोड़ी नाराजगी रह सकती है। ऐसे में बेहतर होगा कि अपनी वाणी पर संयम रखें अन्यथा संबंधों में कटुता आ सकती है। आंखों से जुड़ी समस्या से आपको आज राहत मिलेगी।

कन्या : धन लाभ होने के प्रबल आसार

कन्या राशि के जातकों के अंदर आज निर्भीकता का भाव रहेगा। कठिन कार्यों को आप आसानी से सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। आपको अपने माता-पिता का सुख और सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिंता आपको परेशान कर सकती है। फिजूल खर्च के भी योग बन रहे हैं। व्यापार में धन लाभ होने के प्रबल आसार हैं।

तुला : निवेश करने के लिए शुभ दिन

तुला राशि वालों के लिए दिन शुभ फल देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके अधिकारों के साथ ही आपकी संपत्ति में भी वृद्धि होगी। आज आप दूसरों की मदद करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। आज नए कार्यों में निवेश करने के लिए शुभ दिन है। यह आगे चलकर आपके लिए लाभ लेकर आएगा।

वृश्चिक : शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे

वृश्चिक राशि के जातकों का मन अशांत और परे-शान रहेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयास निष्फल हो सकते हैं। हालांकि आप अपने धैर्य और प्रतिभा के बल पर शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। अगर कोई वाद-विवाद लंबित है तो उसमें भी आपको सफलता मिलने की पूर्ण संभावना है।

धनु : आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी

आज के दिन आपकी विद्या, बुद्धि, ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अन्दर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों में रुचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे। भाग्य की ओर से भी आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा। इससे आपकी आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी। शाम के समय अपनी सेहत का ख्याल रखें। पेट से संबंधित कोई परेशानी हो सकती है। खाने-पीने पर भी कंट्रोल रखें।

मकर : ससुराल पक्ष से मान सम्मान मिलेगा

मकर राशि के लोगों के लिए आज का दिन कल्याणकारी रहने वाला है। हनुमान जी की कृपा से आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति होगी। इसके साथ ही न चाहते हुए भी कुछ अनावश्यक खर्चे करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से आपको कोई मान सम्मान मिल सकता है। अपने व्यवसाय में आपका मन लगेगा और रुके हुए कार्य पूर्ण हो जाएंगे।

कुंभ : सुख भोग की वस्तुओं की प्राप्ति होगी

कुंभ राशि के जातकों के लिए आज का दिन बुद्धि-विवेक का अधिक प्रयोग करने वाला रहेगा। आपका दिन नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। खर्चों पर कंट्रोल करें और जरूरत की चीजों पर ही पैसा लगाएं। सांसारिक सुख भोग की वस्तुओं की प्राप्ति होगी। नौकर चाकरों का भी सुख मिलेगा। शाम से लेकर रात का समय किसी लाभकारी यात्रा में गुजर सकता है।

मीन : लंबे समय से चल रहा विवाद खत्म होगा

मीन राशि के जातकों के लिए मंगलवार का दिन कुछ अटके हुए कार्यों की पूर्ति कराने वाला रहेगा। बहुत समय से फंसा हुआ पुत्र या पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल जाएगा। खुश मिजाज व्यक्तित्व होने के कारण अन्य लोग आपसे सम्बन्ध बनाने का प्रयास करेंगे। इस दौरान सामाजिक सम्मान मिलने से आपका मनोबल बढ़ेगा। रात का समय परिवार के लोगों के साथ व्यतीत होगा।

17 को लगेगा साल का पहला सूर्यग्रहण, जानें सूतक काल का समय और किन बातों का रखें ख्याल

साल 2026 का पहला सूर्यग्रहण लगने जा रहा है। 17 फरवरी को दोपहर में 3 बजकर 26 मिनट पर सूर्यग्रहण आरंभ होगा और शाम में 7 बजकर 57 मिनट पर ग्रहण समाप्त होगा। यह कंकण सूर्यग्रहण होगा। यह ग्रहण फाल्गुन मास की अमावस्या तिथि पर लगेगा। यह ग्रहण मन में कई तरह के सवाल उठाता है। सूर्यग्रहण ज्योतिषीय दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। बता दें कि सूर्यग्रहण आरंभ होने से पहले ही सूतक काल लग जाता है जिसमें कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित माना जाता है। आइए जानते हैं सूर्यग्रहण का सूतक काल कब लगेगा। साथ ही जानें सूतक काल के नियम।

सूर्यग्रहण 2026 सूतक काल का समय

सूर्यग्रहण लगने से ठीक 12 घंटे पहले सूतक काल लग जाता है। ऐसे में 17 फरवरी को दोपहर में 3 बजकर 26 मिनट पर सूर्यग्रहण आरंभ होगा। 16 फरवरी की मध्यरात्रि 3 बजकर 26 मिनट पर ही सूतक काल आरंभ हो जाएगा। बता दें कि 17 फरवरी 2026 को लगने वाला सूर्यग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। ऐसे में सूतक काल का भी यहां मान्य नहीं रहेगा।

कहां कहां दिखाई देगा सूर्यग्रहण 2026 ?

यह सूर्यग्रहण साउथ अफ्रीका, नामिबीया, मॉरीशस, बोत्सवाना, , जिम्बाब्वे, जाम्बिया, तंजानिया, मोज़ाम्बीक,अन्टार्कटिका और दक्षिणी अमेरिका के दक्षिणी देशों (दक्षिण अर्जेंटीना, चिली आदि देशों) में दिखेगा।

सूतक काल का दौरान क्या करें

* शास्त्रों के अनुसार, सूतक काल के समय कोई भी पूजा पाठ आदि कार्य नहीं किया जाता है।
* सूतक काल के दौरान भगवान का नाम जप करते रहना चाहिए। अपने इष्टदेव को मंत्रों का जप करना चाहिए।
* सूतक काल के दौरान भोजन में तुलसी के पत्ते रख देने चाहिए।
* सूतक काल का समय भगवान की मूर्ति की स्मरण भी नहीं करना चाहिए।
* सूकल के दौरान मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं। अपने घर के मंदिर के गेट भी बंद कर देने चाहिए।

होलिका दहन 2 मार्च को, जानें महत्व और मुहूर्त

होली के त्योहार को लेकर इस बार बहुत ही बड़ा कंफ्यूजन बना हुआ है। दरअसल, इसके पीछे कारण पूर्णिमा तिथि का 2 और 3 मार्च को होना और चंद्रग्रहण होने के कारण होलिका दहन और रंगोत्सव को लेकर बड़ा असमंजस की स्थिति बनी हुई है। शास्त्रों के अनुसार,होली का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। इस दिन भक्त प्रहलाद की जीत हुई थी और उनकी बुआ होलिका का दहन हुआ था। इस बार होली का पर्व कब मनाया जाएगा आइए जानते हैं होलिका दहन की सही तारीख, महत्व और मुहूर्त।

ऋषिकेश पंचांग की गणना के अनुसार, होलिका दहन का पर्व 2 मार्च को मनाया जाएगा। दरअसल, पूर्णिमा तिथि का आरंभ शाम में 5 बजकर 56 मिनट पर हो रहा है और 3 तारीख को पूर्णिमा तिथि शाम में 5 बजकर 8 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। इसलिए होलिका दहन का पर्व 2 तारीख को मनाया जाएगा। शास्त्रों के अनुसार, विधान है कि जिस दिन प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि लगती है तब होलिका दहन किया जाता है। ऐसे में पंचांग दिवाकर और पंचांग ऋषिकेश की गणना के अनुसार, होलिका दहन का पर्व 2 तारीख को ही किया जाना शास्त्र सम्मत है। इसके बाद 3 तारीख को पूर्णिमा तिथि शाम में 5 बजकर 56 मिनट तक रहेगी। जिस वजह से इस दिन रंगोत्सव नहीं मनाया जाएगा। दुल्हंडी का पर्व चैत्र कृष्ण प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। इसलिए दुल्हंडी का पर्व 4 मार्च को मनाया जाएगा।

बता दें कि होलिका दहन भद्रा मुख में नहीं किया जाता है। पंचांग दिवाकर के अनुसार, 2 तारीख को शाम में 6 बजकर 22 मिनट से रात में 8 बजकर 53 मिनट तक प्रदोष काल रहेगा। इस दौरान भद्रा भी रहेगी। लेकिन, भद्रा मुख नहीं होगा। ऐसे में 2 मार्च को ही होलिका दहन करना दोष मुक्त रहेगा। बता दें कि 2 मार्च को भद्रा मुख मध्यरात्रि 2 बजकर 38 मिनट से अगले दिन 3 मार्च को सुबह में 4 बजकर 34 मिनट तक रहेगी। ऐसे में 2 तारीख को होलिका दहन करना शास्त्र सम्मान शुभ रहेगा।

होलिका दहन का महत्व

मान्यता है कि होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की विजय है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, प्रहलाद जो भगवान विष्णु को परम भक्त थे। हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद को मारने के लिए अपनी बहन होलिका को आदेश दिया कि वह प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठ जाएं। क्योंकि, होलिका को वरदान था कि वह कभी भी आग में नहीं जल सकती है। लेकिन, भगवान की कृपा से प्रहलाद बच गए और होलिका अग्नि में भस्म हो गई। तब से ही होलिका दहन का पर्व मनाया जाता है।

फाल्गुन कृष्ण की अष्टमी तिथि, जानें शुभ-अशुभ समय

सनातन धर्म में पंचांग का बहुत महत्व है। यह पांच अंगों तिथि, नक्षत्र, योग, करण और वारके आधार पर शुभ-अशुभ समय का निर्णय करने में मदद करता है। दृक पंचांग के अनुसार, 10 फरवरी को फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि है। यह तिथि सुबह 7 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। उसके बाद नवमी शुरू हो जाएगी। वहीं, उदयातिथि के अनुसार पूरे दिन अष्टमी तिथि रहेगी। नक्षत्र की बात करें तो विशाखा नक्षत्र सुबह 7 बजकर 55 मिनट तक प्रभावी रहेगा, इसके बाद अन-ुराधा नक्षत्र शुरू होगा। योग ध्रुव है, जो 11 फरवरी की रात 1 बजकर 42 मिनट तक रहेगा। करण कौलव सुबह 7 बजकर 27 मिनट तक है और फिर तैतिल करण शाम 8 बजकर 43 मिनट तक चलेगा। 10 फरवरी, मंगलवार को चंद्रमा वृश्चिक राशि में गोचर करेंगे। सूर्योदय सुबह 7 बजकर 4 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 7 मिनट पर होगा।

शुभ कार्यों के लिए अभिजित, विजय या अमृत काल जैसे समय चुनना बेहतर होता है। शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 20 मिनट से 6 बजकर 12 मिनट तक, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से 12 बजकर 58 बजे तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 26 मिनट से 3 बजकर 10 मिनट तक और गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 5 मिनट से 6 बजकर 31 मिनट तक रहेगा। अमृत काल रात 11 बजकर 12 मिनट से 12 बजकर 59 मिनट तक है।

कोई शुभ या नया कार्य करने की योजना है, तो राहुकाल का विशेष ध्यान रखें। राहुकाल दोपहर 3 बजकर 21 मिनट से 4 बजकर 44 मिनट तक रहेगा। धार्मिक मान्यता है कि इस दौरान नया या शुभ कार्य करने से फलित नहीं होता। अन्य अशुभ समय में यमगंड सुबह 9 बजकर 50 मिनट से 11 बजकर 13 मिनट तक, गुलिक काल दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से 1 बजकर 58 मिनट तक है। पंचांग के अनुसार विंछुड़ो पूरे दिन और कुछ अन्य अशुभ योग जैसे आडल योग सुबह 7 बजकर 4 मिनट से 7 बजकर 55 मिनट तक प्रभावी है।10 फरवरी को मंगलवार है, जो माता दुर्गा, श्रीराम भक्त हनुमान और मंगल ग्रह को समर्पित है। इस दिन भक्ति-भाव से पूजा करने माता दुर्गा और श्रीराम भक्त प्रसन्न होते हैं और मंगल ग्रह शांत होते हैं।

पूर्णिमा पर लगेगा साल का सबसे बड़ा चंद्र ग्रहण, जानें सूतक काल का समय

साल 2026 में कुल चार ग्रहण लगने जा रहे हैं। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण शामिल हैं। वैदिक ज्योतिष में ग्रहण को अशुभ माना जाता है। साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण मार्च के महीने में लगने जा रहा है। फाल्गुन माह की पूर्णिमा के दिन पड़ने की वजह से चंद्र ग्रहण बेहद ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दिन होलिका दहन यानी छोटी होली भी पड़ रही है। भारत में दिखने की वजह से चंद्र ग्रहण का सूतक भी मान्य होगा। आइए जानते हैं चंद्र ग्रहण और सूतक काल का सही समय।

पंचांग के अनुसार, चंद्र ग्रहण 3 मार्च 2026, मंगलवार को फाल्गुन माह की पूर्णिमा तिथि पर लगेगा। भारतीय समय अनुसार चंद्र ग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनट पर शुरु होगा और शाम को 6 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। कुल मिलाकर 3 घंटे 27 मिनट तक ये ग्रहण रहेगा।

चंद्र ग्रहण का समय

चन्द्र ग्रहण प्रारम्भ – 03:20 PM
खग्रास प्रारम्भ – 04:34 PM
ग्रहण मध्य – 05 :04
खग्रास समाप्त – 05:33 PM

चन्द्र ग्रहण समाप्त – 06:47
खग्रास काल– 59 मिनट

सूतक काल कब से कब तक रहेगा?

ज्योतिष के अनुसार चंद्र ग्रहण का सूतक काल अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। साल का पहला चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई देगा इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य होगा। चंद्र ग्रहण के शुरू होने से 9 घंटे पहले सूतक लग जाएगा। ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस अवधि में शुभ कार्य करने से बचना चाहिए। सूतक काल 3 मार्च को सुबह 6 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ होकर शाम 6 बजकर 46 मिनट तक चलेगा। इस दौरान खाने-पीने से लेकर पूजा-पाठ तक कई कार्यों में सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

चंद्र ग्रहण कहां दिखाई देगा?

बता दें कि 03 मार्च को लगने वाला चंद्र ग्रहण होलिका दहन के दिन पड़ रहा है और ये एक खग्रास चंद्र ग्रहण होगा। इस दिन चंद्र ग्रहण का साया होलिका दहन को प्रभावित कर सकता है। ये चंद्र ग्रहण बंगाल के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र, मिजोरम, नागालैंड, मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश में देखा जा सकेगा।

संपादकीय

बच्चों का काल बने मोबाइल और इंटरनेट

मोबाइल इंटरनेट और ऑनलाइन खेल हमारे बच्चों के लिए किसी बुरे सपने की तरह हो गए हैं। अभिभावकों की चुनौती है कि कैसे बच्चों को इंटरनेट और ऑनलाइन गतिविधियों से दूर रखें, वहीं बच्चों को किसी घातक नशे की भाँति मोबाइल एवं इंटरनेट की आदत लग गई है। यह केवल बच्चों के समग्र विकास में बाधक नहीं है अपितु अब तो उनकी जान का दुश्मन भी बन गया है। बीते दिन ही मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 14 वर्षीय छात्र की आत्महत्या और गाजियाबाद में तीन सगी बहनों द्वारा नौवीं मंजिल से कूदकर जान देने की घटनाएं हमारे लिए चेतावनी है। देशभर से इस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं। ये उस 'डिजिटल महामारी' के लक्षण हैं जो हमारे घरों के भीतर, बंद कमरों में, हमारे बच्चों के बचपन को निगल रही है। भोपाल के मामले में छात्र के माता-पिता ने, जो स्वयं शिक्षक हैं, वही किया जो कोई भी जिम्मेदार अभिभावक करते- पढ़ाई पर असर पड़ता देख बच्चों को फोन से दूर कर दिया। लेकिन विडंबना देखिए, जिस बच्चे को जीवन का महत्व समझना था, उसने फोन छिनने को ही जीवन का अंत मान लिया। वहीं, गाजियाबाद का मामला और भी भयावह है। 12, 14 और 16 साल की बच्चियों का एक 'कोरियन लव गेम' के लिए स्कूल छोड़ देना, एक साथ जीना और अंत में एक साथ मरना, यह दर्शाता है कि वर्चुअल दुनिया का सम्मोहन वास्तविकता पर किस कदर हावी हो चुका है। उन्होंने सुसाइड नोट में लिखा है कि "मम्मी-पापा सॉरी... गेम नहीं छोड़ पा रही हूं"। यह चीख-चीख कर बता रहा है कि यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि इसके पीछे गहरा और खतरनाक मनोविज्ञान है। ऑनलाइन गेम्स को मनोवैज्ञानिक रूप से इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वे बच्चों के दिमाग में डोपामाइन का स्राव करें, जिससे उन्हें इसकी लत लग जाती है। 'टास्क' पूरा करने का दबाव और उसमें मिलने वाली झूठी उपलब्धियां बच्चों को वास्तविकता से पूरी तरह काट देती हैं। जब माता-पिता अचानक फोन छीनते हैं या रोकते हैं, तो बच्चे गंभीर मानसिक तनाव या विद्रोह की स्थिति में आ जाते हैं। चिंता का विषय यह है कि वर्चुअल टास्क की हार-जीत अब बच्चों के लिए जीवन-मरण का प्रश्न बनती जा रही है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि मोबाइल स्क्रीन अब बच्चों की दुनिया की खिड़की नहीं, बल्कि एक गहरी खाई बन चुकी है जिसमें हमारा भविष्य गिर रहा है। इस गंभीर संकट के बीच, संसद में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया और इंटरनेट के उपयोग को विनियमित करने का मुद्दा उठना स्वागतयोग्य और समय की मांग है। चीन और यूरोपीय देशों की तरह भारत को भी बच्चों के स्क्रीन टाइम और गेमिंग कंटेंट पर सख्त 'डिजिटल ताला' लगाना होगा। हालांकि, केवल कानून बना देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। यह एक सामाजिक और पारिवारिक चुनौती भी है। अभिभावकों को डिजिटल पेरेंटिंग के नए तौर-तरीके सीखने होंगे, जहां सिर्फ सख्ती नहीं, बल्कि संवाद और निगरानी का संतुलन हो। अगर हम अब भी नहीं चेते और सरकार ने सख्त गेमिंग रेगुलेशन एक्ट नहीं बनाए, तो अंश और गाजियाबाद की बहनों जैसे और भी कई मासूम इस डिजिटल नशे की बलि चढ़ जाएंगे। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, हमें अपने बच्चों के हाथों में मोबाइल की जगह वापस बचपन और मैदानी खेल थमाने होंगे।

अभिभावकों की चुनौती है कि कैसे बच्चों को इंटरनेट और ऑनलाइन गतिविधियों से दूर रखें, वहीं बच्चों को किसी घातक नशे की भाँति मोबाइल एवं इंटरनेट की आदत लग गई है। यह केवल बच्चों के समग्र विकास में बाधक नहीं है अपितु अब तो उनकी जान का दुश्मन भी बन गया है। बीते दिन ही मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 14 वर्षीय छात्र की आत्महत्या और गाजियाबाद में तीन सगी बहनों द्वारा नौवीं मंजिल से कूदकर जान देने की घटनाएं हमारे लिए चेतावनी है। देशभर से इस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं। ये उस 'डिजिटल महामारी' के लक्षण हैं जो हमारे घरों के भीतर, बंद कमरों में, हमारे बच्चों के बचपन को निगल रही है। भोपाल के मामले में छात्र के माता-पिता ने, जो स्वयं शिक्षक हैं, वही किया जो कोई भी जिम्मेदार अभिभावक करते- पढ़ाई पर असर पड़ता देख बच्चों को फोन से दूर कर दिया। लेकिन विडंबना देखिए, जिस बच्चे को जीवन का महत्व समझना था, उसने फोन छिनने को ही जीवन का अंत मान लिया। वहीं, गाजियाबाद का मामला और भी भयावह है। 12, 14 और 16 साल की बच्चियों का एक 'कोरियन लव गेम' के लिए स्कूल छोड़ देना, एक साथ जीना और अंत में एक साथ मरना, यह दर्शाता है कि वर्चुअल दुनिया का सम्मोहन वास्तविकता पर किस कदर हावी हो चुका है। उन्होंने सुसाइड नोट में लिखा है कि "मम्मी-पापा सॉरी... गेम नहीं छोड़ पा रही हूं"। यह चीख-चीख कर बता रहा है कि यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि इसके पीछे गहरा और खतरनाक मनोविज्ञान है। ऑनलाइन गेम्स को मनोवैज्ञानिक रूप से इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वे बच्चों के दिमाग में डोपामाइन का स्राव करें, जिससे उन्हें इसकी लत लग जाती है।

बड़े पैमाने पर महिलाओं और लड़कियों का लापता होना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है

राजधानी या लापता होती ज़िंदगियों का शहर?

डॉ. सत्यवान सौरभ

ऊँची इमारतें, स्मार्ट सिटी के दावे, चौबीसों घंटे निगरानी के कैमरे और दुनिया की सबसे बड़ी पुलिस व्यवस्थाओं में से एक—ये सब मिलकर यह भरोसा दिलाते हैं कि दिल्ली सुरक्षित है। लेकिन वर्ष 2026 के पहले पंद्रह दिनों के आँकड़े इस भरोसे को गहरे संदेह में बदल देते हैं। दिल्ली पुलिस के आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, केवल 1 से 15 जनवरी के बीच 807 लोग लापता हुए। औसतन हर दिन 54 लोग, यानी हर घंटे दो से अधिक लोग, इस शहर में ग़ायब हो गए। यह कोई साधारण अपराध आँकड़ा नहीं है जिसे रोज़मर्रा की रिपोर्टिंग का हिस्सा मानकर नज़रअंदाज़ कर दिया जाए। इस पूरी तस्वीर का सबसे भयावह पहलू यह है कि लापता लोगों में से 509 महिलाएँ और लड़कियाँ हैं। यानी लगभग दो-तिहाई मामले सीधे तौर पर महिला सुरक्षा से जुड़े हैं।

देश की राजधानी दिल्ली को अक्सर सत्ता, सुरक्षा और आधुनिकता का प्रतीक बताया जाता है। ऊँची इमारतें, स्मार्ट सिटी के दावे, चौबीसों घंटे निगरानी के कैमरे और दुनिया की सबसे बड़ी पुलिस व्यवस्थाओं में से एक—ये सब मिलकर यह भरोसा दिलाते हैं कि दिल्ली सुरक्षित है। लेकिन वर्ष 2026 के पहले पंद्रह दिनों के आँकड़े इस भरोसे को गहरे संदेह में बदल देते हैं। दिल्ली पुलिस के आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, केवल 1 से 15 जनवरी के बीच 807 लोग लापता हुए। औसतन हर दिन 54 लोग, यानी हर घंटे दो से अधिक लोग, इस शहर में ग़ायब हो गए। यह कोई साधारण अपराध आँकड़ा नहीं है जिसे रोज़मर्रा की रिपोर्टिंग का हिस्सा मानकर नज़रअंदाज़ कर दिया जाए। इस पूरी तस्वीर का सबसे भयावह पहलू यह है कि लापता लोगों में से 509 महिलाएँ और लड़कियाँ हैं। यानी लगभग दो-तिहाई मामले सीधे तौर पर महिला सुरक्षा से जुड़े हैं। जिस राजधानी में महिला सुरक्षा को लेकर सबसे ज़्यादा दावे किए जाते हैं, वहीं इतने बड़े पैमाने पर महिलाओं और लड़कियों का लापता होना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह केवल अपराध का नहीं, बल्कि असुरक्षा के सामान्यीकरण का संकेत है, जहाँ महिलाओं का ग़ायब हो जाना भी एक आँकड़े में बदल जाता है। इन 807 लापता मामलों में 191 नाबालिग शामिल हैं। इनमें से 146 नाबालिग लड़कियाँ हैं। इसका अर्थ यह है कि केवल पंद्रह दिनों में हर दिन औसतन 13 बच्चे लापता हुए, और उनमें बहुसंख्यक लड़कियाँ थीं। यह तथ्य किसी भी संवेदनशील समाज के लिए चेतावनी की घंटी होना चाहिए। लेकिन हमारी सामाजिक प्रतिक्रिया अक्सर उतनी तीव्र नहीं होती, जितनी होनी चाहिए। आँकड़े पढ़े जाते हैं, बहस होती है, और फिर अगली खबर आ जाती है। दिल्ली पुलिस के अनुसार 235 लोगों को ढूँढ लिया गया है, लेकिन 572 लोग अब भी लापता हैं। यह संख्या केवल एक प्रशासनिक प्रगति रिपोर्ट नहीं है। यह 572 परिवारों की अनिश्चितता, पीड़ा और अंतहीन प्रतीक्षा का प्रतीक है। हर बीतता दिन उन लोगों के लिए उम्मीद को थोड़ा और कम कर देता है, जिनके अपने अचानक ग़ायब हो गए। सवाल यह नहीं है कि कुछ लोग मिल गए, सवाल यह है कि इतनी बड़ी संख्या में लोग अब भी क्यों नहीं मिले। एक असहज लेकिन ज़रूरी सवाल यह भी है कि क्या हर लापता व्यक्ति के मामले को समान गंभीरता से लिया जाता है। व्यवहारिक सच्चाई यह है कि ग़रीब, प्रवासी मज़दूर, घरेलू कामगार, या झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले लोगों की गुमशुदगी को अक्सर हल्के में लिया जाता है। कई मामलों में शुरुआती प्रतिक्रिया ही संदेह से भरी होती है—"घर से भाग गया होगा", "किसी रिश्तेदार के पास चला गया होगा।" खासकर लड़कियों के मामलों में यह मानसिकता और भी खतरनाक साबित होती है, क्योंकि शुरुआती घंटों की लापरवाही बाद में अपूरणीय नुकसान में बदल जाती है। महिलाओं और बच्चों के लापता होने के पीछे केवल व्यक्तिगत कारण नहीं होते। इसके पीछे मानव तस्करी, संगठित अपराध, अवैध श्रम, यौन शोषण, घरेलू हिंसा और जबरन विवाह जैसे कई भयावह पहलू जुड़े होते हैं। दिल्ली जैसे महानगर इन नेटवर्कों के लिए केवल गंतव्य नहीं, बल्कि ट्रांजिट पॉइंट भी हैं। ऐसे में यह बेहद ज़रूरी हो जाता है कि हर लापता मामले को केवल "Missing Person" कहकर दर्ज न किया जाए, बल्कि संभावित अपराध की दृष्टि से उसकी गंभीर जाँच हो। यह और भी चिंताजनक हो जाता है जब हम यह देखते हैं कि यह सब कुछ तकनीक के युग में हो रहा है। आज मोबाइल फोन, लोकेशन डेटा, सीसीटीवी कैमरे, डिजिटल भुगतान और सोशल मीडिया जैसी तकनीकों के बावजूद अगर इतने बड़े पैमाने पर लोग लापता हो रहे हैं, तो यह या तो संसाधनों के सही इस्तेमाल की कमी को दर्शाता है या इच्छाशक्ति की कमी को। जब किसी वीआईपी मूवमेंट के लिए पूरा शहर कुछ ही मिनटों में ठप किया जा सकता है, तो आम नागरिक के लापता होने पर वही तत्परता क्यों नहीं दिखाई देती? यह समस्या केवल पुलिस या सरकार तक सीमित नहीं है। समाज की भूमिका और हमारी सामूहिक चुप्पी भी उतनी ही ज़िम्मेदार है। हम खबर पढ़ते हैं, कुछ देर के लिए चिंतित होते हैं, फिर अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में लौट जाते हैं। जब तक कोई लापता व्यक्ति हमारे परिवार, मोहल्ले या पहचान के दायरे में नहीं आता, तब तक वह हमारे लिए एक दूर की खबर ही बना रहता है। यही उदासीनता इस समस्या को और गहरा करती है। हर सरकार महिला सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बताती है। हेल्पलाइन नंबर, मोबाइल ऐप्स, जागरूकता अभियान और फास्ट ट्रैक कोर्ट की घोषणाएँ होती हैं। लेकिन ज़मीनी हकीकत बार-बार इन दावों को झुठलाती है। अगर नीतियाँ वास्तव में प्रभावी होतीं, तो देश की राजधानी में पंद्रह दिनों के भीतर 509 महिलाएँ और लड़कियाँ लापता नहीं होतीं। यह अंतर नीति और व्यवहार के बीच की खाई को उजागर करता है। यह समय आत्ममंथन का है। यह पूछने का समय है कि क्या हमारी नीतियाँ सिर्फ़ काग़ज़ों तक सीमित रह गई हैं। क्या हर लापता मामले की समयबद्ध समीक्षा होती है। क्या लापरवाही पर जवाबदेही तय की जाती है। अक्सर इन सवालों के जवाब मौन में खो जाते हैं, और यही मौन समस्या को और गंभीर बना देता है। इस संकट का समाधान किसी एक विभाग या एक आदेश से नहीं हो सकता। इसके लिए समन्वित प्रयास की ज़रूरत है—पुलिस की संवेदनशीलता, प्रशासन की सक्रियता, समाज की जागरूकता और राजनीतिक इच्छाशक्ति, सभी को एक साथ आना होगा। महिलाओं और बच्चों के लापता मामलों को आपात स्थिति की तरह लिया जाना चाहिए, न कि रूटीन प्रक्रिया की तरह। अंततः सवाल सिर्फ़ यह नहीं है कि दिल्ली कितनी आधुनिक या कितनी स्मार्ट है। असली सवाल यह है कि क्या यह शहर अपने सबसे कमज़ोर नागरिकों को सुरक्षित रख पा रहा है। अगर जवाब नकारात्मक है, तो यह केवल प्रशासन की नहीं, हमारी सामूहिक विफलता है। लापता लोग सिर्फ़ आँकड़ों में दर्ज नाम नहीं हैं। वे हमारी सामाजिक चेतना की परीक्षा हैं—और फिलहाल, इस परीक्षा में हम असफल होते दिखाई दे रहे हैं।

कुछ अलग

क्रोध की हालत में सही निर्णय नहीं हो पाता है

क्रोध विनाश का कारण बन जाता है। क्रोध कभी नहीं करना चाहिए। यह व्यक्ति की मति मार देता है, बुद्धि हर लेता है। इसके वशीभूत होकर लोग अक्सर गलत कदम उठा लेते हैं। इसकी वजह से इंसान सही-गलत में अंतर नहीं कर पाता है और वहशीपन पर उतारू हो जाता है। इसके प्रभाव में आदमी अपनापन, स्नेह, लगाव, प्रेम, आत्मीयता तो छोड़िए, अपना अस्तित्व तक भूल जाता है। क्रोध की अवस्था में किसी व्यक्ति और खूंखार जानवर में कोई फर्क नहीं रह जाता है। इंसान का रोष उसके लिए कई बार अभिशाप के रूप में भी सामने आता है। यह मानव मन की एक भावना है, जिसे अक्सर अच्छा नहीं माना जाता है। क्रोध का जनक भय भी माना जाता है। जब इंसान भय पर नियंत्रण करने की कोशिश करता है तो वह रोष के रूप में प्रकट होता है। कहा गया है कि काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह ये सब जीवन के सबसे बड़े शत्रु हैं। एक गुरु अपने शिष्यों को हमेशा अच्छाई और सदाचार का प्रचार-प्रसार करने की शिक्षा दिया करते थे। वह कहते थे कि केवल उपदेश देने में समय न गंवाना, बल्कि अपने हाथों से दीन-दुखियों, पीड़ितों, असहायों, निराश्रितों की अधिक से अधिक सेवा करना। किसी के यहां जाकर प्रेमपूर्वक सहायता मांगने पर अगर वह आपके साथ अमर्यादित आचरण करे, तब भी उस पर क्षोभ मत करना। वह जानते थे कि धन, संपत्ति संग्रह करने की प्रवृत्ति भय, कलह पैदा करती है। इसलिए वह अपने शिष्यों को समझाते कि अपने पास अपनी जरूरत भर की ही चीजें रखना। अधिक का संग्रह मत करना। भिक्षा में जो भोजन मिल जाए, उसी से संतुष्ट रहना।

देश दुनिया से

मेलों में मौत के झूले: खुशी के टिकट पर बिकती ज़िंदगी

हरियाणा के सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय मेले में झूला टूटने की घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि हमारे यहाँ मनोरंजन भी जान जोखिम में डालकर ही किया जाता है। जिस मेले को संस्कृति, कला और पर्यटन का उत्सव कहा जाता है, वही मेला एक पल में चीखों, अफरातफरी और मातम में बदल गया। झूले के अचानक टूटकर गिरने से एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई और तेरह लोग गंभीर रूप से घायल हुए। यह सिर्फ़ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का परिणाम है जहाँ सुरक्षा सबसे आख़िरी प्राथमिकता बन चुकी है। मेलों में झूले हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहे हैं। बच्चों की हँसी, युवाओं का उत्साह और परिवारों की उम्मीदें—सब कुछ इन झूलों से जुड़ा होता है। लेकिन जब यही झूले मौत का कारण बन जाएँ, तो सवाल केवल तकनीकी खराबी का नहीं रहता, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढाँचे की लापरवाही उजागर हो जाती है। सूरजकुंड हादसा अचानक नहीं हुआ। यह उस लापरवाही की परिणति है, जिसे सालों से "चलने दो" कहकर नज़रअंदाज़ किया जाता रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसे झूलों की अनुमति कैसे दी जाती है? क्या इनके फिटनेस सर्टिफिकेट की कोई गंभीर जाँच होती है या फिर कुछ काग़ज़ों और हस्ताक्षरों से ही सब कुछ "मैनेज" कर दिया जाता है? हर बड़े मेले से पहले प्रशासन सुरक्षा के दावे करता है—ड्यूटी पर पुलिस, एंबुलेंस, दमकल वाहन—लेकिन झूलों की तकनीकी जाँच अक्सर औपचारिकता भर बनकर रह जाती है। जिस मशीन पर दर्जनों ज़िंदगियाँ झूल रही हों, उसकी गुणवत्ता, मेंटेनेंस और ऑपरेटर की ट्रेनिंग पर कोई सख़्त निगरानी क्यों नहीं होती? यह पहली बार नहीं है जब किसी मेले या मनोरंजन पार्क में झूला गिरने से मौतें हुई हों। देश के अलग-अलग राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं—कहीं बच्चों की जान गई, कहीं महिलाएँ घायल हुईं, कहीं पूरा परिवार उजड़ गया। हर बार वही कहानी दोहराई जाती है—जाँच के आदेश, मुआवज़े की घोषणा और कुछ दिनों का शोर। फिर सब कुछ भुला दिया जाता है, अगली दुर्घटना तक। सूरजकुंड हादसे में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत होना इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। जो व्यक्ति जनता की सुरक्षा के लिए तैनात था, वही स्वयं व्यवस्था की लापरवाही का शिकार हो गया। यह घटना प्रतीक है उस विडंबना की, जहाँ सुरक्षा देने वाला भी सुरक्षित नहीं है। सवाल यह है कि अगर एक अधिकारी की जान यूँ ही चली गई, तो आम नागरिक की सुरक्षा की क्या गारंटी है? प्रशासन अक्सर ठेकेदारों पर दोष मढ़कर पल्ला झाड़ लेता है। कहा जाता है कि झूला निजी संचालक का था, मेंटेनेंस उसकी ज़िम्मेदारी थी। लेकिन क्या प्रशासन की ज़िम्मेदारी यहीं खत्म हो जाती है? क्या बिना कड़ी जाँच के किसी भी ठेकेदार को मौत के झूले लगाने की खुली छूट दी जा सकती है? अगर हाँ, तो फिर हादसे के बाद सिर्फ़ ठेकेदार को दोषी ठहराना एक तरह का धोखा ही है। असल में यह समस्या सिस्टम की है। मेले अस्थायी होते हैं, लेकिन लापरवाही स्थायी। सुरक्षा मानकों को "अतिरिक्त खर्च" समझा जाता है और मुनाफ़े को सबसे ऊपर रखा जाता है। झूले पुराने होते हैं, कई बार दूसरे राज्यों से लाकर बिना समुचित जाँच के लगा दिए जाते हैं। ऑपरेटर अक्सर अप्रशिक्षित होते हैं, जिन्हें न मशीन की तकनीक की समझ होती है और न आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग। दुखद यह भी है कि हादसे के बाद प्रशासन की संवेदनशीलता केवल मुआवज़े की घोषणा तक सीमित रह जाती है। मृतक के परिवार को कुछ लाख रुपये देकर समझ लिया जाता है कि जिम्मेदारी पूरी हो गई। लेकिन क्या किसी की जान की कीमत कुछ लाख रुपये हो सकती है? क्या मुआवज़ा उस दर्द, उस खालीपन और उस अन्याय की भरपाई कर सकता है? सवाल यह भी है कि क्या हमारे यहाँ मनोरंजन का मतलब ही जोखिम बन गया है? क्या मेले, झूले और उत्सव आम आदमी के लिए "लक आज़माने" की जगह बन चुके हैं—जहाँ ज़िंदा लौटना भी किस्मत पर निर्भर हो? यह सोच किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है। सूरजकुंड मेला अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है। देश-विदेश से लोग यहाँ आते हैं। अगर ऐसे प्रतिष्ठित आयोजन में सुरक्षा का यह हाल है, तो छोटे कस्बों और गाँवों के मेलों की स्थिति का अंदाज़ा लगाना मुश्किल नहीं है। वहाँ न जाँच होती है, न एंबुलेंस समय पर पहुँचती है और न ही किसी की जवाबदेही तय होती है। अब ज़रूरत है केवल संवेदना जताने की नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की। हर मेले और मनोरंजन आयोजन के लिए सख़्त सुरक्षा मानक तय होने चाहिए। झूलों की तकनीकी जाँच स्वतंत्र विशेषज्ञों से कराई जाए, न कि औपचारिक समितियों से। ऑपरेटरों की ट्रेनिंग अनिवार्य हो और ज़रा-सी लापरवाही पर लाइसेंस रद्द किया जाए। सबसे अहम बात—हादसे की स्थिति में सिर्फ़ मुआवज़ा नहीं, बल्कि आपराधिक ज़िम्मेदारी भी तय की जाए। आज सूरजकुंड में झूला गिरा है। कल यह किसी और मेले में गिरेगा, अगर हमने अभी भी आँखें मूँदे रखीं। सवाल यह नहीं है कि अगला हादसा कहाँ होगा, सवाल यह है कि क्या हम हर बार मौत के बाद ही जागेंगे? मेलों का मकसद खुशी बाँटना होता है, मौत नहीं। लेकिन जब खुशी के टिकट पर ज़िंदगी बिकने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि यह सिर्फ़ हादसा नहीं, एक अपराध है—और उस अपराध की ज़िम्मेदारी तय करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

झूले के अचानक टूटकर गिरने से एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई और तेरह लोग गंभीर रूप से घायल हुए। यह सिर्फ़ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का परिणाम है जहाँ सुरक्षा सबसे आख़िरी प्राथमिकता बन चुकी है। मेलों में झूले हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहे हैं। बच्चों की हँसी, युवाओं का उत्साह और परिवारों की उम्मीदें—सब कुछ इन झूलों से जुड़ा होता है। लेकिन जब यही झूले मौत का कारण बन जाएँ, तो सवाल केवल तकनीकी खराबी का नहीं रहता, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढाँचे की लापरवाही उजागर हो जाती है। सूरजकुंड हादसा अचानक नहीं हुआ। यह उस लापरवाही की परिणति है, जिसे सालों से "चलने दो" कहकर नज़रअंदाज़ किया जाता रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसे झूलों की अनुमति कैसे दी जाती है? क्या इनके फिटनेस सर्टिफिकेट की कोई गंभीर जाँच होती है या फिर कुछ काग़ज़ों और हस्ताक्षरों से ही सब कुछ "मैनेज" कर दिया जाता है? हर बड़े मेले से पहले प्रशासन सुरक्षा के दावे करता है—ड्यूटी पर पुलिस, एंबुलेंस, दमकल वाहन—लेकिन झूलों की तकनीकी जाँच अक्सर औपचारिकता भर बनकर रह जाती है। जिस मशीन पर दर्जनों ज़िंदगियाँ झूल रही हों, उसकी गुणवत्ता, मेंटेनेंस और ऑपरेटर की ट्रेनिंग पर कोई सख़्त निगरानी क्यों नहीं होती? यह पहली बार नहीं है जब किसी मेले या मनोरंजन पार्क में झूला गिरने से मौतें हुई हों।

आप का नज़रिया

हरित उद्योग का केंद्र बन सकता है झारखंड

झारखंड आज एक बेहद महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। पिछले कई दशकों से यह राज्य देश की कोयला व इस्पात आधारित अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार रहा है। अब जब यह देश स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है तथा नेट जीरो अर्थव्यवस्था की योजना बना रहा है, तब अपनी इन्हीं विशेषताओं के कारण झारखंड की भूमिका भविष्य के लिहाज से और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। इस राज्य के पास विशाल खनन भूमि, बेहद मजबूत औद्योगिक ढांचा, स्टील उद्योग और धनबाद, बोकारो, रामगढ़ जैसे जिलों में फैले विराट औद्योगिक कॉरिडोर हैं, जो निश्चित रूप से उसे इस परिवर्तन की दिशा में बढ़ने का बड़ा अवसर प्रदान करते हैं। झारखंड की अर्थव्यवस्था में उद्योग और खनन का योगदान जहां 40 प्रतिशत से अधिक है, वहीं पहले से बड़ी संख्या में कुशल औद्योगिक श्रमिक भी इस राज्य में मौजूद हैं। इसलिए अब सवाल केवल यह नहीं है कि झारखंड परिस्थिति के अनुरूप बदलाव कर सकने में सक्षम है या नहीं, बल्कि अहम सवाल यह है कि आने वाले दिनों में यह बदलाव वह कितनी तेजी और सही योजना के साथ कर पाता है। खनन के लंबे इतिहास के कारण झारखंड के पास इतनी जमीन उपलब्ध है, जितनी इस देश के बहुत कम ही औद्योगिक राज्यों के पास होगी। ऐसे में, राज्य की बंद और गैर-संचालित खानों की 11,000 हेक्टेयर से भी अधिक जमीन को हरित निवेश और यहां की अर्थव्यवस्था को विविध बनाने के लिए इस्तेमाल में लाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, अगले पांच से दस वर्षों में लगभग 27,000 हेक्टेयर जमीन झारखंड को और भी उपलब्ध हो सकती है। यह काम केंद्र सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा तय किये गये वैज्ञानिक खदान बंदी और भूमि पुनः उपयोग के नियमों के तहत किया जा सकता है। इससे न केवल झारखंड में हरित निवेश आयेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार भी पैदा होगा। यह जमीन रेलवे लाइनों, राष्ट्रीय राजमार्गों, बिजली ढांचे और जल स्रोतों के पास स्थित है, जो इसे और भी उपयोगी तथा अनुकूल बनाती है। सही योजना और बेहतर समन्वय के साथ इन क्षेत्रों का इस्तेमाल रिन्यूएबल एनर्जी पार्क, हरित औद्योगिक क्षेत्र, स्वच्छ मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और मूल्यवर्धित कृषि के लिए किया जा सकता है। इसी तरह धनबाद, बोकारो व रामगढ़ जैसे राज्य के जिले बिखरे हुए खनन क्षेत्रों की जगह एक जुड़े हुए हरित औद्योगिक कॉरिडोर का स्वरूप ले सकते हैं। राज्य के जमशेदपुर में टाटा स्टील और बोकारो में सेल जैसे बड़े स्टील उद्योग एवं उनसे जुड़े सहायक उद्योग मौजूद हैं। विशाल आकार व मजबूत ढांचे के कारण झारखंड का स्टील क्षेत्र भारत के हरित विनिर्माण लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। ऊर्जा दक्षता बढ़ाने, स्क्रैप के अधिक उपयोग, हाइड्रोजन के अनुकूल भट्ठियां लगाने और भविष्य में ग्रीन हाइड्रोजन आधारित स्टील उत्पादन के जरिये न केवल प्रदूषण को कम किया जा सकता है, बल्कि इससे व्यापार में बढ़त भी बनी रहेगी। वर्ष 2050 तक जीवाश्म ईंधन को ग्रीन हाइड्रोजन से बदलना संभव है, खासकर अगर रिन्यूएबल एनर्जी को स्टील प्लांट्स के पास मौजूद खदानों की खाली जमीनों पर विकसित किया जाये। ऐसी को-लोकेशन से जहां बिजली की लागत कम होती है, वहीं विश्वसनीयता बढ़ती है और बदलाव से संबंधित जोखिम भी कम होते हैं। राज्य के आदित्यपुर-जमशेदपुर क्षेत्र में ऑटो व ऑटो-पार्ट्स बनाने वाली कई इकाइयां हैं, जिनमें से लगभग तीन-चौथाई माइक्रो और छोटे उद्यम हैं। जैसे-जैसे देश इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे यह क्लस्टर इवी पार्ट्स, प्रिसिजन इंजीनियरिंग, हल्के मटेरियल और आधुनिक विनिर्माण में आगे बढ़ सकता है। एमएसएमइ स्पेशल एक्जंपशन बिल, 2025 निरीक्षण को आसान बनाता है और नियमों का पालन सरल करता है। लेकिन, जाहिर है कि इसके साथ-साथ हरित वित्त तक पहुंच, तकनीक उन्नयन, इवी से जुड़े प्रशिक्षण और टाटा मोटर्स जैसी बड़ी कंपनियों से मजबूत जुड़ाव भी आवश्यक है। झारखंड को एक स्पष्ट जस्ट ट्रांजिशन (जेटी) नीति की भी आवश्यकता है, जो मजबूत संस्थानों, स्थानीय स्तर की योजनाओं और कौशल विकास को बढ़ावा दे। साथ ही, जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) का इस्तेमाल प्रशिक्षण, आजीविका और शिक्षा जैसे जस्ट ट्रांजिशन से जुड़े कार्यों के लिए किया जा सकता है। झारखंड के पास लगभग 17,000 करोड़ रुपये का डीएमएफटी कोष है, जो देश में दूसरा सबसे बड़ा कोष है। धनबाद, बोकारो व रामगढ़ जैसे जिले कोयले के घटते भंडारों के बीच इन संसाधनों का सही इस्तेमाल कर सकते हैं।

पिछले कई दशकों से यह राज्य देश की कोयला व इस्पात आधारित अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार रहा है। अब जब यह देश स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है तथा नेट जीरो अर्थव्यवस्था की योजना बना रहा है, तब अपनी इन्हीं विशेषताओं के कारण झारखंड की भूमिका भविष्य के लिहाज से और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। इस राज्य के पास विशाल खनन भूमि, बेहद मजबूत औद्योगिक ढांचा, स्टील उद्योग और धनबाद, बोकारो, रामगढ़ जैसे जिलों में फैले विराट औद्योगिक कॉरिडोर हैं, जो निश्चित रूप से उसे इस परिवर्तन की दिशा में बढ़ने का बड़ा अवसर प्रदान करते हैं। झारखंड की अर्थव्यवस्था में उद्योग और खनन का योगदान जहां 40 प्रतिशत से अधिक है, वहीं पहले से बड़ी संख्या में कुशल औद्योगिक श्रमिक भी इस राज्य में मौजूद हैं। इसलिए अब सवाल केवल यह नहीं है कि झारखंड परिस्थिति के अनुरूप बदलाव कर सकने में सक्षम है या नहीं, बल्कि अहम सवाल यह है कि आने वाले दिनों में यह बदलाव वह कितनी तेजी और सही योजना के साथ कर पाता है। खनन के लंबे इतिहास के कारण झारखंड के पास इतनी जमीन उपलब्ध है, जितनी इस देश के बहुत कम ही औद्योगिक राज्यों के पास होगी।

दृष्टि कोण

बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है स्क्रीन टाइम घटाना

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में हुई हालिया घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया है। यहां की 'भारत सिटी सोसायटी' में रहनेवाली तीन बहनों ने अपनी बालकनी से कूद जान दे दी। कारण बना मोबाइल। मोबाइल के जरिये तीनों बहनों का कोरियाई संस्कृति और संगीत से परिचय हुआ, जो धीरे-धीरे उनका जुनून बन गया। इस संस्कृति से वे इस कदर जुड़ाव महसूस करने लगीं कि अपने आप को भारतीय मानने से ही इनकार करने लगीं। घरवालों ने उनकी इस सनक को देख मोबाइल छीन लिया। मोबाइल का जाना तीनों बहनों के लिए उनकी सबसे प्यारी चीज का छिन जाना था। बस फिर क्या था, तीनों ने मोबाइल के बिना जीने से बेहतर जान देना समझा। मोबाइल के लत की यह अकेली घटना नहीं है, यदि आप अपने आसपास नजर दौड़ायेंगे, तो पायेंगे कि बच्चे अब खेलने या एक-दूसरे से बातचीत करने की बजाय मोबाइल देखना पसंद कर रहे हैं। यही हाल बड़ों का भी है। कई वर्ष पहले की बात है। दिल्ली के एक हवाई अड्डे पर बैठी थी। सामने ही एक युवा जोड़ा बैठा था। उनके दो बच्चे थे। एक तीन-चार वर्ष की लड़की, दूसरा सात-आठ महीने का बच्चा प्रैम में। बच्ची इधर-उधर दौड़-भागकर खेल रही थी। बच्चे के हाथ में मोबाइल था। उस पर वह कार्टून देख रहा था। माता-पिता अपनी बातचीत में व्यस्त थे। अचानक छोटा बच्चा रोने लगा। पता चला कि प्रोग्राम खत्म हो जाने के कारण बच्चा रो रहा है। पिता ने फौरन दूसरा कार्टून लगा दिया। इतने में बच्ची आयी और पिता से मोबाइल पर कार्टून देखने की जिद करने लगी। मां ने फौरन अपना मोबाइल निकाल उसे दे दिया। इतने छोटे बच्चों को मोबाइल पर आंखें गड़ाये लगभग पौने दो घंटे तक यह लेखिका देखती रही। ऐसे अनेक वीडियो और रील्स भी मैं देखती रही हूं, जिनमें माता-पिता बच्चों की शैतानियों और सवालों से बचने के लिए उन्हें मोबाइल पकड़ा देते हैं। अनेक ऐसी खबरें भी पढ़ने में आती हैं कि बच्चों को जब तक मोबाइल और उस पर देखने वाले कार्यक्रम न मिल जायें, वे सोते नहीं, दूध नहीं पीते, खाना तक नहीं खाते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चे तमाम तरह के कार्यक्रम देखते हुए खुश होते हैं, हंसते हैं, तो हम मान लेते हैं कि ये सब उनके लिए कितना अच्छा है। मगर यह सच नहीं है। यदि बच्चों को मोबाइल की लत लग जाये, तो यह हर तरह से उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। मोबाइल पर लगातार कार्टून या कार्यक्रम देखने से उनका दिमाग सुस्त होने लगता है। इसे ब्रेन रॉट कहते हैं। बच्चे जिद्दी हो जाते हैं। ऐसे मामले भी सामने आ चुके हैं कि मोबाइल की लत के कारण बच्चे देर से बोल पा रहे हैं। तीन-तीन वर्ष तक के बच्चे डॉक्टरों के पास पहुंच रहे हैं। दिल्ली के एक नौ वर्ष के बच्चे के बारे में खबर छपी थी कि वह बिना मोबाइल के स्कूल नहीं जाता। ऐसे अनेक बच्चों के बारे में खबरें आयी थीं, जिन्हें मोबाइल स्क्रीन पर लगातार कार्यक्रम देखने के कारण सर्वाइकल, तेज पीठ दर्द, आंखों में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। एक अध्ययन में बताया गया था कि अधिकांश बच्चे अब तमाम तरह की शारीरिक गतिविधियों में चालीस मिनट तक का समय भी नहीं बिताते हैं। वे लगातार बैठकर स्क्रीन देखते रहते हैं। बाहर दोस्तों के साथ खेलने भी नहीं जाते हैं। असल में, बच्चों के लिए कार्यक्रम बनाने वाली कंपनियां लगातार इस रणनीति पर काम करती हैं कि कैसे अधिक से अधिक बच्चों को आकर्षित किया जा सके। वे बच्चों की आदतों का अध्ययन करती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। घर में रस्म-रिवाज़ आदि होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द करनी पड़ेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भले ही आप उत्साह से लबरेज़ हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अतः बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालांकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। उदार बनें और ईमानदारी से तारीफ़ करें। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन-साथी को तनाव दे सकती है। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ख़ुद तनाव-ग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। इसका भरपूर उपयोग करें। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। यात्राओं से व्यवसाय के नए मौक़े मिलेंगे। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी-मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। अपनी उपयोगिता की ताक़त को सकारात्मक सोच और बातचीत के ज़रिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपको कुछ शानदार आशीर्वाद दें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। यह वह दिन है जब आपको अपनी अहम योजनाओं पर रोशनी डालने के लिए ख़ास और बड़े लोगों से मिलना चाहिए। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद को दरकिनार महसूस कर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 फरवरी 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रातः 07:30 तक
नक्षत्र : विशाखा प्रात 07:56 तक
योग : ध्रुव रात्रि 01:41 तक
करण : कौलव प्रातः 07:30 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:15 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:43, सूर्यास्त 06:24 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:15 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:35 , सूर्यास्त 06:08 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : फाल्गुनोत्सव

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हमारी सरकार आयुर्वेद के संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 09 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की मिट्टी में आयुर्वेद की जड़ें गहरी हैं, यहां औषधि उत्पादन की अद्भुत क्षमता है। प्रदेश की पहाड़ी, वन, औषधीय पौधे इसके साक्षी हैं कि यहां की भूमि सदियों से आयुर्वेद का केंद्र रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आयुर्वेद के संवर्धन तथा जनमानस में उसके व्यापक उपयोग के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह में अपने उद्बोधन के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1976 में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एक महाविद्यालय के रूप में आरंभ होकर आज देश के प्रमुख डीम्ड टू बी आयुर्वेद यूनिवर्सिटी के रूप में विकसित हो गया है। राजस्थान की धरती पर स्थापित इस संस्थान ने पचास वर्षों में जिस ऊंचाई, प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय नेतृत्व को प्राप्त किया है, वह प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रोगी सेवा – इन चारों स्तंभों पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने पिछले पांच दशकों में नेतृत्व स्थापित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश को विश्वगुरु बनाने में आयुर्वेद और योग की प्रमुख भूमिका रही है। आयुर्वेद के माध्यम से हम यह पहले से ही जान लेते हैं कि कौन से महीने में कौन सी बीमारी होगी और उसका उपचार कैसे किया जाए। उन्होंने कहा कि वेदों के साथ हमारे ऋषियों ने आयुर्वेद के माध्यम से मानव जीवन को समझा है। चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट जी जैसे महान वैद्यों ने इस विद्या को व्यवस्थित रूप दिया। उन्होंने कहा कि चरक संहिता में कहा गया है कि स्वस्थ शरीर धर्म का प्रथम साधन है। सुश्रुत को आज पूरा विश्व शल्य चिकित्सा का जनक मानता है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना 'भारत में उपचार और भारत द्वारा उपचार' है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में एक अलग आयुष मंत्रालय की स्थापना की गई। जिससे आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को नई ऊर्जा मिली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में अपने प्रयासों से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित कराया। इससे न केवल योग, बल्कि पूरी भारतीय चिकित्सा परंपरा को विश्व मंच पर पहचान मिली। आयुर्वेद अनुसंधान में निवेश बढ़ाया गया, आयुर्वेद संस्थानों का विस्तार किया गया।

जल संसाधन मंत्री ने किया चंबल एक्वाडक्ट कार्य स्थल का निरीक्षण

जयपुर/कोटा , 09 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों के लिए संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना (राम जल सेतु लिंक परियोजना) वरदान साबित होगी। इस जीवनदायिनी परियोजना के प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण करने सोमवार को जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत बूंदी के गुहाटा पहुंचे। उन्होंने निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट कार्य स्थल पर अभियंताओं से चर्चा कर परियोजना की विस्तृत जानकारी ली। रावत ने करीब 2 किलोमीटर पैदल चलकर हर एक पॉइंट का गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने चंबल एक्वाडक्ट के कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय समय में पूरा कराने के निर्देश दिए। जल संसाधन मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में सतत् प्रयासों से जल सुरक्षा की दिशा में एक्वाडक्ट मील का पत्थर साबित होगा।इसके कार्य मिशन मोड पर किए जा रहे हैं। चम्बल नदी पर 2.3 किलोमीटर लम्बाई में एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है, जिसे जून, 2028 तक पूरा कर लिया जाएगा।

रावत ने बताया कि राम राम सेतु लिंक परियोजना के प्रथम चरण के पैकेज-2 के अंतर्गत 2 हजार 330 करोड़ रुपए की लागत से एक्वाडक्ट बनाया जा रहा है। यह एक छोर में कोटा जिले की दीगोद तहसील के पीपलदा समेल गांव और दूसरे छोर में बूंदी जिले के इंद्रगढ़ तहसील के गुहाटा गांव से जुड़ेगा। इसके बनने से कालीसिंध नदी पर निर्मित नवनेरा बैराज से पानी पम्प हाउस से लिफ्ट कर मेज नदी में छोड़ा जाएगा। इसके बाद मैज बैराज से पम्प हाउस व फीडर के जरिए गलवा बांध तक और वहां से बीसलपुर और ईसरदा बांध में पहुंचाया जाएगा। इस एक्वाडक्ट के बनने से आमजन को आवागमन के लिए अतिरिक्त मार्ग भी उपलब्ध होगा। चम्बल नदी पर बन रहे एक्वाडक्ट की लम्बाई 2280 मीटर है। एक्वाडक्ट की आंतरिक चौड़ाई 41.25 मीटर और ऊंचाई 7.7 मीटर है। मई, 2025 में कार्य शुभारंभ किया गया। इस दौरान श्री रावत ने विभाग के अभियंताओं और श्रमिकों द्वारा समयबद्ध कार्यों को गति देने के लिए तारीफ की। रावत ने बताया कि यह परियोजना मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की दूरदृष्टि और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

पुर में हरित होली की मिसाल, गोबर के कंडों से जलेगी होलिका

भीलवाड़ा, 09 फरवरी (एजेंसियां)। पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव का संदेश देते हुए शहर के उपनगर पुर में इस बार होली कुछ अलग अंदाज़ में मनाई जाएगी। वर्षों से आचार्यों की हथाई के पास सांप्रदायिक सौहार्द के साथ होने वाले होलिका दहन में इस बार भी हरे वृक्षों की लकड़ी या प्रदूषण फैलाने वाली सामग्री की बजाय गोबर के कंडों से बनी होलिका जलाई जाएगी। आचार्य समाज के समाजबंधुओं भेरूलाल आचार्य, संपत आचार्य, प्रेमशंकर आचार्य, कालूलाल आचार्य, नारायणलाल आचार्य, सत्यनारायण आचार्य, अर्जुन आचार्य और गोविंद आचार्य ने राष्ट्रीय मानवाधिकार, पर्यावरण सुरक्षा एवं भ्रष्टाचार निवारण संगठन के जिला अध्यक्ष रतनलाल आचार्य के नेतृत्व में यह निर्णय लिया।

राजस्थान में आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण के लिए समन्वित कार्यवाही के निर्देश

जयपुर, 09 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा आवारा कुत्तों की जनसंख्या नियंत्रण, नसबंदी एवं टीकाकरण संबंधी कार्यों को प्रभावी रूप से लागू करने के दिए गए निर्देशों की अनुपालना में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस विषय से जुड़ी समस्त जानकारी और डाटा के संकलन व प्रभावी प्रबंधन के लिए एकीकृत पोर्टल विकसित किया जाए, ताकि आंकड़ों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सके और राज्य सरकार के प्रयासों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा सके। मुख्य सचिव ने प्रदेश में आवारा कुत्तों के टीकाकरण एवं नसबंदी के लिए संचालित एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटरों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे क्षेत्रों और स्थानों की पहचान की जाए, जहां आवश्यकता के अनुसार नए बीसी सेंटर स्थापित किये जा सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए सभी संबंधित विभागों एवं पशु कल्याण संगठनों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

मुख्य सचिव ने इस कार्य की समुचित निगरानी के लिए राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति के गठन के निर्देश दिए। साथ ही जिला स्तर पर नियमित और समयबद्ध बैठकों का आयोजन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने आमजन में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष जनसंपर्क अभियान चलाने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए।बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने राज्य सरकार द्वारा इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी तथा आवश्यक सुझावों पर चर्चा की गई।

फरीदाबाद जेल में आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या, कश्मीरी कैदी ने किया हमला

फरीदाबाद, 09 फरवरी (एजेंसियां)। के फरीदाबाद जिले से बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जिले की जेल में बंद 20 वर्षीय आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, यह हमला जेल में ही हुआ, जहां एक अन्य कैदी ने नुकीली चीज से उसके सिर पर हमला किया। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि हमलावर का नाम अरुण चौधरी है, जो कश्मीरी युवक है। रविवार रात को उसने अब्दुल रहमान पर हमला किया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गौरतलब है कि अब्दुल रहमान 2 मार्च 2025 को पाली गांव के पास से पकड़ा गया था। उस समय उसके पास दो हैंड ग्रेनेड थे और वह अयोध्या में धमाका करने की साजिश रच रहा था। उसे उत्तर प्रदेश के मिल्कीपुर का रहने वाला बताया गया।

अब्दुल रहमान के पास कुछ वीडियो भी मिले थे, जिनमें राम मंदिर से जुड़ी संवेदनशील जानकारी थी। इसे देखते हुए एसटीएफ की टीम ने उसे गिरफ्तार किया था। उसके पास पाए गए दो हैंड ग्रेनेड को तुरंत डिफ्यूज कर दिया गया। वहीं, जेल में बंद आतंकी अब्दुल रहमान पर हमला करने और उसकी जान लेने वाला आरोपी पहले जम्मू-कश्मीर की जेल में बंद था, जिसे बाद में फरीदाबाद जेल में शिफ्ट किया गया था। वह भी हाई सिक्योरिटी बैरक में बंद था।

जेल में अब्दुल रहमान की हत्या ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह पहली बार नहीं है जब जेल में किसी कैदी पर हमला हुआ हो, लेकिन सुरक्षा के इतने सख्त इंतजाम के बावजूद ऐसा होना चिंताजनक है। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। जेल में मौजूद सभी कैदियों से पूछताछ की जा रही है और हमलावर के साथी या संभावित मददगारों की भी पहचान की जा रही है। वहीं, इस घटना ने फरीदाबाद जिले में सनसनी फैला दी है।

बुढ़ापा पेंशन पर लगाई जा रही शर्तें पूरी तरह अमानवीय : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 09 फरवरी (एजेंसियां)। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में वृद्धावस्था सम्मान भत्ता (बुढ़ापा पेंशन) को फैमिली आईडी, आय सत्यापन और बिजली के बिल जैसी शर्तों से जोडक़र रोके जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे बुजुर्गों के साथ अन्याय और अमानवीय व्यवहार करार दिया है। मीडिया को जारी आज एक बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश के अनेक बुजुर्ग, जो वर्षों से पेंशन प्राप्त कर रहे थे, आज केवल तकनीकी और कागजी कारणों से अपनी पेंशन से वंचित हो रहे हैं। कभी फैमिली आईडी में त्रुटि, कभी आय का सत्यापन, तो कभी बिजली बिल का बहाना बनाकर पेंशन रोक दी जाती है, जिससे बुजुर्गों को कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। यह स्थिति प्रशासनिक संवेदनहीनता को दर्शाती है और बुजुर्गों के सम्मान के विपरीत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की स्पष्ट नीति है कि बुढ़ापा पेंशन सभी पात्र बुज़ुर्गों को सरल और सम्मानजनक ढंग से मिले। सामाजिक सुरक्षा की इस योजना को अनावश्यक शर्तों और जटिल प्रक्रियाओं में नहीं उलझाया जाना चाहिए। पेंशन कोई एहसान नहीं, बल्कि बुजुर्गों का अधिकार है।

सांसद ने कहा कि पीपीपी (परिवार पहचान पत्र) डाटा अपडेट के बाद अंबाला जिले के लगभग 54,000 परिवारों को सरकारी रिकॉर्ड में 'संपन्न' दिखा दिया गया। इसके परिणामस्वरूप हजारों परिवारों का राशन बंद हो गया और अनेक बुजुर्गों की वृद्धावस्था पेंशन काट दी गई। जिन परिवारों की वास्तविक आय में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई, वे अब अपनी पात्रता साबित करने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। कुमारी सैलजा ने सरकार से मांग की कि फैमिली आईडी, आय सत्यापन, बिजली बिल जैसी शर्तों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए और जिन बुजुर्गों की पेंशन इन कारणों से रोकी गई है, उन्हें तुरंत बहाल कर बकाया राशि जारी की जाए।

ऑस्ट्रेलिया से लौटते ही बजट सत्र की तैयारियों में जुटे हरविन्द्र कल्याण

चंडीगढ़, 09 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने ऑस्ट्रेलिया के अपने आधिकारिक दौरे से लौटते ही बजट सत्र पर ध्यान केंद्रित कर लिया है। इस सिलसिले में सोमवार को उन्होंने विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों के साथ बैठक कर सत्र की तैयारियों का जायजा लिया। विस अध्यक्ष ने कहा कि बजट सत्र साल का सबसे महत्वपूर्ण सत्र रहता हैं, इसलिए इसकी तैयारियों में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि सचिवालय की सभी शाखाएं अपने-अपने कार्यों में जुटे और यह सुनिश्चित करें कि सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय पर मुकम्मल हों। गौरतलब है कि हरियाणा सरकार की ओर से 20 फरवरी से बजट सत्र बुलाए जाने की घोषणा की गई है। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ऑस्ट्रेलिया यात्रा से लौटने के बाद सोमवार को पहली बार विधान सभा आए। वे चाहते हैं कि सत्र की व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी न रहे।

एक माह में गुरुग्राम की क्षतिग्रस्त सड़कों को बनाया जाए मोटरेबल : सैनी

गुरुग्राम, 09 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी जनहित से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ करें तथा किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के समग्र विकास और आमजन की समस्याओं के समाधान को लेकर सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जिले से जुड़ी प्रत्येक समस्या पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है और उनका शीघ्र एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। सरकार निरंतर जन समस्याओं की समीक्षा कर रही है, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके और विकास कार्यों में गति बनी रहे। मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी विधायक बिमला चौधरी, सोहना विधायक तेजपाल तंवर भी उपस्थित रहे। बैठक में कुल 17 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 12 का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि 5 मामलों को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन लंबित मामलों की स्टेटस रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें। एक माह में गुरुग्राम की क्षतिग्रस्त सड़कों को मोटरेबल बनाने के निर्देश

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सेक्टर-10ए स्थित उमंग भारद्वाज चौक से वाया गाडौली होते हुए द्वारका एक्सप्रेसवे तक सड़क की खस्ताहाल स्थिति की शिकायत पर संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगले 24 घंटे के भीतर सड़क को गड्ढा-मुक्त किया जाए। सड़क पर यदि कहीं भी अतिक्रमण है तो उसे प्राथमिकता के आधार पर तुरंत हटाया जाए। उन्होंने

कहा कि सड़क चाहे किसी भी विभाग से संबंधित हो, चाहे वह एचएसआईआईडीसी, नगर निगम या जीएमडीए के अधीन हो,नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करते हुए अगले एक महीने के भीतर सभी सड़कों की मरम्मत कर उन्हें मोटरेबल बनाया जाए। बैठक में सेक्टर-85 स्थित कार्नेशन रेजीडेंसी आरडब्ल्यूए द्वारा प्रस्तुत की गई सड़क अवरोध से संबंधित शिकायत पर मुख्यमंत्रीनायब सिंह सैनी ने पिछली बैठक में गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों की एक समिति का गठन किया था। समिति की रिपोर्ट के आधार पर संबंधित निजी भूमि अब बिल्डर द्वारा खरीद ली गई है तथा वहां बनी पुरानी इमारतों को हटाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसके उपरांत दो सप्ताह के भीतर 24 मीटर चौड़ी संपर्क सड़क का निर्माण किया जाएगा, जिससे सेक्टर-86 मुख्य मार्ग और द्वारका एक्सप्रेसवे से सीधा संपर्क स्थापित हो सकेगा।

इस निर्णय से लगभग 7,000 निवासियों एवं 800 स्कूली छात्रों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी संवेदनशील पहल, त्वरित सुनवाई और समिति गठन के कारण यह लंबे समय से लंबित समस्या हल हो सकी है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चुनाव मटीरियल बांटने वाले सेंटर पर बेहतर इंतजाम सुनिश्चित करें : हरिता

कागज़नगर, 9 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर के. हरिथा ने आगामी म्युनिसिपल चुनावों के मद्देनजर सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव मटीरियल वितरण केंद्र पर सभी आवश्यक इंतजाम पूरे किए जाएं ताकि चुनाव प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके।

सोमवार को कलेक्टर के. हरिथा ने एडिशनल कलेक्टर (रेवेन्यू) डेविड के साथ कागज़नगर शहर के डीएवी स्कूल में स्थापित म्युनिसिपल चुनाव मटीरियल वितरण केंद्र, काउंटिंग सेंटर, स्ट्रांग रूम तथा पोस्टल बैलेट सेंटर का दौरा किया। उन्होंने इन सभी केंद्रों पर की गई तैयारियों का गहन निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बताया कि इस महीने की 11 फरवरी को होने वाले कागज़नगर म्युनिसिपल चुनाव में 30 वार्डों के लिए कुल 85 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। मतदान कर्मियों तथा मटीरियल वितरण स्टाफ के लिए खाने-पीने की उचित व्यवस्था, बैठने की सुविधा तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

उन्होंने स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी कैमरे लगाने, निरंतर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा 13 फरवरी को प्रस्तावित मतगणना प्रक्रिया के लिए सभी जरूरी इंतजाम पूरे करने के निर्देश दिए। पोस्टल बैलेट का उपयोग करने वाले स्टाफ को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष ध्यान दिया जाए।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि पोस्टल बैलेट सेंटर पर भी सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं तथा पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाए। सभी अधिकारी आपसी तालमेल से कार्य करें ताकि जिले में चुनाव पूरी शांति और निष्पक्षता के साथ संपन्न हो सके।

इस निरीक्षण कार्यक्रम में म्युनिसिपल कमिश्नर तिरुपति, तहसीलदार मधुकर, संबंधित स्टाफ, अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

यह दौरा और दिए गए निर्देश चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

आसिफाबाद में नगरपालिका चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

आसिफाबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिले की एसपी, नितिका पंत आईपीएस, ने जानकारी दी है कि आगामी 11 फरवरी को आसिफाबाद कागजनगर में नगरपालिका चुनाव के लिए 712 पुलिस बल की तैनाती की गई है।

उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों और आम जनता को चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है। एसपी ने बताया कि मतदान से 48 घंटे पहले, यानि सोमवार शाम 5 बजे से बुधवार तक, साइलेंट पीरियड लागू रहेगा। इस दौरान चुनावी सभाएं, घर-घर प्रचार, लाउडस्पीकर का इस्तेमाल, रैली और बाइक रैली पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए विशेष गश्ती दल और निगरानी दल मतदान केंद्रों पर तैनात होंगे। चुनाव परिणाम के बाद किसी भी विजय रैली या बाइक रैली की अनुमति नहीं होगी।एसपी ने बताया कि जिले में धारा 144 लागू रहेगी, जिसके तहत मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में पांच या अधिक लोगों का समूह इकट्ठा होना प्रतिबंधित रहेगा।दोनों नगर पालिकाओं में 2 स्टेटिक सर्विलांस (एसएसटी) और 2 फ्लाइंग स्क्वाड (एफएसटी) टीमें लगातार काम कर रही हैं, ताकि चुनाव प्रक्रिया सुचारू और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।

सीपीडीओ कलावती ने किया हसन टाकली आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण

मदनूर, 9 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त मदनूर मंडल के आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट अधिकारी (सीडीपीओ) कलावती ने सोमवार को हसन टाकली आंगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र की गतिविधियों, पौष्टिक भोजन वितरण और बच्चों की देखभाल व्यवस्था का जायजा लिया।

सीडीपीओ कलावती ने गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओं को आंगनवाड़ी केंद्र में वितरित किए जाने वाले पौष्टिक भोजन के बारे में विस्तार से जागरूक किया। उन्होंने बच्चों के समुचित विकास के लिए बालमृतम प्लस के महत्व पर प्रकाश डाला और माताओं को इसकी नियमित सेवन के लाभ बताए।सीडीपीओ ने उपस्थित माताओं से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को प्रतिदिन सुबह 9 से 10 बजे तक आंगनवाड़ी केंद्र अवश्य भेजें। उन्होंने बताया कि सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए चार घंटे का खेल-आधारित शिक्षा कार्यक्रम संचालित किया जाएगा, जो उनके शारीरिक तथा मानसिक विकास में सहायक होगा।

इस अवसर पर सीडीपीओ कलावती ने ग्राम के उप सरपंच को आंगनवाड़ी भवन की स्थिति के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने आंगनवाड़ी भवन निर्माण के लिए आवंटित जगह का स्थल निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस निरीक्षण के समय आंगनवाड़ी शिक्षिका एस. सचिता, साईकुरा लक्ष्मीबाई के साथ आंगनवाड़ी के छात्र, गर्भवती महिलाएं तथा अन्य माताएं उपस्थित रहीं।यह निरीक्षण आंगनवाड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा लाभार्थियों की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मतगणना केंद्र में पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करें : कलेक्टर

आसिफाबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर के. हरिता ने द्वितीय आम नगरपालिका चुनाव की तैयारियों के संदर्भ में मतगणना केंद्रों सहित सभी संबंधित स्थलों पर पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया हर स्तर पर पारदर्शी, सुरक्षित और सुव्यवस्थित होनी चाहिए।

सोमवार को कलेक्टर के. हरिता ने समाज कल्याण गुरुओं के साथ आसिफाबाद में स्थापित नगर निगम चुनाव मतदान सामग्री वितरण केंद्र, स्ट्रांग रूम, मतगणना केंद्र तथा डाक मतपत्र केंद्र का औचक दौरा किया। उन्होंने इन सभी केंद्रों पर की गई तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया और मौके पर ही आवश्यक सुधारों के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि चुनाव सामग्री वितरण केंद्र के कर्मचारियों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मतदान ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को छाया, कुर्सियां, पीने का साफ पानी, भोजन तथा आवास की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए, ताकि ड्यूटी करने वाले कर्मचारी बिना किसी असुविधा के अपना कार्य निर्वहन कर सकें।

उन्होंने स्ट्रांग रूम में निरंतर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने तथा मतगणना हॉल में शांतिपूर्ण मतगणना प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जोर दिया कि मतगणना प्रक्रिया पूरी तरह से शांत और निष्पक्ष होनी चाहिए।

कलेक्टर ने कहा कि डाक मतपत्र का उपयोग करने वाले कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए अधिकारियों को समुचित उपाय करने चाहिए। डाक मतपत्र केंद्र पर भी पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि वे शांतिपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

आसिफाबाद नगर पालिका में कुल 20 वार्डों के लिए 28 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मतदान तथा मतगणना दोनों प्रक्रियाएं पूरी शांति और व्यवस्था के साथ संपन्न होनी चाहिए।

इस निरीक्षण कार्यक्रम में नगर आयुक्त गजानन, तहसीलदार रियाज अली, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ये निर्देश और निरीक्षण चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, सुरक्षित तथा सुचारु रूप से संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहे हैं।

23वें वार्षिक भजन संध्या कार्यक्रम में

एक शाम सोनाणा खेतलाजी के नाम सम्पन्न

बेंगलुरु, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मागड़ी रोड में रविवार को आयोजित एक शाम सोनाणा खेतलाजी के नाम 23वाँ वार्षिक भजन संध्या कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में भव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने भाग लेकर धर्ममय वातावरण का अनुभव किया। श्री सोनाणा खेतलाजी भगत परिवार एवं परम भक्तराज भगत शिरोमणि रमेशकुमार लक्ष्मीचंद जी भंडारी (सियाणा) के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उपस्थिति में पूना से आए भोपाजी अमृतसिंह रावण राजपूत, सोनाणा खेतलाजी सारंगवास के पुजारी चंदनसिंह राजपुरोहित, तथा सुंधा माताजी की परम भक्त श्रीमती मनोरि देवी शामिल रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं गो-भक्त महेंद्रजी मुणोत (बेंगलुरु) थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री आशापुरा माताजी भंडारी जैन ट्रस्ट, बन्नारघट्टा (बेंगलुरु) उपस्थित रहे।

भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक रमेश माली और अनिता जांगिड़ ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियाँ दीं। श्रद्धालु भेरूजी आवणो पड़ेला बैंगलोर में जैसे भजनों पर झूम उठे और संपूर्ण वातावरण खेतलाजी महाराज की भक्ति से सराबोर हो गया।कार्यक्रम के अंत में भक्तों ने सामूहिक रूप से खेतलाजी महाराज के जयकारे लगाए और विधिवत मंगल आरती कर सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजन में कई गणमान्य भक्तजन, जैसे बाबूलाल श्रीश्रीमाल, संपतलाल भाटी और जयपाल सोनीगरा, उपस्थित रहे।

प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, और आयोजकों ने सभी श्रद्धालु भक्तों का आभार व्यक्त किया।

न्यू मंचेरियाल नगर निगम कई चुनौतियों से जूझ रहा है!

मंचेरियाल, 9 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय विधायक के. प्रेमसागर राव के दावों के विपरीत, नवगठित मंचेरियाल नगर निगम (एमएमसी) कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। शहर में बुनियादी सुविधाओं की कमी, कचरा प्रबंधन की समस्या और प्रमुख परियोजनाओं में देरी जैसे मुद्दे निवासियों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं।शहर से उत्पन्न कचरे को अभी भी अंडालम्मा कॉलोनी के बाहरी इलाके में डाला जा रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी असुविधा हो रही है। यहां कोई समर्पित शुष्क संसाधन संग्रह केंद्र (डीआरसीसी) सह डंप यार्ड मौजूद नहीं है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने एक आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा दायर मामले की सुनवाई के बाद 2024 में नगर निकाय के अधिकारियों को डीआरसीसी को किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था।

अधिकारियों के अनुसार, कस्बे में प्रतिदिन 45 मीट्रिक टन कचरा उत्पन्न होता है। कचरा डंपिंग यार्ड की कमी के कारण ठोस कचरे को डीआरसीसी (कृषि सफाई परिषद) के दो एकड़ भूमि पर डाला जा रहा था। हाजीपुर मंडल के पोचमपहाड़ गांव के बाहरी इलाके में चार एकड़ जमीन की पहचान की गई थी, लेकिन स्थानीय लोगों की आपत्ति के कारण अधिकारियों को अभी भी डीआरसीसी पर ही निर्भर रहना पड़ रहा है।

अंथारगांव और मंचेरियाल के बीच गोदावरी नदी पर प्रस्तावित उच्चस्तरीय पुल का स्थान बदलकर मुल्कल्ला कर दिया गया है। पुल की अनुमानित लागत 164 करोड़ रुपये से बढ़कर 450 करोड़ रुपये हो गई है। हालांकि, यह पुल अभी भी एक दूर का सपना बना हुआ है। पुल के बनकर तैयार होने के बाद मंचेरियाल और पेद्दापल्ली शहरों के बीच की दूरी 25 किलोमीटर कम हो जाएगी, लेकिन वर्तमान में निर्माण कार्य शुरू होने में देरी हो रही है। आईबी चौक से श्रीनिवासा गार्डन तक मुख्य सड़क के चौड़ीकरण का काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। इस कार्य के लिए 78 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। इस मार्ग पर लगातार यातायात जाम रहता है, जिससे वाहन चालकों को भारी असुविधा होती है।

शहर में तेजी से शहरीकरण हो रहा है और जनसंख्या में तेज वृद्धि देखी जा रही है। सड़कों का चौड़ीकरण तथा अन्य बुनियादी ढांचे का विकास समय की आवश्यकता है। इन चुनौतियों के समाधान के लिए नगर निगम को तत्काल प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है, ताकि निवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

मंचेरियाल नगर निगम के पहले चुनाव में महापौर पद पर कड़ी टक्कर

मंचेरियाल, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाल ही में गठित मंचेरियाल नगर निगम (एमएमसी) में महापौर पद के लिए प्रमुख राजनीतिक दल जोर-आजमाइश कर रहे हैं। उत्तरी तेलंगाना का यह प्रमुख औद्योगिक शहर पहली बार पूर्ण नगर निगम चुनाव का गवाह बन रहा है, जहां बीआरएस, कांग्रेस और भाजपा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है।पिछले फरवरी में मंचेरियाल नगर पालिका (1.81 लाख मतदाताओं वाली) को हाजीपुर मंडल के वेमपल्ली, पोचमपहाड़, मुलकल्ला, कोठापल्ली, गुडीपेट, नरसिंगपुर, नाम्नूर और चंदनपुर गांवों, नासपुर मंडल के नासपुर, तीगलपहाड़, सीतारमपल्ली, थल्लापल्ली और सिंगापुर गांवों तथा मंचेरियाल मंडल के गार्मिला गांव को मिलाकर नगर निगम का दर्जा दिया गया था। 15 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र वाली पुरानी नगर पालिका में 36 वार्ड थे, जबकि अब निगम में कुल 60 प्रभाग (वार्ड) हैं।2020 के नगरपालिका चुनाव में बीआरएस ने अध्यक्ष पद बरकरार रखा और अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। पार्टी ने 21 वार्डों में विजय प्राप्त की और अध्यक्ष व उपाध्यक्ष दोनों पद आसानी से हासिल कर लिए। इससे पहले 2014 के चुनाव में भी बीआरएस ने पहली बार अध्यक्ष पद जीता था, जब उसके 14 उम्मीदवार विजयी हुए और छह अन्य पार्षदों ने पार्टी का साथ दिया। लेकिन 2023 के तेलंगाना विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की सत्ता में आने के बाद पार्टी ने बीआरएस के कई पार्षदों को अपने पाले में करके नगरपालिका अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया।

अब बीआरएस और कांग्रेस नगर निगम के पहले महापौर पद के लिए जमकर प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। दोनों दल 60 वार्डों में अपने उम्मीदवारों की बड़ी संख्या में जीत सुनिश्चित करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे। वहीं, भाजपा आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए सक्रिय है और सत्ता में आने पर जी. मुकेश गौड़ को अपना महापौर उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। बीआरएस और कांग्रेस ने अभी तक रणनीतिक चुप्पी साध रखी है और औपचारिक घोषणा नहीं की है।

यह पहला नगर निगम चुनाव न केवल शहर के स्थानीय विकास के लिए निर्णायक होगा, बल्कि राज्य की राजनीति में भी महत्वपूर्ण संकेत देगा। सभी दल अंतिम दौर में घर-घर प्रचार, युवा और प्रभावशाली नेताओं को जोड़ने तथा वादों के जरिए मतदाताओं को लुभाने में जुटे हैं।

रेजिडेंशियल डिग्री कॉलेज में विस्तार व्याख्यान का आयोजन

आदिलाबाद/आसिफाबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना जनजाति कल्याण गुरुकुल स्नातक महाविद्यालय (पुरुष) बैथ, आदिलाबाद में सोमवार को हिंदी विभाग द्वारा विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, तेलंगाना शासकीय स्नातक महाविद्यालय आदिलाबाद के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य, राठौड़ श्रावण ने वे मुस्काते फूल नहीं कविता का पाठ किया। उन्होंने आईसीटी नेटवर्क आधारित तकनीकी उपकरणों का उपयोग करके इस कविता को प्रभावी ढंग से समझाया।

इस अवसर पर सरकारी रेजिडेंशियल डिग्री कॉलेज बोथ आदिलाबाद के प्रिंसिपल, डॉ. एम. शिवकृष्ण ने सहायक आचार्य राठौड़ श्रावण को शाल से सम्मानित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के हिंदी विभाग की प्राध्यापिका कुमारी लक्ष्मी प्रसन्न और छात्रगण भी उपस्थित रहे।

यह व्याख्यान कार्यक्रम छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणास्त्रोत साबित हुआ।

मदनूर मंडल में यूरिया ऐप की पहल

मदनूर, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के मंडल कृषि अधिकारी राजू ने किसानों और उर्वरक डीलरों को यूरिया ऐप के माध्यम से शिक्षित करने और बिक्री प्रक्रिया को सरल बनाने की पहल की है।

किसान अब प्ले स्टोर से 'फर्टिलाइजर बुकिंग ऐप' डाउनलोड कर सकते हैं। इसके बाद, उन्हें अपनी पट्टा पासबुक से जुड़े मोबाइल नंबर से लॉग इन करना होगा ताकि वे आसानी से यूरिया बुक कर सकें। यदि किसी किसान का मोबाइल नंबर लिंक नहीं है, तो वे संबंधित ग्राम के एईओ (कृषि कार्यकारी अधिकारी) से संपर्क कर इस नंबर को अपडेट करवा सकते हैं।

अगर कोई किसान बिना ऐप के यूरिया खरीदने के लिए खाद की दुकान पर आता है, तो संबंधित दुकान का डीलर मौके पर ही अपने मोबाइल से यूरिया बुक करके उसे किसान तक पहुंचा देगा।

किसानों से अनुरोध किया गया है कि वे यूरिया खरीदने से पहले एक स्लॉट बुक करें और उसके बाद ही खाद की दुकान जाएं, जिससे खरीदारी का अनुभव सरल और सुगम हो सके।

नकवी से मिले आईसीसी उपध्यक्ष ख्वाजा भारत-पाक मैच होने की उम्मीदें बनीं

कराची, 09 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्वकप मैच के बहिष्कार के फैसले को वापस ले सकता है। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी की लाहौर में रविवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा से मुलाकात के बाद ये विवाद सुलझने की संभावना बढ़ गयी है। इसके लिए एक बैठक यहां के गद्दाफी स्टेडियम में हुई है। पाक मूल के ख्वाजा आईसीसी में सिंगापुर का प्रतिनिधित्व करते हैं और पीसीबी पर उनकी अच्छी पकड़ है। बोर्ड में एसोसिएट सदस्य निदेशक के तौर पर उनके पास वोटिंग का अधिकार भी है। आईसीसी बोर्ड ने ख्वाजा को एक मध्यस्थ के रूप में रखा है। बोर्ड के अनुसार ख्वाजा पिछले कुछ समय से नकवी के संपर्क में हैं। वह इसके अलावा बांग्लादेश बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम से भी बात करेंगे। पीसीबी ने बीसीबी के समर्थन में भारत के खिलाफ मैच से बाहर रहने का फैसला किया है। इससे पहले बीसीबी के भारत में टीम भेजने से इंकार करने के बाद आईसीसी ने उसे विश्वकप से बाहर कर दिया था। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने हाल ही में कहा था कि भारत के खिलाफ नहीं खेलने का फैसला पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में लिया है। वहीं इससे बाद श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने पीसीबी को एक संदेश भेजकर बहिष्कार के फैसले को बदलने की अपील की थी। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता भी एसएलसी अध्यक्ष शम्मी सिल्वा से मिलने कोलंबो गए हैं, जिन्होंने नकवी को भारत के खिलाफ मैच खेलने के लिए एक संदेश भेजा था। आईसीसी ने पहले ही पाकिस्तान से मैच नहीं खेलने के कारणों को स्पष्ट करने को कहा है। वहीं अब माना जा रहा है कि भारत-पाक के बीच मैच हो सकता है। आईसीसी के एक निदेशक के अनुसार यह अहम मुकाबला होने की संभावना बढ़ गयी हैं। आईसीसी अभी बोर्ड के साथ मिलकर संभावित समाधान तलाशने में लगा है। जिससे की ये मुकाबला बच सके। इस मैच का आयोजन श्रीलंका में होना है और इसी को देखते हुए लंकाई बोर्ड ने सभी हितधारकों के लिए भारी वित्तीय नुकसान का हवाला देते हुए पीसीबी को अपने फैसले पर फिर से विवार करने को कहा है।

न्यूज ब्रीफ

गंभीर के घर पर भारतीय टीम के लिए हुई डिनर पार्टी , बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी शामिल हुए

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को मुख्य कोच गौतम गंभीर के घर रात्रि भोज पर पहुंची। गंभीर ने टीम को अपने घर पर आमंत्रित किया था। इसमें खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी शामिल हुए। गंभीर ने अपने परिवार के साथ भारतीय टीम का स्वागत किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने लजीज व्यंजनों का आनंद लिया। भारतीय टीम टी20 विश्वकप के 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ होने वाले मैच के लिए दिल्ली पहुंची थी। इससे पहले टीम ने मुम्बई में हुए पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत हासिल की थी। भारतीय टीम के गंभीर के घर पहुंचने का एक वीडियों भी आया है। इसमें गंभीर और उनकी पत्नी टीम का स्वागत करते हुए दिख रहे हैं। इससे लावा बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला भी गंभीर के घर पहुंचे। टीम का स्वागत करते हुए गंभीर और उनकी पत्नी नताशा व बच्चे बेहद खुश दिखे। इस पार्टी में कई प्रकार के व्यंजन और मीठे पकवान परोसे गए। इंडियन तंदूर के साथ ही चाइनीज और कांटिनेंटल इटालियन खाना भी परोसा गया। भारतीय खिलाड़ी बस से गौतम गंभीर के घर पहुंचे थे। सभी खिलाड़ी एकदम कैजुअल ड्रेस में दिखे। शुभमन गिल सफेद टीशर्ट और काला चश्मा पहने दिखे। केएल राहुल, प्रसिद्ध कृष्णा और अन्य भारतीय क्रिकेटरों समेत कोच रायन टेन डोइशे और मोर्ने मोर्केल भी इस डिनर पार्टी में मौजूद रहे। वहीं गंभीर इस दौरान भारतीय टीम की जर्सी पहने दिखे । भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप का की शुरुआत जीत से की है1 टीम इंडिया ने अपने पहले मैच में अमेरिका को हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

तिलक हालात के अनुसार खेलने वाले बल्लेबाज : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टी20 विश्वकप के पहले ही मैच में

तिलक वर्मा की बल्लेबाजी की सराहना की है। गावस्कर ने कहा कि तिलक एक समझदार क्रिकेटर हैं जो हालात के अनुसार खेलना जानते हैं। उन्हें पता है कि दबाव के बीच किस प्रकार से संयमित पारी खेली जाती है। गावस्कर को उम्मीद है कि 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मैच में भी वह इसी प्रकार खेलेंगे। गावस्कर ने दबाव में परिपक्वता दिखाने के लिए तिलक की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा, तिलक एक बहुत ही होशियार क्रिकेटर हैं। वह न सिर्फ अपनी बल्लेबाजी कौशल या अलग-अलग प्रकार के शाट्स के लिए जाने जाते हैं बल्कि इसलिए भी कि कब, कैसे खेलना है। वह दूसरे ओवर में कठिन हालातों में बल्लेबाजी करने आए, जब टीम के मुख्य आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आउट हो गए थे। उस समय, तिलक जानते थे कि उन्हें जवाबी हमला करने की जरूरत है पर बिना बड़ा जोखिम उठाए। गावस्कर ने कहा, वह बहुत ज्यादा आक्रामक नहीं हो रहे थे, बल्कि सोच-समझकर खेल रहे थे। उन्होंने मिड-आन के ऊपर से एक चिप शाट खेला क्योंकि उन्हें पता था कि फील्डर सर्कल के अंदर है। वह छक्का मारने की कोशिश नहीं कर रहे थे, सिर्फ चौका। तिलक उस तरह के खिलाड़ी हैं जो आपके साथ टिके रहेंगे। हमने यह एशिया कप फाइनल में भी देखा था, जहां उन्होंने समय लिया और फिर आखिर में जीत दिलायी।

अगले टी20 विश्वकप में नहीं खेल पायेंगे वैभव

मुम्बई । 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पिछले कुछ समय में अपने अच्छे प्रदर्शन से

सभी को प्रभावित किया है। आईपीएल से लेकर अंडर-19 क्रिकेट तक वह छाये रहे हैं। वैभव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह दबाव के बीच भी आसानी से बड़े शाट लगा देते हैं। अंडर-19 विश्व कप में भारतीय टीम की जीत में भी उनकी अहम भूमिका रही है पर इसके बाद भी इसके अगले संस्करण में वह खेल नहीं पायेंगे। इस कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई का एक नियम है। बीसीसीआई ने साल 2016 में राहुल द्रविड़ के कोच रहते एक नियम बनाया था जिसके अनुसार कोई भी खिलाड़ी एक ही बार अंडर-19 विश्कप खेल सकेगा। ये फैसला इसलिए किया गया था ताकि अधिक से अधिक उभरती हुई प्रतिभाओं को इसमें खेलने का अवसर मिल सके। इस फैसले का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अवसर देना था। वैभव ने इस बार अंडर-19 विश्वकप में कप में कई रिकार्ड बनाये हैं जो उनके नाम वह पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा फाइनल मुकाबले में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 175 रनों की पारी खेली थी जिससे भारतीय टीम की खिताब जीत आसान रही।

टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने ओमान को हराया

कोलंबो, 09 फरवरी (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे ने टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत जीत के साथ की है। कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब पर खेले गए टूर्नामेंट के 8वें मुकाबले में जिम्बाब्वे ने ओमान के खिलाफ जीत हासिल की। पहले बैटिंग करने उतरी ओमान के बल्लेबाजी नहीं चली और टीम की पारी सिर्फ 103 रनों पर सिमट गई। इसके जवाब में जिम्बाब्वे ने 14वें ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। ग्रुप बी के इस मैच में सिकंदर रजा की टीम को 39 गेंद रहते 8 विकेट से जीत मिली।

पेसर्स का सामना नहीं कर पाए ओमानी बैटर

पिच में अच्छी उछाल थी और जिम्बाब्वे के लंबे कद के तेज गेंदबाजों ने इसका पूरा फायदा उठाया। प्लेयर ऑफ द मैच ब्लेसिंग मुजरबानी ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लेते हुए ओमान के शीर्ष क्रम को झकझोरा। उन्हें रिचर्ड नगारवा 17 रन देकर तीन विकेट लिए और उनका अच्छा साथ दिया। दोनों ने एक-एक ओवर मेडन भी डाले। एक अन्य तेज गेंदबाज ब्रैंड इवांस ने 3.5 ओवर में 18 रन पर तीन विकेट लेते हुए जिम्बाब्वे के निचले क्रम को आउट किया।ओमान ने 27 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे और टीम पर काफी कम स्कोर पर आउट होने का खतरा मंडरा रहा था। यहां से विनायक शुक्ला (21 गेंद में 28 रन), सूफियान महमूद (39 गेंद में 25) और नदीम खान (18 गेंद में 20) की उपयोगी पारियों से टीम ने 100 के पार पहुंचा दिया। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाया।जिम्बाब्वे को रन चेज में नहीं हुई कोई परे-शानीलक्ष्य का

पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम के लिए दिवानाशे मारुमानी और ब्रायन बेनेट ने पहले विकेट के लिए 3.1 ओवरों में 30 रन जुटाए। मारुमानी 11 गेंदों में 5 चौकों के साथ 21 रन बनाकर आउट हुए। उनके बाद उतरे डायोन मायर्स का खाता भी नहीं खुला। दोनों विकेट सुफयान महमूद ने झटके। 30 रनों पर दो विकेट गिरने के बाद ब्रायन बेनेट ने ब्रेंडन टेलर के साथ 56 गेंदों में 68 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। टेलर 30 गेंदों में 3 चौकों के साथ 31 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए, जबकि बेनेट ने 36 गेंदों में 7 चौकों के साथ नाबाद 48 रन बनाकर टीम को आसान जीत दिलाई।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

साउथ अफ्रीका ने कनाडा को 57 रनों से हराया

अहमदाबाद, 09 फरवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने कनाडा को 57 रनों से हरा दिया है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर कनाडा की टीम 20 विकेट में 8 विकेट पर 156 रन ही बना सकी। नवनीत धलीवाल ने 49 गेंद पर 64 रनों की पारी खेली। हर्ष ठाकेर ने 33 रन बनाए। साउथ अफ्रीका के लिए एनगिडी ने 4 जबकि मार्को यानसेन ने दो विकेट लिए।

नवनीत धलिमाल और हर्ष ठाकेर ने विकेट गिरने के सिलसिले को रोक दिया है। 10 ओवर के बाद कनाडा की टीम का स्कोर 4 विकेट पर 75 रन है। नवनीत 28 जबकि हर्ष 17 रन बनाकर खेल रहे हैं। टीम के सामने 214 रनों का लक्ष्य है और यह हासिल करने अब काफी मुश्किल दिख रहा है।

कप्तान दिलप्रीत बावजा के बाद कनाडा की तीन और बल्लेबाज पावरप्ले में ही आउट हो गए। सलामी बल्लेबाज युवराज सामरा ने 12, निकोलस किर्टन ने 4 जबकि श्रेयस मोव्वा ने 9 रन बनाए। 6 ओवर के बाद टीम का स्कोर 50 रन पर 4 विकेट है। नवनीत धमिवाल 15 रन बनाकर खेल रहे हैं।कनाडा को पारी की पहली ही गेंद पर झटका लग गया है। कप्तान दिलप्रीत बाजवा गोल्डन डक हो गए। लुंगी एनगिडी को उनका विकेट मिला। ऑफ स्टंप की बाहर की गेंद को उन्हें छोड़ने की कोशिश की लेकिन वह बल्ले के किनारे में लग गया। टीम को जीत के लिए 214 रनों की जरूरत है।साउथ अफ्रीका ने टी20 विश्व कप 2026 के 9वें मुकाबले में कनाडा को जीत के लिए 208 रनों का लक्ष्य दिया है। कप्तान एडेन मार्करम ने सबसे बड़ी 59 रनों की पारी खेली। डेथ ओवर में डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स ने विस्फोटक बैटिंग की। मिलर ने 23 गेंद पर 39 जबकि स्टब्स ने 19 गेंद पर 34 रन बनाए। दोनों ने 37 गेंद पर 75 रनों की साझेदारी की।साउथ अफ्रीका के कप्तन एडेन मार्करम आउट हो गए हैं। छक्का मारने की कोशिश में वह लॉन्ग ऑन पर लपके गए। अंश पटेल की बॉल पर डिलन हेलिगर ने उनका कैच लिया। 32 गेंद पर 10 चौके और एक छक्का लगाकर मार्करम ने 59 रन बनाए। 12 ओवर के बाद साउथ अफ्रीका का स्कोर दो विकेट पर 132 रन है।साउथ अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने अपना अर्धशतक पूरा कर लिया है।

इटली में बायएथलान मिक्सड रिले

इटली में बायएथलान मिक्सड रिले में रजत पदक जीतने के बाद उत्साहित होती हुई इटली की टोमाको गियाकोमिल।

प्रीमियर लीग : मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल पर 2-1 से दर्ज की रोमांचक जीत

लंदन, 09 फरवरी (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर सिटी ने प्रीमियर लीग खिताब की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखते हुए एनफील्ड में खेले गए मुकाबले में लिवरपूल को 2-1 से हरा दिया। मुकाबले के आखिरी पलों में किए गए शानदार प्रदर्शन की बदौलत सिटी ने नाटकीय वापसी करते हुए अहम जीत दर्ज की।

मैच से पहले मैनचेस्टर सिटी अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल से नौ अंक पीछे थी। आर्सेनल ने शनिवार को सुंदरलैंड को 3-0 से हराया था, जिससे सिटी पर दबाव और बढ़ गया था। इस बीच मुकाबले में 75वें मिनट में डोमिनिक स्ज़ोबोस्लाई ने शानदार फ्री-किक गोल दागकर लिवरपूल को बढ़त दिला दी और ऐसा लगा कि सिटी की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

हालांकि, मैनचेस्टर सिटी ने हार नहीं मानी। 84वें मिनट में बर्नार्डो सिल्वा ने एरलिंग हालैंड के हेडर के बाद मिले मौके को भुनाते हुए बराबरी का गोल किया। इसके बाद हालैंड ने पेनल्टी पर गोल कर सिटी को 2-1 की बढ़त दिला दी। यह पेनल्टी तब मिली जब मथियस नून्स को लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन ने गिरा दिया। मैच का अंत बेहद अव्यवस्थित रहा। जब हालैंड गोल की ओर बढ़ रहे थे, तभी स्ज़ोबोस्लाई ने उन्हें पीछे से खींच लिया। हालैंड की प्रतिक्रिया के बाद गेंद गोल में चली गई, लेकिन समीक्षा के बाद रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया, मैनचेस्टर सिटी को फ्री-किक दी और स्ज़ोबोस्लाई को रेड कार्ड दिखाया।

मैच के बाद सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने कहा, यह प्रीमियर लीग के लिए शानदार मुकाबला था। पहला हाफ बहुत अच्छा रहा, लेकिन दूसरे हाफ में थोड़ा थकान दिखी। स्ज़ोबोस्लाई का गोल शानदार था, लेकिन इसके बाद हमारी टीम ने कप्तान बर्नार्डो के नेतृत्व में शानदार वापसी की।

अन्य मुकाबले में, इस्माइला सार के 61वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत क्रिस्टल पैलेस ने ब्राइटन को 1-0 से हराकर 13 मैचों से चली आ रही जीत की तलाश खत्म की। इस जीत के साथ क्रिस्टल पैलेस रेलिगेशन जोन से नौ अंक ऊपर पहुंच गया।

मेदिनीपुर में अंतर्विश्वविद्यालय महिला फुटबाल प्रतियोगिता का आगाज, 27 टीमों के बीच मुकाबला

मेदिनीपुर, 09 फरवरी (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर शहर में महिला फुटबाल का भव्य आयोजन शुरू हो गया है। विद्यासागर विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित ईस्ट जोन इंटर-यूनिवर्सिटी फुटबाल टूर्नामेंट (महिला) का औपचारिक उद्घाटन रविवार शाम शहीद खुदीराम क्रीड़ांगन में किया गया।

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता सोमवार नौ से 13 फरवरी तक चलेगी, जिसमें पूर्वी भारत के कुल 27 विश्वविद्यालयों की महिला फुटबाल टीमें भाग ले रही हैं। टूर्नामेंट के मुकाबले शहीद खुदीराम क्रीड़ांगन एवं श्री अरविंद स्टेडियम में खेले जाएंगे। आयोजन में एसोसिएशन आफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) का भी सहयोग प्राप्त है।

उद्घाटन अवसर पर विद्यासागर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दीपक कुमार कर ने इसे विश्वविद्यालय और मेदिनीपुर क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि, महिला फुटबाल के इस महाकुंभ से खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलेगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में भी विद्यासागर विश्वविद्यालय द्वारा अखिल भारतीय महिला फुटबाल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया था।

इस प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल से विद्यासागर विश्वविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, बर्धमान विश्वविद्यालय और विश्व भारती सहित अन्य राज्यों से बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), मणिपुर विश्वविद्यालय, नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी तथा कलिंगा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज जैसी प्रतिष्ठित टीमें भाग ले रही हैं। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. जयंत किशोर नंदी ने बताया कि बाहर से आने वाली टीमों के आवास, भोजन और अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि खिलाड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित आईएफए अध्यक्ष अजीत बनर्जी ने विद्यासागर विश्वविद्यालय के खेल बुनियादी ढांचे की सराहना की उन्होंने कहा कि, वर्तमान रैंकिंग के कारण पुरुष फुटबाल टीम के लिए विश्व कप की राह कठिन है, लेकिन महिला फुटबाल में अपार संभावनाएं हैं। भारतीय महिला टीम किसी भी समय विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकती है। उन्होंने मुख्यमंत्री की कन्याश्री योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना से बंगाल में महिला फुटबाल को नई मजबूती मिली है।

जल्द लॉन्च होगा ट्रंप मोबाइल टी–1 अमेरिका में नहीं विदेश में होगा प्रोडक्शन

नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका में सिर्फ इसके कुछ चुनिंदा पार्ट्स की फाइनल असेंबली की जाएगी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कंपनी ट्रंप मोबाइल का टी1 स्मार्टफोन जल्द लॉन्च हो सकता है, लेकिन यह अमेरिका में नहीं बनेगा। पहले दावा किया जा रहा था कि टी1 स्मार्टफोन मेड इन अमेरिका होगा, लेकिन अब कंपनी के अधिकारियों ने खुद इसकी पुष्टि कर दी है कि फोन का निर्माण अमेरिका में नहीं किया जाएगा। ट्रंप मोबाइल के सीनियर एग्जीक्यूटिव्स डॉन हेंड्रिकसन और एरिक थॉमस ने एक इंटरव्यू में बताया कि टी1 फोन का ज्यादातर प्रोडक्शन विदेश में होगा। अमेरिका में सिर्फ इसके कुछ चुनिंदा पार्ट्स की फाइनल असेंबली की जाएगी, जो फ्लोरिडा के मियामी में होगी। कंपनी के मुताबिक यह फोन अमेरिका के फेडरल ट्रेड कमीशन के उन नियमों पर खरा नहीं उतरता, जिनके तहत किसी प्रोडक्ट को मेड इन अमेरिका कहा जा सके।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने यह भी बताया कि टी1 स्मार्टफोन मार्च के आखिर तक बाजार में आ सकता है। पहले इसे अगस्त या सितंबर में लॉन्च करने की योजना थी, लेकिन डिजाइन और स्पेसिफिकेशन में बदलाव के चलते इसमें देरी हुई। नए वर्जन में अब 6.8 इंच का बड़ा डिस्प्ले दिया जाएगा, जो पहले तय 6.25 इंच स्क्रीन से काफी बड़ा है।

टी1 फोन स्टोरेज के मामले में अपग्रेड किया गया है और इसमें 512जीबी की इनबिल्ट स्टोरेज दी जाएगी। इसके साथ ही 1टीबी तक के माइक्रोएसडी कार्ड का सपोर्ट भी मिलेगा। डिजाइन में भी बदलाव किया गया है। फोन के पीछे कैमरा मॉड्यूल अब स्क्वायर की जगह ओवल शेप में होगा। इसके अलावा, फोन के बैक पैनल पर बड़े अक्षरों में टी1 लिखा होगा, साथ ही अमेरिकी झंडे का निशान और ट्रंप मोबाइल का लोगो भी दिया जाएगा।

कीमत को लेकर भी अपडेट सामने आया है, जिन ग्राहकों ने पहले 100 डॉलर देकर प्री–बुकिंग की है, उन्हें फोन 499 डॉलर में मिलेगा। वहीं, नए ग्राहकों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है, हालांकि कंपनी ने साफ किया है कि इसकी कीमत 1,000 डॉलर से कम ही रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी की लॉन्चिंग होगी जल्द

नई दिल्ली। भारत में टेक्नो कंपनी ने अपने नए स्टाइलिश हैंडसेट टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी की लॉन्चिंग जल्द होने वाली है। कंपनी ने एक्स पर घोषणा करते हुए बताया कि नया पोवा कर्व 2 भारत में 13 फरवरी दोपहर 12 बजे पेश किया जाएगा। यह मॉडल पिछले साल मई 2025 में लॉन्च हुए पोवा कर्व 2 5जी का अपग्रेडेड वर्जन है। लॉन्च के बाद यह फोन अमेजन पर खरीदने के लिए उपलब्ध होगा। डिज़ाइन को लेकर टेक्नो पहले ही टीज़र जारी कर चुका है। इसमें एक प्रीमियम घुमावदार रियर पैनल दिखाई देता है, जो किनारों की ओर स्लिम होता जाता है। बैक पैनल पर मैट फिनिश दी गई है और संपूर्ण लुक इसे बजट से ज्यादा मिड–रेंज स्मार्टफोन जैसा बनाता है। कंपनी ने पुष्टि की है कि टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी तीन आकर्षक रंगों काला, सिल्वर और बैंगनी में उपलब्ध होगा। फोन का डिजाइन पिछले मॉडल की तुलना में कहीं अधिक स्लीक और प्रीमियम नजर आ रहा है। स्पेसिफिकेशन्स का आधिकारिक खुलासा अभी बाकी है, लेकिन रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी में मीडियाटेक एमटी 6858 एसओसी, अधिकतम 12जीबी रैम और एंड्राएड 16 ओएस दिया जा सकता है। डिस्प्ले के लिए फोन में 1080गुणा2364 पिक्सल का स्क्रीन रिज़ॉल्यूशन मिलने की उम्मीद है। बैटरी क्षमता भी इस बार काफी बड़ी हो सकती है, क्योंकि अफवाहों में 7750एमएएच लिथियम–आयन पॉलिमर बैटरी का जिक्र सामने आया है।

मर्सडीज बेंझ की नई वी-क्लास एमपीवी 3 मार्च को होगी लांच

नई दिल्ली। भारत में लग्जरी कार निर्माता कंपनी मर्सडीज बेंझ अपनी नई जनरेशन वी–क्लास लग्जरी एमपीवी को 3 मार्च को लॉन्च करने जा रही है। कंपनी ने फिलहाल इसे एक्सक्लूसिव और एएमजी लाइन ट्रिम में पेश करने की तैयारी की है। यह इसका सेकेंड–जेनरेशन मॉडल होगा, जिसे पहले से ज्यादा लग्जरी, आधुनिक फीचर्स और प्रीमियम डिजाइन के साथ तैयार किया गया है। नई वी–क्लास का एक्सटीरियर पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक है। इसमें लेटेस्ट मर्सिडीज ग्रिल, स्लाइडिंग सेकेंड–रो डोर, डायमंड–कट अलॉय वील और बड़े साइज का रियर ग्लास मिलता है। पीछे वर्टिकल टेल लैंप दिए गए हैं, जो इसे एक मॉडर्न और स्टाइलिश अपील देते हैं। इंटीरियर में ड्यूल डिजिटल डिस्प्ले, तीन–स्पोक स्टीयरिंग वील और फ्लोटिंग सेंटर कंसोल जैसी प्रीमियम सुविधाएं शामिल हैं। सीटिंग लेआउट काफी लग्जरी है और इसमें हाई–एंड कम्फर्ट फीचर्स की उम्मीद की जा रही है। भारत में नई वी–क्लास केवल वी220स्र इंजन ऑप्शन में आ सकती है। इसमें 2.0–लीटर 4–सिलिंडर डीजल इंजन मिलेगा, जो 158बीएचपी पावर और 380 एनएम टॉर्क जनरेट करेगा। इंजन के साथ 9–स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दिया जाएगा। लग्जरी एमपीवी सेगमेंट में बढ़ती मांग को देखते हुए मर्सिडीज की यह पेशकश खासतौर पर बॉलीवुड और पॉलिटिक्स से जुड़े हाई–प्रोफाइल यूजर्स को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसकी कीमत भारत में 1 से 1.5 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है। इसका व्हीलबेस 3200एमएम है, जबकि एक्सट्रा–लॉन्ग वर्जन 3430एमएम व्हीलबेस के साथ आता है।

सीबीडीटी ने मसौदा आयकर नियम और फॉर्म सार्वजनिक किए, घट जाएंगे फॉर्म और नियम, टैक्सपेयर्स को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर अधिनियम, 2025 के लागू होने से पहले मसौदा नियम और फॉर्म सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए हैं। यह अधिनियम 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा। सरकार के अनुसार हितधारक 22 फरवरी तक ई–फाइलिंग पोर्टल पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। मसौदा नियमों में अनुपालन का बोझ काफी कम किया गया है। नियमों की संख्या 511 से घटाकर 333, जबकि फॉर्मों की संख्या 399 से घटाकर 190 की गई है। इसका उद्देश्य करदाताओं के लिए प्रक्रिया को सरल और सहज बनाना है। कर विशेषज्ञों के अनुसार सबसे महत्त्वपूर्ण बदलाव ट्रांसफर प्राइसिंग के खुलासे से जुड़ा है। इसके तहत फॉर्म 48 पेश किया गया है, जो पुराने फॉर्म 3सीईबी की जगह लेगा। यह फॉर्म अंतरराष्ट्रीय और कुछ विशेष घरेलू लेनदेन के खुलासे को आसान बनाएगा। पेशेवरों का कहना है कि विस्तृत खुलासों के कारण अनुपालन का बोझ बढ़ सकता है।

भारत–अमेरिका ऊर्जा व्यापार, दोस्ती के बावजूद त्वरित लाभ की राह कठिन

अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेज़ वृद्धि करना भारत के लिए आसान नहीं होगा

नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ताओं में बढ़ती नज़दीकी को लेकर सरकार उत्साह जता रही है, लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में इससे तत्काल और ठोस लाभ मिलने की संभावना सीमित दिखती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिस्थितियों में अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेज़ वृद्धि करना भारत के लिए आसान नहीं होगा। वर्तमान में भारत अमेरिका से कच्चा तेल, एलएनजी, एलपीजी और कोकिंग कोल सहित सालाना 12 अरब डॉलर से अधिक का आयात करता है। हालांकि, माल ढुलाई की ऊंची लागत, कच्चे तेल की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय कीमतें और लंबी समुद्री यात्रा इस व्यापार को महंगा बनाती हैं। अमेरिका से तेल आने में 32 से 40 दिन लगते हैं, जबकि पहले यह अवधि 25 से 30 दिन की थी। नॉर्वे स्थित ऊर्जा अनुसंधान फर्म रायस्टैड एनर्जी के अनुसार रूस द्वारा दिए जा रहे भारी डिस्काउंट के मुकाबले अमेरिकी कच्चा तेल भारत को प्रति बैरल 12–15 डॉलर तक महंगा पड़ सकता है। इसके अलावा रूसी यूराल और अमेरिकी वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चे तेल की गुणवत्ता में बड़ा अंतर है। यूराल अधिक भारी और सल्फर युक्त है, जबकि डब्ल्यूटीआई हल्का है, जिससे दोनों को सीधे विकल्प के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस की जगह अमेरिकी कच्चा तेल लेने से भारत की रिफाइनरियों की लगभग 25 प्रतिशत क्षमता प्रभावित हो सकती है, क्योंकि उनकी संरचना भारी कच्चे तेल के अनुरूप है। भू–राजनीतिक जटिलताएं भी इस बदलाव को और कठिन बनाती हैं। भारत ने अगले पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की मंशा जताई है, लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने को लेकर कोई स्पष्ट खाका अभी सामने नहीं आया है। ऐसे में अमेरिका से ऊर्जा आयात बढ़ाने की राह फिलहाल चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

मारुति डिजायर और हुंडई ऑरा की बिक्री में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली। नए साल 2026 की शुरुआत मारुति डिजायर और हुंडई ऑरा दोनों मॉडलों के लिए खासतौर पर शानदार रही। बीते महीने जनवरी में डिजायर की 19,629 यूनिट और ऑरा की 7,978 यूनिट की बिक्री हुई, जो पिछले साल जनवरी 2025 की तुलना में बड़ी बढ़ोतरी है। जनवरी 2025 में डिजायर की 15,383 यूनिट और ऑरा की 5,388 यूनिट बिकी थीं। पिछले महीनों में भी डिजायर और ऑरा ने शानदार प्रदर्शन किया। जुलाई 2025 में डिजायर की 20,895 यूनिट और ऑरा की 4,636 यूनिट बिकीं। अगस्त 2025 में डिजायर ने 16,509 यूनिट और ऑरा ने 5,336 यूनिट की बिक्री दर्ज की। सितंबर 2025 में डिजायर की 20,038 यूनिट, जबकि ऑरा की 5,387 यूनिट बिकीं। अक्टूबर 2025 में यह आंकड़े क्रमशः 20,791 और 5,815 रहे। नवंबर 2025 में डिजायर की 21,082 यूनिट और ऑरा की 5,731 यूनिट बिकीं, जबकि दिसंबर 2025 में डिजायर 19,072 और ऑरा 4,925 यूनिट पर दर्ज हुई। मारुति डिजायर अपने अपडेटेड डिजाइन, एलईडी हेडलाइट्स, स्टाइलिश ग्रिल, वाय–आकार की एलईडी टेललाइट्स और बूट स्पॉइलर की वजह से काफी लोकप्रिय है। इंटीरियर में बेज–ब्लैक थीम, 9–इंच टचस्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो/एप्पल कारप्ले, क्रूज कंट्रोल, सनरूफ और 360–डिग्री कैमरा जैसे फीचर शामिल हैं। इसमें स्विफ्ट वाला 1.2–लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 80 बीएचपी पावर और 112 एनएम टॉर्क देता है। सीएनजी वर्जन का माइलेज 33.73 किमी/किग्रा है। कीमत 6.25 लाख रुपये (एक्स–शोरूम) से शुरू होती है। हुंडई ऑरा में 1.2–लीटर कप्पा पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 83 पीएस पॉवर और 113.8 एनएम टॉर्क देता है। इसका सीएनजी वर्जन 28 किमी/किग्रा माइलेज देता है। इसमें 8–इंच टचस्क्रीन, क्रूज कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, एलईडी डीआरएलएस और 30 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। ऑरा की शुरुआती कीमत 5.98 लाख रुपये है और कंपनी 3 साल/1 लाख किलोमीटर की वारंटी देती है।

करीब 40 प्रतिशत से एंड्राएड स्मार्टफोन गंभीर साइबर जोखिम में

नई दिल्ली, 09 फरवरी (एजेंसियां)।

दुनिया भर के करीब 40 प्रतिशत से अधिक एंड्राएड स्मार्टफोन अब गंभीर साइबर जोखिम में हैं। गूगल ने एंड्राएड उपयोगकर्ताओं के लिए यह महत्वपूर्ण चेतावनी जारी की है। कंपनी के अनुसार, एंड्राएड 12 या उससे पुराने वर्जन पर चलने वाली डिवाइसों को सुरक्षा अपडेट मिलना बंद हो गया है, जिससे ये फोन मालवेयर और स्पायवेयर जैसे खतरनाक हमलों के प्रति बेहद संवेदनशील हो गए हैं।

एंड्राएड दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम है, और करोड़ों लोग अपने फोन में निजी विवरण, बैंकिंग जानकारी और महत्वपूर्ण डाटा स्टोर करके रखते हैं। ऐसे में सुरक्षा अपडेट बंद होना बड़ी चिंता का विषय है। गूगल द्वारा जारी नए एंड्राएड डिस्ट्रीब्यूशन चार्ट के मुताबिक, अभी केवल 58प्रतिशत फोन ही अपडेटेड वर्जन पर चल रहे हैं। एंड्राएड 16 सिर्फ 7.5 प्रतिशत डिवाइसों में मौजूद है, जबकि एंड्राएड 15 और एंड्राएड 14 कुछ चुनिंदा फोन पर ही उपलब्ध हैं। एंड्राएड 13 लगभग 13.9 प्रतिशत डिवाइसों में है और यह वर्जन अभी भी सुरक्षा पैच प्राप्त कर रहा है। समस्या यह है कि एंड्राएड12 और इससे पुराने वर्जन पर चलने वाली बड़ी संख्या में डिवाइस गूगल की सुरक्षा सूची से बाहर हो चुकी हैं। इन डिवाइसों में सुरक्षा कमज़ोर होने के कारण हैकर्स बिना किसी रुकावट के सिस्टम में घुस सकते हैं और निजी डेटा चुरा सकते हैं।

गूगल ने सलाह दी है कि यदि किसी उपयोगकर्ता का फोन एंड्राएड 13 या उससे ऊपर वाले वर्जन पर अपडेट नहीं हो रहा है, तो उन्हें फोन बदलने पर विचार करना चाहिए। पुराने फोन पर सुरक्षा पैच न मिलना भविष्य में बड़ा खतरा बन सकता है। साथ ही उपयोगकर्ताओं को नियमित अपडेट चेक करने, संदिग्ध ऐप डाउनलोड न करने और संवेदनशील कार्यों के लिए सुरक्षित तथा अपडेटेड फोन का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जाते–जाते...

सड़क चौड़ीकरण के लिए संपत्तियों का होगा अधिग्रहण

समिति द्वारा स्वीकृत सड़क कार्यों में बड़े पैमाने पर संपत्तियों के अधिग्रहण को मंजूरी दी गई है। इसके तहत आनंदनगर–मनसूराबाद मार्ग के लिए 195 संपत्तियों, प्रियदर्शिनी पार्क (सरूरनगर)–कोणार्क डायग्नोस्टिक्स मार्ग के लिए 256 संपत्तियों और कामिनेनी जंक्शन–मनसूराबाद–एनएच 65 कॉरिडोर के लिए 75 संपत्तियों का अधिग्रहण किया जाएगा। इसके अलावा, उप्पल से नारापल्ली तक के एलिवेटेड कॉरिडोर का नाम वर्ष 2009 में उप्पल विधायक रहे दिवंगत कांग्रेस नेता श्री भंडारी राजी रेड्डी के नाम पर श्री भंडारी राजी रेड्डी कॉरिडोर रखने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

खेल सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान

बैठक में खेल से जुड़े पांच प्रमुख प्रस्तावों को पारित किया गया। चंदा नगर स्थित पीजेआर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक बॉक्सिंग कोर्ट का निर्माण किया जाएगा।

साथ ही, केपीएचबी फेज 9 में इनडोर शटल कोर्ट, नेक्सस मॉल के पास फ्लाईओवर के नीचे स्पोर्ट्स एरिना, केपीएचबी फेज 5 में क्रिकेट अभ्यास पिचों और बालानगर फ्लाईओवर के नीचे खाली जगह को स्पोर्ट्स एरिना के रूप में विकसित व संचालित करने के लिए रखरखाव एजेंसियों को जिम्मेदारी देने का निर्णय लिया गया है।

पांच साल का कार्यकाल पूरा, बुनियादी ढांचे में सुधार का दावा

जीएचएमसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि निवर्तमान परिषद के पांच साल के कार्यकाल के दौरान शहरी बुनियादी ढांचे के विकास, बाढ़ शमन योजनाओं और जैव विविधता बढ़ाने वाली कई परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। मंगलवार को कार्यकाल समाप्त होने के बाद, अब शहर के प्रशासन में नए बदलावों की उम्मीद है।

थूककर...

भी वह इस तरह के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता।

इसी आधार पर भारत–पाकिस्तान–बांग्लादेश के बीच प्रस्तावित त्रिकोणीय सीरीज को भी खारिज कर दिया गया।

भारत से बांग्लादेश दौरे की मांग भी नामंजूर

बैठक में यह मुद्दा भी उठाया गया कि भारत को इस साल बांग्लादेश का दौरा करना चाहिए।

इस पर भी आईसीसी ने साफ कर दिया कि किसी देश को किसी अन्य देश के दौरे के लिए बाध्य करना उसके अधिकार में नहीं है। यह निर्णय पूरी तरह संबंधित क्रिकेट बोर्ड और सरकारों पर निर्भर करता है।

लाहौर में हुई लंबी बैठक के बाद भी पाकिस्तान ने 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच पर तत्काल फैसला नहीं लिया।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नक़वी ने कहा कि वह इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ से सलाह करना चाहते हैं। इसके बाद आईसीसी ने पाकिस्तान को एक दिन का अंतिम समय दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, भारत–पाकिस्तान मैच को लेकर अंतिम निर्णय किसी भी वक्त लिया जा सकता है। आईसीसी की ओर से आधिकारिक घोषणा बुधवार सुबह तक आने की संभावना है।

भारत–पाक मैच से जुड़ा है आईसीसी का सबसे बड़ा रेवेन्यू

आईसीसी की सबसे बड़ी चिंता भारत–पाकिस्तान मुकाबले से मिलने वाला रेवेन्यू है। यह मैच विश्व क्रिकेट का सबसे अधिक कमाई करने वाला मुकाबला माना जाता है।

अगर यह मैच नहीं होता है, तो इसका असर सिर्फ आईसीसी पर ही नहीं, बल्कि सभी सदस्य क्रिकेट बोर्डों की सालाना आय पर भी पड़ेगा।

इसी वजह से आईसीसी हर हाल में टूर्नामेंट की स्थिरता और वित्तीय संतुलन बनाए रखना चाहता है।

पॉइंट–ब्लैंक...

हालांकि यह वीडियो एक दिन बाद हटा लिया गया था, लेकिन यह अभी भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। ओवैसी ने कहा कि वीडियो में जिस तरह की इमेजरी और पॉइंट–ब्लैंक शॉट व नो मर्सी (कोई दया नहीं) जैसे वाक्यांशों का उपयोग किया गया है, वे सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के इरादे को दर्शाते हैं। उन्होंने माँग की है कि कानून के अनुसार असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

हम तुहार...

बताया जा रहा है कि आकाश भाटी न तो किसी राजनीतिक पद पर हैं और न ही कोई चर्चित सार्वजनिक चेहरा हैं। कुछ रिपोर्ट्स में उन्हें आकाश गुर्जर भी कहा गया है, हालांकि इसकी अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पुराने सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है पूरा विवाद

यह विवाद पहली बार तब सामने आया था, जब पिछले साल तेज प्रताप यादव के फेसबुक अकाउंट से एक पोस्ट वायरल हुई थी, जिसमें लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते का जिक्र था।

बाद में तेज प्रताप यादव ने सफाई दी थी कि उनका सोशल मीडिया अकाउंट हैक कर लिया गया था और पोस्ट उन्होंने नहीं डाली थी।

फिलहाल वह आरजेडी से अलग होकर अपनी पार्टी चला रहे हैं और अब इस पूरे मामले में पहली बार सार्वजनिक रूप से आकाश भाटी का नाम लिया है।

अनुष्का यादव के मां बनने की चर्चाएं उस समय और तेज हो गईं, जब 8 फरवरी को केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के सोशल मीडिया अकाउंट पर एक बधाई संदेश पोस्ट किया गया, जिसे बाद में हटा लिया गया।

तेज प्रताप यादव ने इस पोस्ट को भी पूरी तरह आधारहीन बताया है।

फिलहाल पूरा मामला आरोप–प्रत्यारोप और सोशल मीडिया बहसों के बीच उलझा हुआ है और किसी आधिकारिक जाँच या पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

नरवणे की...

पीडीएफ कॉपी कुछ वेबसाइट्स पर उपलब्ध है, जिसे कथित तौर पर पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया बताया जा रहा है।

इसके अलावा, कुछ ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर किताब का फाइनल कवर भी इस तरह प्रदर्शित किया गया है, मानो वह बिक्री के लिए उपलब्ध हो, जबकि आधिकारिक रूप से इसका प्रकाशन अब तक स्वीकृत नहीं हुआ है।

स्पेशल सेल में केस दर्ज, लीक के स्रोत की तलाश

दिल्ली पुलिस ने कहा है कि अभी तक स्वीकृत न हुई इस पुस्तक से जुड़े संभावित लीक और नियमों के उल्लंघन की जाँच के लिए स्पेशल सेल में मामला दर्ज किया गया है।

जाँच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि जनरल नरवणे की इस अप्रकाशित किताब से जुड़ी सामग्री कैसे, कब और किन माध्यमों से सार्वजनिक हुई।

राजनीतिक रंग भी लेने लगा मामला

यह मामला अब राजनीतिक रूप भी ले चुका है। पिछले सप्ताह कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संसद परिसर में इस किताब की कथित प्रति दिखाते हुए देखा गया था, जिसके बाद विवाद और तेज हो गया।

इस मुद्दे पर हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही बाधित हुई और बजट सत्र के शेष हिस्से के लिए आठ सांसदों को निलंबित कर दिया गया।

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री पर हमला

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा का जवाब देने नहीं आए, क्योंकि वह पूर्व थल सेना प्रमुख एम.एम. नरवणे की किताब से जुड़े मुद्दे से डर रहे थे।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस विषय पर उठ रहे सवालों से बचने के लिए प्रधानमंत्री ने सदन में मौजूद रहना उचित नहीं समझा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 10 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मिधानि में कंप्यूटर पर हिंदी टंकण कार्यशाला सम्पन्न

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत के रक्षा उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में उद्यम के उत्कृष्टता केन्द्र में सहायक श्रेणी के कर्मचारियों के लिए हिंदी शब्द संसाधन (हिंदी टंकण) के एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. विकास कुमार आज़ाद, अनुवादक (हिंदी अनुभाग) के उद्घाटन सत्र में हिंदी टंकण की मौलिक जानकारी देते हुए केंद्रीय सरकार की प्रोत्साहन योजना से कर्मचारियों को अवगत किया। नामित कर्मचारियों को टंकण के महत्व को समझाते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि हिंदी भारत की

राजभाषा है। इसमें काम करना हम सभी का दायित्व है। उस दायित्व के सुचारू निर्वहन के लिए हिंदी भाषा, टंकण व आशुलिपिक का प्रशिक्षण दिया जाता है। राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी को लोकतांत्रिक रूप से लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। इसे कभी किसी पर थोपा नहीं गया है। राजभाषा विभाग ने सदैव प्रेरणा और प्रोत्साहन से ही हिंदी का प्रचार-प्रसार किया है। हिंदी टंकण प्रशिक्षण की कक्षा में यह भी बताया गया कि लिप्यंतरण के माध्यम से हिंदी टंकण किया जा सकता है, जिससे कि राजभाषा का सुचारु ढंग से कार्यान्वयन किया जा सकता है और कर्मचारियों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होती है।

प्रतिभागियों ने उच्चारण पर आधारित लिप्यंतरण पद्धति से कंप्यूटर पर हिंदी टंकण का अभ्यास किया और प्रतिपुष्टि की कि इस तरह की कार्यशालाएँ हिंदी में काम करने के व्यावहारिक पक्ष को सिखाने के लिए कारगर साबित होती हैं। प्रतिभागियों ने शपथ ली कि कार्यालय का कामकाज हिंदी में करेंगे और अपने साथियों को प्रोत्साहित करेंगे। हिंदी टंकण प्रशिक्षण में हिंदी विभाग की गैर-कार्यपालक (एनयूएस) श्रीमती डी.वी. रत्नाकुमारी, डाक अनुभाग के कर्मी जयपाल का सक्रिय सहयोग रहा।

मेडचल स्थित श्री उमिया माता मंदिर मे आगामी 15 फरवरी को रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आयोजित जन्म शताब्दी महोत्सव मे भाग लेने हेतु केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, पूर्व सांसद जितेन्द्र रेड्डी, शशिकांत अग्रवाल, शिखिर केडीया, महेन्द्र अग्रवाल, किन्नरी सावला, वैशाली शाह, कस्तुर देवचंद देढिया, दिपा पंकज देढिया आदि गणमान्यो को निमंत्रीत करते हुए जसमत पटेल, शिवलाल पटेल, रिद्धीश जागीरदार एवं अन्य ।

गुजराती संस्कृति और साहित्य के संरक्षण में योगदान के लिए

वैशाली शाह व किन्नरी सावला का भव्य अभिनंदन

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुजराती संस्कृति, भाषा एवं साहित्य के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में निरंतर एवं समर्पित रूप से किए जा रहे सराहनीय कार्यों के लिए हैदराबाद गुजराती मूवी क्लब की सक्रिय एवं प्रेरणादायी सदस्याएं श्रीमती वैशाली शाह एवं श्रीमती किन्नरी सावला का गुजराती साहित्य समिति की ओर से भव्य रूप से अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने गुजराती भाषा और संस्कृति को नई पीढ़ी से जोड़ने के लिए वैशाली शाह एवं किन्नरी सावला द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक प्रयास भाषा और परंपरा को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सम्मान समारोह में केन्द्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, श्री जसमत पटेल एवं श्री रिद्धिश जागीरदार की गरिमामयी उपस्थिति रही। इन सभी अतिथियों के कर-कमलों द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया।

समारोह के दौरान श्री जसमत पटेल एवं श्री रिद्धिश जागीरदार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वैशाली शाह एवं किन्नरी सावला जैसे समर्पित व्यक्तित्व समाज में सांस्कृतिक चेतना को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उनका कार्य न केवल गुजराती समाज के लिए, बल्कि समग्र सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

श्री जसमत पटेल ने कहा कि गुजराती साहित्य समिति भविष्य में भी इस प्रकार के रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रयासों को निरंतर प्रोत्साहन देने के लिए संकल्पित है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे आयोजनों से समाज में सांस्कृतिक जागरूकता और सहभागिता और अधिक सशक्त होगी।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री हरिरामजी गोयल
की जन्म जयंती के उपलक्ष्य पर
गोयल ज्वेलर्स, सोमाजीगुडा
वितरण स्थल : इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने, के.बी.आर गार्डन के पास
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

कार्टून कॉर्नर

अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा द्वारा

खाटू श्याम बाबा की रथ यात्रा का भावपूर्ण स्वागत

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा द्वारा खाटू श्याम बाबा की पावन रथ यात्रा का भावपूर्ण एवं भव्य स्वागत किया गया। रथ यात्रा के आगमन पर श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर बाबा का स्वागत किया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा।

रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा श्याम बाबा को पुष्पहार अर्पित किए गए तथा श्रद्धा भाव से प्रसाद चढ़ाया गया।

कार्यक्रम के दौरान जय श्री श्याम के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा और भक्तों की आस्था व भक्ति देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल का भी शाखा के

सदस्यों द्वारा पुष्प वर्षा कर एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

उनकी उपस्थिति से कार्यक्रम की भव्यता और भक्तिरस में और अधिक वृद्धि हुई। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा की अध्यक्ष सीमा मोदी, उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सौरभ कुमार अग्रवाल सहित समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर रमेश गुप्ता, शिव शंकर बगरिया, सुनील मोदी, पवन चौधरी, प्रमोद कुमार अग्रवाल, पियूष अग्रवाल, पराग केसरवाला, मानिकलाल अग्रवाल, मंजू चौधरी, वंदना चौधरी, उषा सिंघल, वीणा देवी सहित अनेक श्रद्धालु एवं सदस्य उपस्थित रहे।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

चि. पूर्वंश बंसल
के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर
श्री रामलालजी छाजुरामजी बंसल
वितरण स्थल : भू-लक्ष्मी माता गौशाला, बेगम बाज़ार
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

सेवा के बिना मन को चैन नहीं मिलता : शर्मिला अग्रवाल

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास निरंतर चल रहे अन्नदान कार्यक्रम ने मानवता और सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

कार्यक्रम के दौरान अपने भाव व्यक्त करते हुए शर्मिला अग्रवाल ने कहा कि जिस दिन सेवा में नहीं आ पाती, उस दिन मन बेचैन हो जाता है। अब तो अन्नदान सेवा जीवन की आदत बन चुकी है। सुबह के सभी कार्य बाद में होते हैं, सबसे पहले अन्नदान केंद्र पहुंचकर जरूरतमंदों को भोजन कराना

ही प्राथमिकता रहती है।इस नियमित अन्नदान सेवा में जगत नारायण अग्रवाल, राजेश सर (योगा), अनिल भाई, गोविंद राम जी, महेश गोयल, अरुण विजयवर्गी, लता गोयल, नीलम विजयवर्गी, मीना अग्रवाल, रेनू शर्मा, स्वाति अग्रवाल एवं अर्चना शास्त्री सहित अनेक सेवा भावी लोग सक्रिय रूप से सहभागी रहे।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित यह अन्नदान कार्यक्रम प्रतिदिन जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराकर समाज में करुणा, संवेदना और निस्वार्थ सेवा का संदेश दे रहा है। यह सेवा कार्य आज शहर में प्रेरणा का केंद्र बनता जा रहा है।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री रामअवतारजी कानोड़िया
की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य पर
कानोड़िया परिवार
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

डॉ. अजय कुमार अग्रवाल को पब्लिक रिलेशन्स और सामाजिक सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए

दुबई में मिला ग्लोबल आइकन अवॉर्ड

हैदराबाद, 9 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पब्लिक रिलेशन्स और सामाजिक सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहे गए योगदान के लिए डॉ. अजय कुमार अग्रवाल को दुबई में ग्लोबल आइकन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में हैदराबाद में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में डॉ. अग्रवाल को औपचारिक रूप से सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम में श्री अजय मिश्रा, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व विशेष मुख्य सचिव, तेलंगाना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में सार्वजनिक जीवन, उद्योग, मीडिया, वित्त और सामाजिक संगठनों से जुड़ी अनेक प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया और डॉ. अजय कुमार अग्रवाल को उनकी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि के लिए सम्मानित किया।

सभा को संबोधित करते हुए अजय मिश्रा ने कहा कि डॉ. अजय अग्रवाल का पब्लिक रिलेशन्स, बैंकिंग, शिक्षा और सामाजिक सेवा का करियर वास्तव में उल्लेखनीय है। उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान नैतिक संचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनके आजीवन समर्पण को दर्शाती है। वह देश भर के युवा पेशेवरों के लिए एक प्रेरणा हैं।

यह सम्मान जिम्मेदार झठ और सामाजिक सेवा की पहचान

सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. अजय अग्रवाल ने कहा कि यह ग्लोबल आइकन अवॉर्ड सिर्फ एक व्यक्तिगत सम्मान नहीं है, बल्कि जिम्मेदार पब्लिक रिलेशन्स और सामाजिक सेवा की शक्ति की पहचान है। मैं यह पुरस्कार भारत को, झठ बिरादरी को और हर उस संगठन व व्यक्ति को समर्पित करता हूं जिसने पारदर्शी संचार और सामाजिक जिम्मेदारी में विश्वास किया।

डॉ. अग्रवाल वर्तमान में इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ पब्लिक रिलेशन्स के नेशनल प्रेसिडेंट के रूप में कार्यरत हैं और उन्होंने भारत में पेशेवर पब्लिक रिलेशन्स प्रथाओं को सशक्त बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई है।

पब्लिक रिलेशन्स, बैंकिंग और शिक्षा में रहा है बहुआयामी करियर

डॉ. अजय अग्रवाल ने कई प्रतिष्ठित नेतृत्व और सलाहकार पदों पर कार्य किया है। इनमें चेयरमैन, सलाहकार बोर्ड, सिंटिला कम्युनिकेशंस; पूर्व चेयरमैन, पीआर एवं कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस, एफटीसीसीआई तथा एसएमई चैंबर ऑफ इंडिया (तेलंगाना और आंध्र प्रदेश) के सलाहकार जैसे महत्वपूर्ण दायित्व शामिल हैं। वह पब्लिक रिलेशन्स काउंसिल ऑफ इंडिया के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

बैंकिंग और कॉर्पोरेट सेक्टर में भी उनका करियर अत्यंत शानदार रहा है। उन्होंने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में असिस्टेंट जनरल मैनेजर एवं हेड–मार्केटिंग एंड पब्लिक रिलेशन्स, साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर हेड–कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस के रूप में सेवाएं दी हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कई प्रमुख कॉर्पोरेट समूहों में वरिष्ठ पदों पर कार्य किया और प्रतिष्ठित कंपनियों के बोर्ड में डायरेक्टर के रूप में भी भूमिका निभाई है।

लेखक, शिक्षाविद और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त व्यक्तित्व

एक कुशल शिक्षाविद और लेखक के रूप में डॉ. अग्रवाल ने झठ – अ ढेश्र षेअॅ डीललर्शीी पुस्तक लिखी है। वे कई विश्वविद्यालयों और संस्थानों में गेस्ट फैकल्टी और विजिटिंग लेक्चरर के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं।

डॉ. अजय अग्रवाल को अब तक अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें शामिल हैं–

–पीआर एवं सोशल सर्विसेज में ग्लोबल आइकन अवॉर्ड – दुबई (2026)

–ब्रिटिश संसद, लंदन में भारत गौरव अवॉर्ड (2023)

–गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा दुनिया के 23 पॉजिटिव चेंज मेकर्स में से एक के रूप में मान्यता–महाराजा अग्रसेन ग्लोबल आइकन अवॉर्ड – आगरा गौरव 2025

–पीआरसीआई द्वारा डॉ. के. आर. सिंह मेमोरियल नेशनल लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड–युवा शक्ति मीडिया हाउस, कोलकाता द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

–इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार

–फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी द्वारा एकल दूत पुरस्कार

–यूनिटी अवॉर्ड, कमल पत्र अवॉर्ड सहित अनेक राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय सम्मानइस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता; नरेंद्र गोयल, चेयरमैन, वेंकटेश्वर ग्रुप ऑफ कंपनीज़ एवं सामाजिक कार्यकर्ता; आर. एन. गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल समाज तेलंगाना तथा सुभाष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल समाज तेलंगाना ने भी अपने विचार व्यक्त किए और डॉ. अजय अग्रवाल को उनकी उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं दीं।

सांसद खेल महोत्सव 2026: लोढ़ा कासा पैराडिसो में म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का सफल आयोजन

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) प्रधानमंत्री सांसद खेल महोत्सव 2026 के तत्वावधान में रविवार, 8 फरवरी 2026 को सनतनगर स्थित लोढ़ा कासा पैराडिसो के एफ्रोडाइट साइड में म्यूजिकल चेयर कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया। शाम 5:00 से 7:00 बजे तक चले इस कार्यक्रम में लोढ़ा कासा पैराडिसो के निवासियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया, जिससे पूरा वातावरण जीवंत और आनंदमय हो गया।

दिग्गज नेताओं की उपस्थिति और भव्य स्वागत

इस कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्वा रेड्डी और दयानंद के साथ पूर्व नेता क्रांति ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। श्रीमती सपना विमल गुप्ता ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कार्यक्रम के सुचारू समन्वय एवं प्रभावी प्रबंधन की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। उपस्थित लोगों के लिए चाय और जलपान की व्यवस्था की गई थी, जिसने उत्सव के उत्साह और प्रतिभागियों के आराम को और बढ़ा दिया।

मधु अग्रवाल ने जीता प्रथम पुरस्कार, विजेताओं का हुआ सम्मान

म्यूजिकल चेयर की कड़ी प्रतिस्पर्धा में मधु अग्रवाल ने प्रथम पुरस्कार जीता, जबकि अंजू डागा ने द्वितीय पुरस्कार हासिल किया। खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इन पुरस्कारों के प्रायोजक मसैफ्रॉन हॉस्पिटैलिटी सॉल्यूशंसफ के पार्टनर विनीत गुप्ता थे।

सामुदायिक एकजुटता की सराहना

इस अवसर पर भाजपा नेता सपना गुप्ता ने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने निवासियों द्वारा प्रदर्शित सामुदायिक जुड़ाव और सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आपसी बंधुत्व को मजबूत करते हैं।

जरूरतमंदों के लिए संबल बना राधे–राधे ग्रुप : सुरेश सिंघल

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सेवा केवल सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि संवेदना, करुणा और मानवता की सच्ची पहचान है। जब सेवा निस्वार्थ भाव से की जाती है, तो वह समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में भी आशा और आत्मविश्वास भर देती है। उक्त विचार सुरेश सिंघल ने नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा संचालित नियमित अन्नदान कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य जरूरतमंदों के लिए संबल बनते जा रहे हैं। भूखे को भोजन और निराश को आश्वासन देना ही सच्ची मानव सेवा है। ऐसे सेवा कार्य समाज में भाईचारे, सहयोग और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भगतराम गोयल, ई–जगन (चंपापेट), प्रीतिका अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, धर्मेंद्र गोयल, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दायमा सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने पूरे समर्पण और सेवा भाव के साथ कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

कई शहर अंधेरे में

दम तोड़ रही है एलईडी स्ट्रीट लाइटें

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

नगर प्रशासन और शहरी विकास (एमएयूडी) विभाग की कथित सुस्ती और खराब रखरखाव के कारण तेलंगाना की कई नगर पालिकाओं और नगर निगमों में लगी एलईडी स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ गई हैं। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के साथ–साथ राज्य के कई अन्य शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) से खराब स्ट्रीट लाइटों की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। यह समस्या विशेष रूप से उन क्षेत्रों में अधिक गंभीर हुई है, जहाँ एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) के साथ स्थापना, संचालन और रखरखाव का अनुबंध समाप्त हो चुका है।करार खत्म होते ही गहराया संकट, चुनाव में बना बड़ा मुद्दा

आगामी बुधवार को होने वाले नगर निकाय चुनावों के मद्देनजर स्ट्रीट लाइटों का बंद होना अब एक गरमाया हुआ राजनीतिक मुद्दा बन गया है। गौरतलब है कि ईईएसएल के साथ हुए समझौते के तहत राज्य के 140 शहरी निकायों में लगभग 17 लाख एलईडी लाइटें लगाई गई थीं। इनमें से 73 निकायों में रखरखाव का अनुबंध सितंबर 2025 में ही समाप्त हो चुका है, जबकि जीएचएमसी क्षेत्र में यह करार अप्रैल 2025 में ही खत्म हो गया था। वर्तमान में यह अनुबंध केवल 67 निकायों में प्रभावी है, जिसके कारण शेष 73 निकायों की 8.9 लाख लाइटों का भविष्य अधर में लटका हुआ है।

शिकायतों के अंबार के बाद नगर प्रशासन अधिकारियों ने रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए कुछ वैकल्पिक और अल्पकालिक व्यवस्थाएं की थीं। यहाँ तक कि कुछ निजी एजेंसियों को भी इस काम में लगाया गया, लेकिन ये प्रयास धरातल पर नाकाम साबित हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, वित्तीय बाधाएं, सीमित जनशक्ति और सरकार से पर्याप्त समर्थन की कमी इस बुनियादी ढांचे की बदहाली के मुख्य कारण हैं।

इस एलईडी परियोजना ने राज्य को न केवल बिजली की बचत दी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी बड़ी भूमिका निभाई थी। इससे सालाना लगभग 193 मेगावाट बिजली की बचत हो रही थी और कार्बन उत्सर्जन में 0.81 मिलियन टन की कमी आई थी। अकेले जीएचएमसी ने बिजली बिलों में सालाना करीब 80 करोड़ रुपये बचाए थे। हालांकि, अब जीएचएमसी में विलय किए गए 27 निकायों में रखरखाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इसके अलावा, राज्य सरकार को अभी भी ईईएसएल को लगभग 350 करोड़ रुपये के बकाया का भुगतान करना बाकी है।

केंद्रीय हिंदी निदेशालय की दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

स्वैच्छिक हिंदी संस्थाओं को मिली व्यावहारिक मार्गदर्शन

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय हिंदी निदेशालय, क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद द्वारा स्वैच्छिक हिंदी संस्थाओं के लिए दिनांक 6 एवं 7 फरवरी 2026 को आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला अत्यंत सफल, उद्देश्यपूर्ण एवं उपयोगी रही। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्वैच्छिक हिंदी संस्थाओं को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया को सही, सरल एवं त्रुटिरहित ढंग से भरने की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था।

कार्यशाला में निदेशालय की ओर से मुख्य अतिथि के रूप मेंबी. एल. मीणा, डॉ. दीपक पांडे तथा क्षेत्रीय निदेशक हुकम चंद मीणा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक एवं गोवा की स्वैच्छिक हिंदी संस्थाओं के लगभग 70 प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को आवेदन भरने की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया गया तथा उनके प्रश्नों और शंकाओं का समाधान किया गया। अधिकारियों ने आवेदन में होने वाली सामान्य त्रुटियों, आवश्यक दस्तावेजों तथा समय–सीमा की जानकारी पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।

समापन अवसर पर स्वैच्छिक हिंदी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने इस मार्गदर्शक पहल के लिए केंद्रीय हिंदी निदेशालय के निदेशक एवं अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को व्यावहारिक, ज्ञानवर्धक और अत्यंत लाभकारी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

जियगुडा के पार्षद बोहिनी दर्शन ने जियगुडा डिवीजन के वेंकटेश्वर नगर में 8 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीसी रोड का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जियागुड़ा नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, वेंकटेश, भाजपा नेता मुरली, जगदीश, रमेश, श्रीनिवास, सत्यनारायण समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

इंकलाब सेना पार्टी ने की पदयात्रा, जीएचएमसी समस्याओं का उठाया मुद्दा

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इंकलाब सेना पार्टी ने अपने दल प्रतीक कप और सौसर के साथ वॉल पोस्टर जारी करते हुए एक पदयात्रा शुरू की है। यह पदयात्रा आईएसपी कार्यालय, दारुस्सलाम से शुरू होकर जामबाग और आसपास के क्षेत्रों में की गई।पदयात्रा के दौरान, पार्टी कार्यकर्ताओं ने निवासियों के साथ बातचीत की और नोट किया कि क्षेत्र में नाली, सड़क, स्वच्छता, पानी की आपूर्ति और स्ट्रीट लाइट्स जैसी जीएचएमसी संबंधी समस्याएं प्रमुख हैं।

इंकलाब सेना पार्टी ने जनता को आश्वासन दिया है कि सभी वास्तविक समस्याओं को जीएचएमसी अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा और लोकतांत्रिक साधनों के माध्यम से समाधान होने तक इसका अनुसरण किया जाएगा।पार्टी ने कहा कि वह जनता के साथ खड़ी है और सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्ध रहेगी।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का तीखा हमला

शहरी निकायों की बदहाली के लिए भाजपा और बीआरएस जिम्मेदार

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को केंद्र की 12 साल पुरानी भाजपा सरकार और राज्य में एक दशक तक शासन करने वाली पिछली बीआरएस सरकार पर तेलंगाना को विफल करने का आरोप लगाया। 11 फरवरी को होने वाले नगर निकाय चुनावों के मद्देनजर मतदाताओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में उनकी सरकार द्वारा लागू किए गए विकास और कल्याणकारी उपायों के आधार पर कांग्रेस को समर्थन दें।

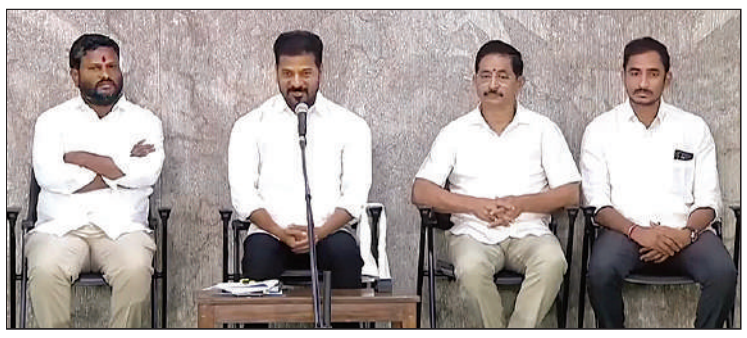

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय प्रशासन के प्रति भाजपा और बीआरएस की उपेक्षा के कारण आज शहरी निकाय समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नगर प्रशासन मंत्री के रूप में वे यह सुनिश्चित करेंगे कि हर नगर पालिका और नगर निगम के विकास के लिए एक मास्टर प्लान तैयार हो।

केंद्र पर भेदभाव का आरोप और दक्षिण बनाम उत्तर का मुद्दा

रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि 2014 से ही भाजपा नीत केंद्र सरकार तेलंगाना के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने राज्य के एक भी प्रस्तावित प्रोजेक्ट को मंजूरी नहीं दी। पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा न मिलने और प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के सहयोग न मिलने का जिक्र करते हुए उन्होंने भाजपा नेताओं को आड़े हाथों लिया।मुख्यमंत्री ने करों के बंटवारे पर एक चौंकाने वाला आंकड़ा पेश करते हुए कहा, तेलंगाना द्वारा केंद्र को दिए गए हर एक रुपये के बदले राज्य को केवल 42 पैसे वापस मिलते हैं, जबकि उत्तर भारत के राज्यों जैसे बिहार को 6.06, मध्य प्रदेश को 2.09 और उत्तर प्रदेश को 2.90 मिलते हैं। उन्होंने इसे दक्षिण भारतीय राज्यों के साथ सरासर अन्याय करार दिया।

भाजपा-बीआरएस की सांठगांठ और स्थानीय मुद्दों पर राजनीति

मुख्यमंत्री ने भाजपा और बीआरएस के बीच गुप्त समझौते का आरोप लगाते हुए कहा कि फोन टैपिंग और कालेश्वरम परियोजना जैसे मामलों में केंद्र की निष्क्रियता इसी का प्रमाण है। उन्होंने बीआरएस को एसिड से साफ करने की बात कही ताकि राज्य को ऐसी शक्तियों से मुक्त किया जा सके। रेवंत रेड्डी ने भाजपा द्वारा स्थानीय चुनावों में भी प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिए जाने और धार्मिक राजनीति करने को उनकी बौद्धिक दिवालियापन बताया। उन्होंने सवाल किया कि तेलंगाना के दो केंद्रीय मंत्रियों ने मूसी पुनरुद्धार या हैदराबाद मेट्रो फेज-2 जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए फंड क्यों नहीं दिलवाया।

कांग्रेस की उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड: भविष्य के लिए दें जनादेश

अपने दो साल के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को हर महीने की 1 तारीख को वेतन देना सुनिश्चित किया है। उन्होंने आरोग्यश्री की सीमा 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख करने, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, नए राशन कार्ड, किसान ऋण माफी और 70,000 सरकारी नौकरियों को भरने जैसे कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और भारत फ्यूचर सिटी जैसे प्रोजेक्ट्स का हवाला देते हुए मतदाताओं से आग्रह किया कि वे अतीत के कड़वे अनुभवों और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस को भारी बहुमत से विजयी बनाएं।

राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में

श्रीमद् भागवत कथा 9 अप्रैल से

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सभी धर्मावलंबी बंधुओं को यह जानकर हर्ष होगा कि राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 9 अप्रैल से 15 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक साईं बाबा मंदिर प्रांगण, एनएम गुड्डा चौराहा, अत्तापुर, हैदराबाद में संपन्न होगा।

इस पावन अवसर पर वृंदावन निवासी बाल व्यास सुश्री कृष्णनंदनी चतुर्वेदी अपनी अमृतमयी एवं मधुर वाणी से श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगी। श्रद्धालुजन सात दिनों तक भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं और भागवत महात्म्य का श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त करेंगे।

श्रीमद् भागवत कथा के उपरांत 16 अप्रैल को दोपहर 3 बजे से सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। यह पाठ निजामाबाद निवासी सारडा बंधु द्वारा किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं को भक्ति और श्रद्धा से ओत-प्रोत वातावरण का अनुभव प्राप्त होगा।

राजस्थानी जागृति समिति ने सभी धर्मावलंबी बंधुओं से आग्रह किया है कि वे इस धार्मिक आयोजन को भव्य रूप से सफल बनाने हेतु तन, मन और धन से सहयोग प्रदान करें तथा श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन में सहभागी बनकर पुण्य के भागी बनें।

समिति को पूर्ण विश्वास है कि समाज का सहयोग अवश्य प्राप्त होगा।समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे सह-परिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित पधारकर श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करें और अपने जीवन को सार्थक बनाएं।अन्य जानकारी के लिए समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी से संपर्क किया जा सकता है।

वारंगल में स्कूल बस से टकराकर पलटा ट्रैक्टर, 2 साल की बच्ची समेत दो की मौत

वारंगल, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वारंगल जिले के पर्वथगिरी मंडल स्थित श्रीनगर चौराहे पर सोमवार को एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली और निजी स्कूल बस के बीच हुई भीषण टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य घायल हो गए। मृतकों में दो साल की एक मासूम बच्ची और 45 वर्षीय मोहम्मद इस्माइल शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया।

नशे में धुत था ट्रैक्टर चालक, दरगाह से लौट रहा था परिवार

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रैक्टर मोहम्मद हुसैन चला रहा था, जो कथित तौर पर शराब के नशे में था और वाहन को अत्यधिक गति से चला रहा था। पीड़ित परिवार वारंगल के शम्बुनीपेट का रहने वाला है, जो अन्नाराम गांव स्थित हजरत सैयद याकूब शावली बाबा दरगाह में एक धार्मिक समारोह में शामिल होकर लौट रहा था। दुर्घटना के समय ट्रैक्टर-ट्रॉली में परिवार के 12 सदस्य सवार थे, जो ट्रॉली पलटने के बाद उसके नीचे दब गए।

बाल-बाल बचे बस में सवार 40 स्कूली बच्चे

हादसे के वक्त निजी स्कूल बस में करीब 40 छात्र सवार थे, जो स्कूल से घर लौट रहे थे। टक्कर के कारण बस के सामने का शीशा और खिड़कियां चकनाचूर हो गईं, लेकिन गनीमत रही कि छात्र सुरक्षित रहे और उन्हें केवल मामूली चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही बदहवास माता-पिता मौके पर पहुंचे और अपने बच्चों को सुरक्षित पाकर राहत की सांस ली।

बचाव कार्य जारी, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

हादसे में घायल हुए ट्रैक्टर सवार यात्रियों को इलाज के लिए महात्मा गांधी मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। पर्वथगिरी के उप-निरीक्षक ए. प्रवीण और उनकी टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्य किया और यातायात बहाल कराया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मल्लेपल्ली में फुटपाथ अतिक्रमण पर जीएचएमसी की कार्रवाई

अनवर-उल-उलूम कॉलेज के पास तोड़फोड़ से मचा हंगामा

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) द्वारा सोमवार, 9 फरवरी को चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान न्यू मल्लेपल्ली इलाके में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। स्थानीय निवासियों और दुकानदारों ने आरोप लगाया कि उनकी दुकानों को बिना किसी पूर्व सूचना के ध्वस्त कर दिया गया, जिससे इलाके में अराजकता फैल गई।

पुलिस की मौजूदगी में चला अभियान, जनता ने जताया आक्रोश

यह घटना अनवर-उल-उलूम कॉलेज के पास उस समय हुई, जब जीएचएमसी और पुलिस की मौजूदगी में फुटपाथों पर बनी अवैध दुकानों के खिलाफ तोड़फोड़ अभियान चलाया जा रहा था।अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई सार्वजनिक फुटपाथों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए की गई थी।

हालांकि, अभियान के दौरान गुस्साए लोगों ने पुलिस पर हमला कर दिया और अपने बिजली के बिल दिखाते हुए दावा किया कि वे वर्षों से वहां रह रहे हैं।

दिव्यांग दुकानदारों की पीड़ा आई सामने

एक दुकानदार, जो शारीरिक रूप से विकलांग है और बोल नहीं सकता, अधिकारियों से तोड़फोड़ रोकने की गुहार लगाता नजर आया। जब उसे दुकान खाली करने के लिए कहा गया, तो उसके दोस्त ने अधिकारियों से भावुक अपील करते हुए कहा कि हम कहाँ जाएँ, साहब? मेरा दोस्त ठीक से बोल या चल नहीं सकता। वह कहाँ जाएगा?

उसके दोस्त ने पत्रकारों को बताया कि जीएचएमसी की ओर से तोड़फोड़ को लेकर कोई नोटिस नहीं दिया गया था। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे में गरीब लोग अपना गुजारा कैसे करेंगे।

आंशिक रूप से दृष्टिहीन महिला की दुकान भी ध्वस्त

एक अन्य आंशिक रूप से दृष्टिहीन महिला दुकानदार, जिसकी दुकान भी इस कार्रवाई में ध्वस्त कर दी गई, ने पत्रकारों से कहा, मैं नियमित रूप से प्रशासन को कर अदा करती हूँ, फिर भी उन्होंने मेरी दुकान को नहीं बख्शा। मैं देख नहीं सकती, मैं आंशिक रूप से दृष्टिहीन हूँ। मेरी एक मानसिक रूप से अस्थिर बेटी है। अब मैं कहाँ जाऊँगी?

बिना नोटिस कार्रवाई पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने जीएचएमसी पर बिना पूर्व सूचना तोड़फोड़ करने का आरोप लगाते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। फिलहाल इलाके में स्थिति पर पुलिस नजर बनाए हुए है और मामले को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हाइड्रा की बड़ी कार्रवाई

नरसिंगी में 60 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन कराई मुक्त

हैदराबच, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भूमि पुनर्प्राप्ति के एक और बड़े मामले में हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) ने रंगा रेड्डी जिले के नरसिंगी इलाके में करीब 60 करोड़ रुपये मूल्य की 3,000 वर्ग गज (27,000 वर्ग फीट) भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है।अधिकारियों के अनुसार, औनोदय हाउसिंग सोसाइटी के पार्क क्षेत्र पर अतिक्रमण की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। जांच के बाद हाइड्रा ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाया और पूरी जमीन को अपने कब्जे में ले लिया। फिलहाल संबंधित क्षेत्र की बाड़बंदी कर दी गई है और इसे सार्वजनिक उपयोग के लिए एक पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा।2024 में अपनी स्थापना के बाद से हाइड्रा हैदराबाद और आसपास के इलाकों में अतिक्रमण विरोधी अभियान लगातार चला रही है।

सिकंदराबाद तेरापंथ सभा के तत्वावधान में कन्वोकेशन एवं मेडल समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद तेरापंथ सभा के तत्वावधान में आज डीवी कॉलोनी भवन में कन्वोकेशन एवं मेडल समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर ज्ञानशाला से जुड़े बच्चों, प्रशिक्षिकाओं एवं अभिभावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मीनाक्षी सुराणा ने जानकारी दी कि वर्तमान में पूरे हैदराबाद में सभा के सहयोग से 21 ज्ञानशालाएं सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं। ज्ञानशाला का नया सत्र 2026-27 प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने सभी अभिभावकों से आग्रह किया कि 4 से 14 वर्ष की आयु के जो बच्चे अभी ज्ञानशाला से नहीं जुड़े हैं, उन्हें अवश्य ज्ञानशाला में भेजें। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। आंध्र-तेलंगाना की आंचलिक संयोजिका सीमा जी दस्सानी ने स्वागत भाषण के माध्यम से आगंतुकों का स्वागत किया। सभा के अध्यक्ष श्री सुशील जी संचेती ने अपने संबोधन में सभी को शुभकामनाएं दीं। प्रशिक्षिकाओं द्वारा स्वागत गीतिका का सुंदर गान प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात तारनाका एवं काचीगुड़ा ज्ञानशाला के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।ज्ञानशाला सत्र 2025-26 की परीक्षाएं 11 जनवरी को सात केंद्रों पर आयोजित की गई थीं, जिनके उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए। प्रशिक्षिकाओं की मेहनत और बच्चों की लगन से शत-प्रतिशत सफलता दर्ज की गई। इस दौरान 39 बच्चों ने हैदराबाद स्तर पर टॉप किया तथा 39 बच्चों ने भाग-5 पूर्ण किया। इन बच्चों को केप और सेश पहनाकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में बेस्ट ज्ञानशाला अवार्ड हाइटेक सिटी ज्ञानशाला को प्रदान किया गया। साथ ही इंटर-गेम प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न ज्ञानशालाओं द्वारा तैयार किए गए खेलों को भी सराहा गया।

IN THE COURT OF HON'BLE V JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURTS, AT: HYDERABAD
O.S.No. 5416 OF 2025
BETWEEN:
1. Vipin Asava, S/o Late Omprakash Asava, Aged 35 years, Occ: Business, R/o. H.No.8-2-686/16/7/101, Flat No.101, Sarda Residency, Near Axis Bank, Road No.12, Banjara Hills, Hyderabad, Telangana – 500 034.
2. Bharat Kumar Asava, S/o Late Omprakash Asava, Aged 31 years, Occ: Business, R/o.H.No.8-2-686/16/7/101, Flat No.101, Sarda Residency, Near Axis Bank, Road No.12, Banjarahills, Hyderabad, Telangana – 500 034. ...Plaintiffs
AND
1. The Tahsildar, Khairtabad, Khairatabad, Road No.2, Venkateshwara Nagar, Aurora Colony, Banjara Hills, Hyderabad- 500 034
2. All Concerned .....Defendants
To,
ALL CONCERNED(D2)
Whereas the above SUIT has been filed by a plaintiff seeking to declare them as the surviving legal heir of Late Surekha Asawa & Omprakash Asawa for legal status. Any person/persons having objection are hereby directed to remain present in person or through their counsel before the above mentioned court at 10:30 am on **23/02/2026,** failing which the matter will be decided with material on record available in the court.
(By Order of the Court)
M/s. Mohan Dhwaj Yadav,
Advocate,
H.No.14-5-361, Shahinayath Gunj Road, Begum Bazar, Hyderabad- 500 012.
Mob.No.8686908979

ध्यान भटकाकर चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

3 आरोपी गिरफ्तार, 5 ग्राम सोने की अंगूठी बरामद

हैदराबाद, 09 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर की वारसिगुडा पुलिस ने ध्यान भटकाकर चोरी करने के एक मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच ग्राम वजन की एक सोने की अंगूठी बरामद की है। बरामद अंगूठी में हरे रंग का उत्कीर्ण पत्थर लगा हुआ है।

मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं तीनों आरोपी

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुभाष नाथ (23), करण नाथ (21) और सोहन नाथ (23) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपी मध्य प्रदेश के निवासी हैं और आजीविका की तलाश में हैदराबाद आए थे। वे शहर के पहाड़ी शरीफ इलाके में रह रहे थे।

सेवानिवृत्त अधिकारी को बनाया शिकार

वारसिगुडा पुलिस ने बताया कि यह चोरी 5 फरवरी को जामिया उस्मानिया रेलवे स्टेशन के सामने ललिता नगर इलाके में हुई। पीड़ित की पहचान वेनिगल्ला रवि (62) के रूप में हुई है, जो सेवानिवृत्त जीएसटी अधीक्षक हैं।शिकायतकर्ता के अनुसार, संत के वेश में दो व्यक्ति उनके पास आए और उनके घर पर पूजा कराने की पेशकश की।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No. JC 734985K Sub Ram Babu of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother name is changed from DHANGARI to DAGANRI

CHANGE OF NAME
I, No. 6948447W Nk Vinod Kumar VG of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother name is changed from SHANDA to SANTHA KUMARI

CHANGE OF NAME
I, Army No. 15829520F Nk ARUN of AOC Records, C/o.56 APO, Secunderabad declare that my father name is to be changed from JAGBEER SINGH JAGBIR SINGH.

CHANGE OF NAME
I, REENA Spouse of Army No.6949901X Nk SHGD MUKESH MEWADA of Ordnance Depot, Avadi Chennai, Tamilnadu-600055 have changed my name from REENA to REENA MEWADA vide affidavit dt:9-2-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army rmy No.6949901X Nk SHGD MUKESH MEWADA of Ordnance Depot, Avadi Chennai, Tamilnadu-600055 that my mother name and DOB is to be changed from JANUBAI MEWADA, DOB:03-07-1963 to JANU BAI, DOB:01-01-1955.

CHANGE OF NAME & DOB
I, LAVETI VARAHALAMMA Mother of No.15330041K CHM KAMESWARA RAO LAVETI, Residing at H.No.9-49, Vill:Lavetipeta, PO:Dharmavaram, Teh:Etcherla, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532408 have changed my name and DOB from VARALAMMA, DOB:01-07-1965 to LAVETI VARAHALAMMA, DOB:01-01-1970 vide affidavit dt:09-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet,

CHANGE OF NAME & DOB
I, LAVETI JAMPANNA Father of No.15330041K CHM KAMESWARA RAO LAVETI, Residing at H.No.9-49, Vill:Lavetipeta, PO:Dharmavaram, Teh:Etcherla, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532430-532408 have changed my name and DOB from JAMPANNA, DOB:01-07-1963 to LAVETI JAMPANNA, DOB:01-01-1946 vide affidavit dt:09-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet,

CHANGE OF NAME & DOB
I, LAKSHMI Spouse of Service No. JC 390183Y Sub E THIRUPATHAIAH, Resident of Vill and PO:Edamakalu, Taluk:Giddalur, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523369 have changed my name and DOB from LAKSHMI, DOB:06-02-1982 to EDAMAKANTI LAKSHMI, DOB:01-01-1985 vide affidavit dt:9-2-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, CHAMPA GADEKAR Mother of Service No. 6944642W Hav NAND KISHOR, R/o. Vill:Karajgaon, Gram:Karajgaon, Sonra, Multai, Betul, Madhya Pradesh-460661 have changed my name from CHAMPA GADEKAR to CHAMPA BAO vide affidavit dt:30-01-2026 before K. Satyanarayana, Advocate and Notary, RJ Nagar, R.R.Dist.

CHANGE OF NAME
I, TRIVENEE GADEKAR Spouse of Service No. 6944642W Hav NAND KISHOR, R/o. Vill:Karajgaon, Gram:Karajgaon, Sonra, Multai, Betul, Madhya Pradesh-460661 have changed my name from TRIVENEE GADEKAR to TRIVENEE HARODE vide affidavit dt:20-01-2026 before K. Satyanarayana, Advocate and Notary, RJ Nagar, R.R.Dist.

CHANGE OF NAME
I, V V Sreenivas Guru B, R/o H.No.3-42-2/2, Nandi Bomma Centre, Gollapeta, Tadepalligudem, W-Godavari, A.P-534101, have changed my child name from VISHAL to BOLEM VISHAL vide affidavit dt.9-2-2026, before Sec-Bad Court

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.

संत शिरोमणी प.पू. रामचंद्र डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव अंतर्गत

प.पू. रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला के सहयोगार्थ

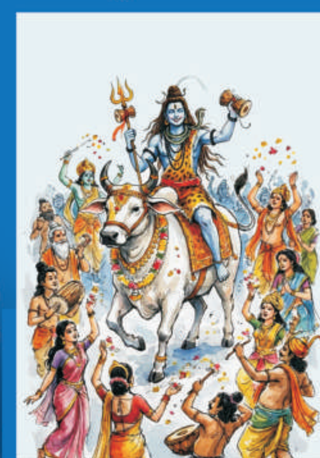

विशाल लोक डायरो एवं एक शाम गौमाता के नाम

रविवार दि. 15 फरवरी 2026 सायं 6.33 बजे से

कार्यक्रम स्थल : श्री उमिया माताजी मंदिर, श्री उमिया धाम, मेडचल (सिकंदराबाद)

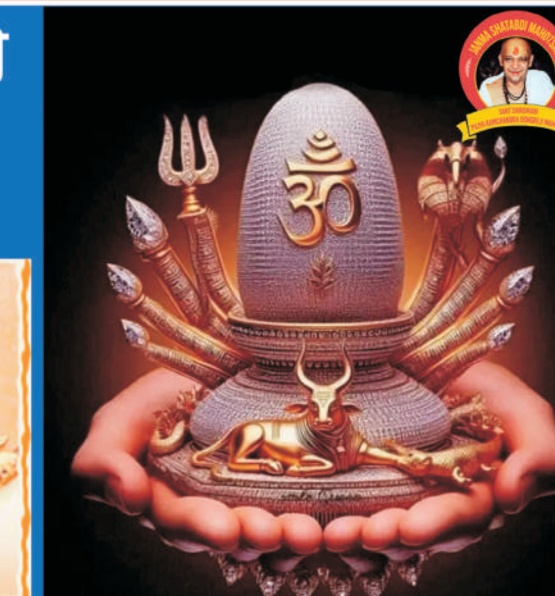

शिवरात्री के अवसर पर उमिया धाम मे स्थापित चमत्कारी शिवलिंग एवं श्री उमिया माता के दर्शन कर अपनी मनोकामनायें पूर्ण करे व पुण्य प्राप्त करें

प.पू. श्री महंत स्वामीजी महाराज

प.पू. श्री चिन्ना जियर स्वामी जी

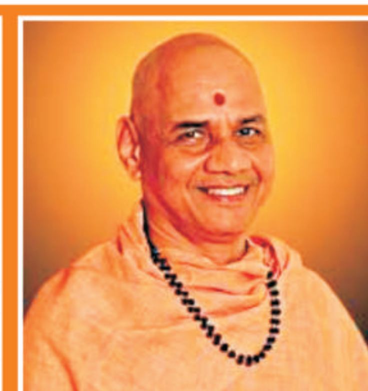

प.पू. श्री गोविंदगिरी महाराज

शास्त्री श्री प.पू. कृष्णचरण दास महाराज

जैनाचार्य प.पू. श्री अभय सेन विजयजी म.

शास्त्री श्री प.पू. हरीदर्शन दासजी स्वामी

उमियाधाम मेडचल सिकंदराबाद - तेलंगाना Umiya Dhaam

कार्यक्रम स्थान सहयोगी

Scan for Location

श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद सिकंदराबाद

With best wishes from

- तेलंगाना गुजराती समाज
- श्री गुजराती सेवा मंडल, सिकंदराबाद
- श्री गुजराती प्रगती समाज, हैदराबाद
- श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद सिकंदराबाद
- श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद
- श्री पाटीदार समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद
- श्री गुजराती पाटीदार समाज, हैदराबाद
- अग्रवाल समाज तेलंगाना
- हरियाणा नागरीक संघ
- श्री जैन सेवा संघ हैदराबाद
- श्री कच्छी मित्र मंडल हैदराबाद
- श्री गुजराती ब्राह्मण समाज हैदराबाद सिकंदराबाद
- वल्लभ युथ ओर्गनाईजेशन
- श्री हैदराबाद सिंकदराबाद लोहाणा महाजान
- श्री सिकंदराबाद लोहाणा समाज
- मैढ क्षत्रीय स्वर्णकार समाज, हैद. - सिकं
- श्री माली समाज हैदराबाद
- तेलंगाना आंध्र प्रदेशीक महेश्वरी समाज
- हैदराबाद सिंकद्राबाद माहेश्वरी सभा
- गोवत्स फाउंडेशन
- तेलंगाना गोशाला फेडरेशन
- तेलंगाना गोसेवा समिति
- तेलंगाना जाट समाज
- अखिल भारतीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन
- गुजराती मुवी क्लब हैदराबाद

देश के गौरववंता कलाकार द्वारा लोक संगीत कार्यक्रम गुजराती एवं हिन्दी में

विवेक सांखला
विख्यात लोक गायक

श्रुति पटेल
विख्यात लोक गायीका

हक्का भा गढवी
विख्यात हास्य कलाकार

आयोजक एवं निवेदक: **पू. रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला**
Injapur, Sagar Road, Hyderabad. Telangana
जसमत पटेल 7288047779, अशोक पटेल 93910 43371
मनसुख पटेल 98850 30582, किरण पटेल 9885114502
जीवराम पटेल, वसंत पटेल, प्रभु पटेल, भरत पटेल, अनील पटेल

भोजन प्रसाद सहयोगी :

श्री नानजीभाई, श्री हरजीवनभाई,
श्री शीवजीभाई, श्री जीवरामभाई,
श्री शीवलालभाई एवं समस्त पटेल परिवार

इस भव्य लोक डायरो कार्यक्रम मे भूमी दान हेतु, मुख्य सहयोगी, सह-सहयोगी, प्रवेश द्वार, मुख्य स्टेज, बैनर सहयोग तथा किसी भी प्रकार के सहयोग करने एवं अन्य जानकारी हेतु संपक करें....

Scan & Pay : Pujya Sri Ramchandra Dongreji

To Feed a Cow is not a Charity it's our obligation & our Duty

Donations towards Gaushala, Gau Grass can be done on
Pujya Sri Ramchandra Dongreji Maharaj Gowshala
State Bank of India A/C no : 62232749283
IFSC code : SBIN 0021227

For Giving Advertisement Support, Sponsorship, Donation etc. for this event Pls
Call Jasmat Patel 72880 47779, Ashok Patel 93910 43371

World's 1st Jewellery Showroom to present more than 100 exclusive Hallmarked Dulhan set's Certified by BIS
SHIVRAJ LAXMICHAND JAIN JEWELLERS
Exclusive Traditional & Designer Jewellery Collection

Love for Cow Foundation
SUNDAY 2 SUNDAY - CHALO GAUSHALA

NSP
N.S. PATEL AGENCIES
Jasmat Patel 72880 47779
Rama Krishna Patel 95504 17777
Distributors For
VISAKA, Vnext, INFRA.MARKET AAC BLOCKS, MAHA CEMENT, UNICEIL SOFFIT, ATUM VISAKA
040-24756210, 24756212, 24756826
8, 3rd Floor, Mithila Complex, 4-4-296/297, Bank Street, Koti, Hyderabad - 95.
nspatel_10@yahoo.co.in

For Advertisement in Newspapers, Desiging - Printing - Flex Banners - Horoscope (Kundali) Making - Whatsapp SMS for Marriages & Other Events Contact :
Atlas Advertising Paras Jagirdar 99499 81999 Ridesh Jagirdar Ph : 9030898999